राजू रविदास, प्रधानाध्यापक

कौआवारा नवसृजित प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक

खा जाते हैं बच्चों का निवाला

● अरविंद मिश्रा

चौकिए मत मध्यान भोजन में लूट मचा हुआ है, हद तो यह हो गया, शिक्षा के मंदिर में अगर गुरुजी ही बच्चे का निवाला खा जाए तो फिर बचा क्या, आज भ्रष्ट गुरुजी के वजह से शिक्षा विभाग भी और बिहार के मुख्यमंत्री भी हो जाते हैं शर्मशार, नवादा का शिक्षा विभाग सदा सुर्खियों में रहा, एक सर्टिफिकेट पर 25 नौकरी, बिना शिक्षक रहे हुए भी ड्यूटी में लगाना, फर्जी पेमेंट होना, बितीय अनिमीयता, जैसे कई गंभीर मामले पर केवल सच में प्रमुखता से खबर प्रकाशित किया, लेकिन भ्रष्टाचार के आकंठ डूबे हुए, शिक्षा विभाग के भ्रष्ट पदाधिकारी और भ्रष्टाचार के संरक्षक के मिली भगत से बच्चों के भी मध्यान भोजन प्रधानाध्यापक गटक जाते हैं, और

नौशाद आलम
बीईओ, मेस्कोर

ताजुद्दीन
साधन सेवी

यह हाल है नवादा जिला के मेस्कोर प्रखंड के तेतरिया पंचायत अंतर्गत कौआवारा नवसृजित प्राथमिक विद्यालय 31 अगस्त को विद्यालय बंद था, केवल सच के पत्रकारों की टीम 31 अगस्त के दिन कई विद्यालयों को निरीक्षण किया, जिसमें 1:40 में पाया गया कि कौआवारा विद्यालय में ताला लटका हुआ है, मजे की बात तो यह है कि विद्यालय बंद में 73 बच्चों ने मध्यान भोजन के तहत खाना खाया, केवल सच के पत्रकार द्वारा जो फोटो खींचा गया है उसमें समय सारणी भी है, और हद तो यह है कि जहां मध्यान भोजन बनता है वह चूल्हा तो लगता है कि महीनो से उपयोग नहीं किया गया है, क्योंकि रसोई घर का दरवाजा खुला हुआ है और चूल्हा के पास बकड़ी का मल-मूत्र से भरा हुआ है, मानना पड़ेगा जिनके कंधों पर विद्यालय की देखरेख की जिम्मेदारी साधन सेवी ताजुद्दीन को है, उन्होंने भी मध्याह्न भोजन के रजिस्टर पर हस्ताक्षर बना दिए हैं कि 73 बच्चों ने खाना खाया, लगता है कि शिक्षा विभाग के पदाधिकारी हो या साधनसेवी किन्ही को ना डर सरकार से है ना जिला के वरिष्ठ पदाधिकारी से है, और ना अपर सचिव शिक्षा विभाग के0 के0 पाठक से है, जब इस संदर्भ में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी से लेकर जिला पदाधिकारी से बात करने का प्रयास किया तो V, C चल रहा है कहकर, फर्ज को पूरा कर दिए, कौआवारा जैसे सैकड़ो विद्यालय में इसी तरह से मध्याह्न भोजन में लूट, खसोट मचा हुआ है, बच्चों के खेल में सामग्री में भी लूट है, के०के० पाठक आ जाएं, या कोई अन्य पदाधिकारी ऐसे

भ्रष्टाचारियों को कुछ होनेवाला वाला नहीं है, क्योंकि भ्रष्टाचार की जड़े इतनी मजबूत है की सफेदपोशों और भ्रष्ट पदाधिकारी के संयुक्त मेल से बड़े-बड़े ,घपले घोटाले नित्य जारी है, छात्रों के भविष्य का निर्माणकर्ता ही बच्चों का निवाला अजगर की तरह चटक जाए तो, शिक्षा विभाग की गुणवत्ता ही क्या होगा, नवादा के जिला शिक्षा पदाधिकारी से लेकर,डीपीओ, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी मेस्कोर, सभी को जानकारी देने के बाद भी प्रधानाध्यापक कर कोई कार्रवाई नहीं होना अत्यंत दुखद है, पता चला है कि इस प्रखंड के प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, और साधन सेवी ताजुद्दीन की रशुख बड़े-बड़े पॉलीटिशियनों से है, इसलिए शिक्षा विभाग में कितना भी गलत क्यों नहीं हो, सभी को बचाने का जिम्मा ले चुके हैं, ऐसे भ्रष्ट पदाधिकारी के सहयोग से गलत काम करने वालों का मनोबल बढ़ेगा और सरकार की योजनाओं में लूट खसोट बना रहेगा।●

डॉ. डी. एन. मिश्रा बने मगध विश्वविद्यालय के डीन

● **अरविंद मिश्रा**

अपने अदम्य साहस के धनी, और नवादा विधि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० डी.एन. मिश्रा जी को मगध विश्वविद्यालय के विधि संकाय विभाग का डीन मगध विश्वविद्यालय के कुलपति श्री एसपी शाही ने किया। डॉ0 डी0एन0 मिश्रा के डीन बनते ही, मगध प्रमंडल में ही नहीं बिहार और झारखंड में भी उनके शुभ चिंतकों में असीम उत्साह छा गया,और फिर बधाई देने सिलसिला हो गया, केवल सच प्रेस के संपादक ब्रजेश मिश्रा, हिंदुस्तान अखबार के बिहार और झारखंड मैं अग्रणी स्थान रखने वाले ज्ञानवर्धन मिश्रा, अधिवक्ता राकेश कुमार, अधिवक्ता अंजनी मिश्रा, अधिवक्ता चंद्र प्रकाश जी, पटना उच्च न्यायालय के अधिवक्ता राघवेंद्र मिश्रा, समाजसेवी और पूर्व सरपंच दिलीप पांडे ,सुमंत पांडे, प्रो० बच्चन पांडे, भाई भरत, रजनीश झा, शत्रुघ्न जी ,

शिक्षक मनोज यादव, शिक्षक संघ के जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र यादव, श्रीनिवास दुबे, शशांक शर्मा, भाजपा नेता महेश कुमार राय, यूथ फेडरेशन के प्रदेश उपाध्यक्ष उज्जवल पांडे,लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी बुंदेल मांझी, नवादा जिला ड्रग एसोसिएशन के अध्यक्ष ब्रजेश कुमार राय,विधि महाविद्यालयक के प्राध्यापक से लेकर अधिवक्ता सहित हजारों बुद्धिजीवियों, समाजसेवियों ने जहां डॉ० डी.एन. मिश्रा जी को बधाई दिए, सभी गण्यवान और प्रबुद्ध जनों ने यह उम्मीद जताया है कि, डॉ० डी.एन. मिश्रा जी के डीन बनने से मगध क्षेत्र में विधि विभाग में आमूल चूल परिवर्तन होगे और विधि विभाग के छात्रों को हर तरह की सुविधा भी मिलेगी, यह बता दें कि डी.एन. मिश्रा जी अदम्य साहस, कर्म योगी और प्रतिभा संपन्न व्यक्तित्व रहने के वजह से ही अपने अदम्य साहस और मेहनत के बदौलत 1986 में नवादा विधि महाविद्यालय की स्थापना किए और यह महाविद्यालय मगध विश्वविद्यालय से अनुमोदित और सम्बध है, नवादा जैसे अपेक्षित जिला में विधि महाविद्यालय खुलने से बुद्धिजीवियों में खुशी का लहर दौड़ चुका था और लॉ के क्षेत्र में नवादा के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि थी। लॉ के शिक्षा लेने वाले छात्रों की काफी सुविधा लॉ कॉलेज खुलने से हुआ। इनका यह साहसी कदम, समाज के लिए प्रेरणा है, अपने दम पर इतिहास रचने वाले को दुनिया सलाम करती है, आज आने वाले समय में नवादा विधि महाविद्यालय में एल.एम.एम. की भी पढ़ाई होगी। जिसकी घोषणा पिछले अगस्त माह में नवादा विधि महाविद्यालय के एम्स पेंडिंग हरिजन ऑफ जुडिशल एक्टिविटीज इन इंडिया विषय पर आयोजित कार्यक्रम में, मगध विश्वविद्यालय के कुलपति श्री प्रो० शशि प्रताप शाही ने घोषणा किया था। डीन बनाए जाने की खुशी में विद्यालय परिवार द्वारा और कई सामाजिक संगठनों द्वारा भी डॉ० डी.एन. मिश्रा जी का अभिनंदन स्वागत समारोह भी किया जाएगा। चलिए नवादा के लिए गौरव है कि नवादा का लाल सदैव अपने मेहनत के बदौलत विभिन्न क्षेत्रों में कृतिमान स्थापित करके नवादा को ही नहीं, बिहार को भी गौरव बढ़ाया है। उसमे एक डॉ० डी.एन. मिश्रा भी हैं।●

मगध विश्वविद्यालय, बोधगया
Magadh University, Bodhgaya

NOTIFICATION

Dr. Dharmanand Mishra, Principal in Reader rank, Nawada Vidhi Mahavidyalaya, Nawada is hereby appointed Dean, Faculty of Law, Magadh University, Bodh Gaya for one term or till the date of his superannuation whichever is earlier.

By the order of the Hon'ble Vice-Chancellor
Sd./-
Registrar
Magadh University, Bodh Gaya

Memo No. 31/[illegible]/23 *Dated.*[illegible]/2023

Copy forwarded for information to :-

1. Dr. Dharmanand Mishra, Principal in Reader rank, Nawada Vidhi Mahavidyalaya, Nawada.
2. Dr. Pradeep Kumar, Incharge, Law, A.M. College, Gaya, Magadh University, Bodh Gaya.
3. O.S.D., (Judl.), Governor's Secretariat, Raj Bhavan, Patna.
4. All Heads, University Department of Magadh University, Bodh Gaya.
5. All Principals, Magadh University, Bodh Gaya.
6. F.O., Magadh University, Bodh Gaya.
7. In-charge, Meeting Section, Magadh University, Bodh Gaya.
8. Secretary/PA to Hon'ble VC/PVC/F.A./Registrar, Magadh University, Bodh Gaya.
9. Nodal Officer, Magadh University, Bodh Gaya for uploading on Univ. Portal.

Registrar
Magadh University, Bodh Gaya

बिहार-झारखण्ड के इकलौते कैंसर सर्जन डॉ. नवीन को मिली उपाधि

● मिथिलेश कुमार

गांव की पगडंडी से निकल दिल्ली एम्स तक के सफर में जीत हासिल कर बिहार को किया गौरवांवित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ,नई दिल्ली के 48वाँ दीक्षांत समारोह में बिहार - झारखंड के ईकलौते कैंसर सर्जन विशेषज्ञ की उपाधि बिहार के नालन्दा जिले के एकंगरसराय प्रखण्ड अंतर्गत शादीपुर गावँ के डॉ नवीन कुमार को समारोह के मुख्य अतिथि भारत के उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ एवं केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया एवं एम्स नई दिल्ली के निदेशक डॉ श्री निवास के हाथों प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। 21 अगस्त को नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के सभागार में आयोजित दीक्षांत समारोह में डॉ नवीन कुमार को मेजिस्टर चिरुरिगी (एमसीएच) सर्जिकल ऑन्कोलॉजी की उपाधि से विभूषित किया गया। वही पत्नी कनकलता को भी उपाधि से नवाजा गया। डॉ० नवीन कुमार नालन्दा जिले के शादीपुर गाँव के किसान रघुवंश प्रसाद के पुत्र हैं जो पूरे बिहार-झारखंड के इकलौते कैंसर रोग सर्जन विशेषज्ञ हैं। डॉ नवीन गावँ की पगडंडी से निकलकर दिल्ली तक का सफर बहुत ही संघर्षो के बल पर मंजिल हासिल किया है। गरीबी को मात देकर इन्होंने कैंसर जैसे भयानक रोग से आम लोगों को सुरक्षित रखने एवं उसके डर को भगाने के लिए भी पूरी तैयारी की है।निम्नवर्गीय पृष्ठभूमि से आने वाले नवीन ने अपने किसान पिता एवं परिवार के सपनों को ही पूरा नही किया बल्कि युवाओं को भी एक नई उम्मीद दी है। वर्तमान में पटना स्थित महावीर कैंसर संस्थान में कैंसर सर्जन के पद पर कार्यरत है। अपने संघर्षो को याद करते हुए डॉ नवीन ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में एक मध्यमवर्गीय किसान मजदूर परिवार के लिए चिकित्सा के क्षेत्र में जाने के लिए कितनी परेशानियां और संघर्ष करना पड़ता है मैंने देखा है।उन्होंने अपने पिता को इसका श्रेय देते हुए कहा कि जिस पिता ने अभाव की जिंदगी जीकर मुझे खुशियों का उपहार दिया है। उन्होंने कहा कि मुझे कभी भी अपनी गरीबी और आर्थिक अभाव को महसूस नही होने दिया लेकिन मैं जानता था कि पिता के द्वारा बहाए जा रहे पसीने से ही यह खुशबु बिखेरी गयी है।पिता तो पिता ही होते है लेकिन मेरे लिए किसी मसीहा से कम नही हैं। समारोह में डॉ नवीन के साथ इनके साथ-साथ इनकी पत्नी कनकलता मेडिकल फिजिस्ट न्यूक्लियरमेडिसिन डिपार्टमेंट महावीर कैंसर संस्थान, पटना में ही कार्यरत हैं।नई दिल्ली में दीक्षांत समारोह के अवसर पर दोनों पति-पत्नी एक साथ मौजूद थे। इनकी उपलब्धि की चर्चा बिहार एवं झारखंड में हो रही है। अपनी उपलब्धि पर खुश डॉ नवीन ने बताया कि मेजिस्टर चिरुरिगी (एमसीएच) सर्जिकल ऑन्कोलॉजी की परीक्षा 2020 में ही हुई थी। जिसमें मैं सफल हुआ था।उन्होंने कहा कि 21 अगस्त को दिल्ली में आयोजित दीक्षांत समारोह मुख्य अतिथि भारत के उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ एवं केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ मनसुख मांडविया एवं एम्स के डायरेक्टर डॉ श्री निवास के हाथों उपाधि प्राप्त करने का सौभाग्य मिला है। एम्स की डीन एकेडमिक डॉ नीना खन्ना सहित कई विशेषज्ञ चिकित्सकों की मौजूदगी में यह सम्मान मिलने से काफी खुशी मिली है। उन्होंने कहा कि बदलते दौर में कैंसर रोग मानव में बहुत ही भयावह स्थिति पैदा कर देती है। बिहार और झारखंड में कैंसर सर्जन एक भी नही हैं। मुझे यह उपाधि मिली है यह मेरे एवं बिहार के लिए उपलब्धि है। सबसे खास बात यह है कि दिल्ली एम्स से इस बिषय पर उपाधि लेने वाले इकलौते और पहले चिकित्सक डॉ० नवीन ही हैं। उन्होंने कहा कि कैंसर एक ऐसा रोग है जो मनुष्य को पल-पल मौत का दस्तक देता है साथ ही साथ परिवार को आर्थिक एवं मानसिक यातना भी देता है। उन्होंने कहा कि कैंसर जैसे रोग से लड़ने के लिए आत्म विश्वास बहुत स्पोर्ट करता है।उन्होंने कहा कि ऐसे लक्षणों पर घबराने की जरूरत नही है बल्कि उससे लड़ने एवं उचित इलाज की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बिहार के लोगो के लिए मैं हमेशा उपलब्ध हुँ।उन्होंने कहा कि महावीर कैंसर संस्थान के साथ साथ पटना के सगुना मोड़ पर पटना कैंसर संस्थान भी है जो मेरे नेतृत्व में वहां सारी सुविधाएं उपलब्ध है। उनकी उपलब्धि पर उनके परिवार सहित नवादा कुशवाहा सेवा समिति के अध्यक्ष महेश्वर प्रसाद, सचिव विजय कुमार, संजय कुमार, डॉ० बसन्त प्रसाद, डॉ० हितेंद्र कुमार वर्मा, डॉ० अवधेश प्रसाद, डॉ० सुनील कुमार, बिहार शरीफ के चिकित्सक डॉ० दीनानाथ प्रसाद, डॉ० चन्देशर प्रसाद, डॉ० पवन कुमार भारती, डॉ० बी.पी. भारती, मिथिलेश कुमार, रविकांत वर्मा, दीपक कुमार, अरुनजय मेहता, संजय कुमार, डॉ० भोला प्रसाद कुशवाहा, शीतल प्रसाद सहित सैकड़ो लोगों ने शुभकामनाएं एवं बधाई दी है।●

नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष का किया गया नागरिक अभिनन्दन

● सन्दीप कुमार/राजीव कुमार

नवादा नगर भवन में नवादा जिला तैलिक साहू सभा की ओर से बिहार प्रदेश साहू के नव निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष माननीय श्री रणविजय साहू एवम उनके साथ निर्वाचित सभी पदों पर प्रदेश पदाधिकारी गण का भव्य अभिनंदन समारोह मनाया गया। अभिनंदन समारोह के अध्यक्षता नवादा के पूर्व मुख्य पार्षद एवम समाजसेवी संजय साव ने किया। मंच का संचालन पूर्व युवा अध्यक्ष अरविंद कुमार गुप्ता एवम संदीप चुन्नू ने किया।

प्रदेश अध्यक्ष रणविजय साहू और उनके टीम को नवादा नगर परिषद क्षेत्र इंट्री पर बाईपास में रिसीव किया गया उसमे सैकड़ों की संख्या में तेली समाज के युवा बंधु मोटरसाइकिल में झंडा लगाकर नारा लगा कर नगर भवन में लाया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम साहू समाज के महापुरुष भामा शाह एवम कन्हाई लाल साहू जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवम द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। नवादा साहू समाज के महिला मोर्चा की महिलाएं की ओर से स्वागत गीत गाकर उनका अभिनंदन किया गया। बिहार प्रदेश अध्यक्ष तैलिक साहू प्रदेश अध्यक्ष श्री रणविजय साहू जी को नवादा जिला तैलिक साहू सभा की ओर से अंग वस्त्र , माला , बुके , अंगवस्त्र , नवादा जिला का गौरव प्रजातंत्र चौक का मेमोंटो , तलवार और सोना का मुकुट पहनाकर उनका

भव्य अभिनंदन किया गया और भामाशाह अमर रहे, कन्हाई बाबू अमर रहे,, रणविजय साहू जिंदाबाद, नवादा जिला, तैलिक साहू सभा जिंदाबाद, तेली एकता जिंदाबाद का नारा लगाया गया।

कार्यक्रम में लोक संगीत कार्यक्रम हुआ जिसमे साहू समाज के छोटे छोटे बच्चे बच्चियां गीत और डांस के माध्यम से मनोरंजन किया , लोक गायक धर्मेंद्र जितेंद्र दोनो भाई ने लोक गीत के माध्यम से बहुत बहुत आकर्षक गीत संगीत मनोरंजन किए। कार्यक्रम में नवादा जिला के सभी प्रखंडों और पंचायतों से नवादा साहू समाज के महिला पुरुष हजारों की संख्या उपस्थित थे। कार्यक्रम में अरविंद कुमार गुप्ता ने अपने भाषण में कहा कि हमलोग तेली जाति एकजुट होइए निश्चित तौर पर अपना साहू समाज को राजनीति में हर पार्टी जगह देने का काम करेगे हमलोग अगर एक साथ कदम से कदम मिलाकर चलेंगे तब आने वाला भविष्य में अपना नवादा से विधायक और सांसद भी बनेंगे। संयोजक जितेंद्र कुमार ने प्रदेश अध्यक्ष से नवादा का पटना के साहू भवन में अपना नवादा का हक की कियें। उत्तम कुमार , हीरालाल साव , संदीप कुमार चुन्नू , अरुण कुमार ने अपने बातो से संबोधित किए। मुख्य पार्षद पिंकी कुमारी ने नवादा में तेली जाति की संगठन मजबूत करने पर बल दिया और महिलाओं को समाज में बढ़ चढ़ हिस्सा लेने की बात कहे। अध्यक्ष पूर्व मुख्य पार्षद संजय साव ने अपने बातो में कहा की रणविजय साहू का तेली जाति को अतिपिछड़ा में शामिल कराने में इनका बहुत योगदान है , सभी राजनीति पार्टी तेली जाति को विधान सभा में टिकट दे, हम तेली जाति एकजुट रहे, आज हम सबको अतिपिछड़ा का लाभ मिल रहा है, रणविजय साहू अपने समाज के लिए तत्पर खड़ा रहते है प्रदेश अध्यक्ष रणविजय साहू को बिहार सरकार मंत्री बनाया जाय। प्रदेश अध्यक्ष रणविजय साहू जी ने अपने वक्तव्य में कहे की हम पूरे बिहार में तेली समाज का मान सम्मान बढ़ाने का काम करूंगा, आज जो नवादा की धरती पर जो अभिनंदन हुआ वह आज तक किसी जिला में नही हुआ, प्रदेश अध्यक्ष ने कहा की बिहार में तेली जाति के आबादी के अनुसार 4 एम एल सी बनाया जाये। राज्य सभा में भी तेली के बेटा को भेजा जाये। जब हर तरह का आयोग है तब व्यवसाई आयोग का गठन किया जाये। विधान सभा चुनाव में सभी राजनीति पार्टी तेली जाति को 2025 के विधान सभा में 25 टिकट दिलाने के लिए मांग करता हूं। नवादा में कन्हाई बाबू का बहुत योगदान है, कन्हाई बाबू नवादा का महापुरुष है नवादा जिला प्रशासन कन्हाई बाबू का चौराहा पर आदम कद प्रतिमा लगाए। हम और हमारा पूरा टीम तेली जाति को आगे बढ़ाने में लगे रहूंगा। इस कार्यक्रम में उपेंद्र कुमार विभूति, अरविंद कुमार गुप्ता, जितेंद्र कुमार, हीरालाल साव, उत्तम साव, महिला अध्यक्ष मंजू देवी, कमला मुखिया, गौतम भारती, मनोज कुमार, संदीप कुमार चुन्नू, रौशन कुमार आर्य, कंचन साव, राजेंद्र विशाल, वजीर प्रसाद, अशोक कुमार गुप्ता, बिनोद कुमार, अरुण कुमार शिक्षक, राजीव कुमार बॉबी, पावन कुमार गुप्ता इत्यादि कार्यक्रता कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया। ●

निर्माणाधीन गंगा जल उद्भव योजना कार्य का निरीक्षण

● सन्दीप कुमार/राजीव कुमार

आशुतोष कुमार वर्मा जिला पदाधिकारी नवादा एवं श्री दीपक कुमार मिश्रा उप विकास आयुक्त नवादा ने आज संयुक्त रूप से सदर प्रखंड स्थित पौरा गॉव में निर्माणाधीन गंगा जल आपूर्ति योजना का औचक निरीक्षण किये'। डीएम श्री वर्मा ने इस परियोजना को निर्धारित समय सीमा के अन्दर गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के लिए सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता श्री अभिमन्यु कुमार को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिये। उल्लेखनीय है कि गंगा जल आपूर्ति योजना के लिए मोतनाजे से पौरा गंगा जल आपूर्ति स्थल तक पाईप लाईन बिछाने का कार्य पूर्ण हो गया है। पौरा में गंगा का जल नारदीगंज प्रखंड स्थित क्षेत्र मोतनाजे से पाईप के माध्यम से आयेगा। इसकी दूरी करीब 14 किलोमीटर है। सिंचाई विभाग के द्वारा नगर परिषद क्षेत्र में चार स्थलों पर चार सम्प हाउस तक पाईप बिछाने का कार्य पूर्ण हो चुका है। बुडको के द्वारा नगर थाना के पास पुरानी जेल रोड, पार नवादा डोबरा पर और सदर ब्लॉक कार्यालय के पास निर्माण किया जा रहा है। इसके अलावे कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद के द्वारा भी चिन्हित स्थलों पर पेयजल आपूर्ति के लिए सम्प हाउस का निर्माण किया जायेगा। जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता से सकरी नदी से निकलने वाले कैनाल के संबंध में फिडबैक लिया। पौरा गॉव के पास सकरी नदी के बॉध से दो मुख्य नहर निकलती है। बायें भाग से गिरीयक तक और दाहिने भाग से बाजितपुर तक नहर के माध्यम से पानी सिंचाई के लिए पहुंचाया जाता है। सकरी नदी का उद्गम स्थल झारखंड के सतगावां के पास से है।

जिलाधिकारी नवादा ने भीषण गर्मी के बावजूद भी निर्माणाधीन चार टैंकों का निरीक्षण किया गया। सभी टैंकों के निर्माण कार्य जारी है। सहायक अभियंता ने बताया कि यह चार एकड़ में गंगा जल आपूर्ति योजना का कार्य चल रहा है जो अक्टूबर 2023 तक पूर्ण हो जायेगा। जिलाधिकारी ने पौरा परियोजना के पास पहुंचने वाले सम्पर्क पथों का निरीक्षण किये एवं उपस्थित अधिकारियों को कई आवश्यक निर्देश दिया। निरीक्षण के समय श्री अभिमन्यु कुमार सहायक अभियंता, श्री सत्येन्द्र प्रसाद डीपीआरओ, आनंद किशोर स्टोनो, जेई के साथ-साथ मेघा एजेंसी के अधिकारी, कर्मचारी आदि उपस्थित थे।●

राजघराना मेगा मार्ट ने जन्माष्टमी के साथ मनाया 10वाँ वर्षगांठ

● मनीष कमलिया/सन्दीप कुमार

गारमेंट्स के क्षेत्र में नवादा में अपनी अलग पहचान बनाने बाला प्रतिष्ठान राजघराना श्री जन्माष्टमी के साथ अपने प्रतिष्ठान का दस बर्ष पूरा होने पर बर्षगाँठ धूम धाम से मनाया। संचालक सुमित अग्रवाल ने ग्राहकों व कर्मियों के बीच केक काटकर मनाया। संचालक ने सफलता के 10 साल पूरा होने पर ग्राहकों का आभार करते हुए कहा की ग्राहकों की संतुष्टि ही है हमारी सफल व्यवसाय का राज है। राजघराना परिवार ने पहले जन्माष्टमी मनाया फिर अपने प्रतिष्ठान का वर्षगांठ मनाया। इस दौरान रामनगर स्थित राजघराना मेगा मार्ट को भव्य रुप से सजाया गया और ग्राहकों व कर्मियों की गरिमामयी उपस्थिति में संस्थापक पद्मा अग्रवाल ने केक काटकर लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह प्रतिष्ठान एक मंदिर है, जिसमें ग्राहकों की हर सुविधाओं का ख्याल रखते हुए कारोबार किया जाता है। राजघराना के संचालक सुमित अग्रवाल ने कहा यह राजघराना परिवार के लिए गर्व की बात है कि राजघराना का 10वां वर्षगांठ श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अगले ही दिन मनाया गया। उन्होंने इसे एक बड़ी संयोग बताते हुए कहा कि एक तरफ भगवान श्री कृष्ण की जयंती मनाई गई तो दूसरी तरफ राजघराना मेगा मार्ट की जयंती मनाई गई। संचालक श्री अग्रवाल ने वहां मौजूद सभी कर्मियों व ग्राहकों को अपने हाथों से केक खिलाया। इससे लोगों में काफी खुशी देखी जा रही थी। राजघराना मेगा मार्ट के संचालक सुमित अग्रवाल ने बताया कि हमारे इस सफलता भरे 10 सालों का परिणाम ग्राहकों की संतुष्टि है। उन्होंने कहा कि यहां आने वाले ग्राहकों के हर जरूरतों का पूरा ख्याल रखा जाता है। साथ ही आधुनिकीकरण के इस दौर में जीवन शैली में जिन परिधानों की मांग है, उसे जिले के लोगों को सस्ते दर पर उपलब्ध कराया जाता रहा है। यही वजह है कि पूरे जिले के लोगों में राजघराना मेगा मार्ट पहली पसंद बन गई है। तीज-त्योहार हो या लगन, सभी अवसरों पर उचित मूल्य में आधूनिक परिधान उपलब्ध कराया जाता है, ताकि लोगों को दूसरे जिलों में जाने की जरूरत नहीं पड़े। उन्होंने बताया कि इसबार भी अपने ग्राहकों को खरीदारी पर निश्चित उपहार देने की तैयारी है। गौरतलब हो कि हर साल 8 सितम्बर को राजघराना मेगा मार्ट का वर्षगांठ मनाया जाता है, जिसमें लोगों का उत्साह देखते बनता है। मौके पर व्यवस्थापक दीपा अग्रवाल के अलावा विनित अग्रवाल, तरू अग्रवाल, सौरभ अग्रवाल, गरिमा अग्रवाल, शोरूम प्रबंधक राजेश कुमार, संतोष कुमार मनीष, रितेश कुमार, चंदन कुमार, पिंटू कुमार, सुनील यादव, सुशील कुमार, नवनीत कुमार आदि मौजूद थे।●

नालंदा के अलावा कई पर्यटन स्थल जोह रहे विकास की बाट

गुमनाम योद्धाओं व पर्वत पुरुष को कब मिलेगा सम्मान

● राकेश रौशन

गुमनाम योद्धाओं व पर्वत पुरुष को सम्मान कब मिलेगा । माता सीता के निर्वासन स्थल का उद्धार कब होगा। नालंदा के अलावा कई पर्यटन स्थल जोह रहे विकास की बाट। यह बातें उत्तर प्रदेश के बहुचर्चित नेता ओमप्रकाश राजभर ने कही। बतादें कि नवादा जिले के सबसे अतिपिछड़ा प्रखंड माने जाने वाले मेसकौर के सीतामढ़ी मैदान में अखिल भारतीय सुहेलदेव समाज पार्टी के वैनर तले शोषित वंचित जागरण महारैली का आयोजन किया गया था। उस महारैली के मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश के जाहुराबाद विधानसभा के विधायक सह सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर पहुँचे हुए थे। इस दौरान उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि शोषित वंचित एवं राजवंशी समाज के सिरमौर 1857 के अमर शहीद कारू रजवार, एतबा रजवार एवं जवाहर रजवार तथा पर्वत पुरुष बाबा दशरथ मांझी को उचित सम्मान कब मिलेगा। उन्होंने कहा कि केन्द्र के वर्तमान मोदी सरकार हीं 1857 के गुमनाम योद्धाओं व पर्वत पुरुष बाबा दशरथ मांझी को उचित सम्मान दे सकती है। इस समस्या को लेकर बहुत जल्द प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से मिलकर इन गुमनाम योद्धाओं व पर्वत पुरुष को भारत रत्न एवं उचित सम्मान देने की मांग की जाएगी। अपने संबोधन के दौरान बिहार के वर्तमान मुखिया नीतीश कुमार पर उन्होंने जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार को पूरे बिहार में केवल नालन्दा जिला हीं विकास करने के लिए मिला। जबकि बिहार में कई जिला ऐसे है जो अपनी विकास की बाट जोह रहे हैं। राजभर ने कहा कि नालंदा से सटे नवादा जिला भी है। उस जिला के अन्तर्गत मेसकौर प्रखंड के सीतामढ़ी में माता सीता का निर्वासन स्थल है। जहाँ मां सीता अपने निर्वासन का शेष समय व्यतीत किया था। यह स्थल माता सीता की तपोभूमि एवं लव-कुश के जन्मस्थान से प्रसिद्ध है। इस स्थान पर रामायण काल का मिलता जुलता बहुत सारे अवशेष मौजूद है। जैसे माँ सीता जिस गुफा में रहती थी, वह भगवान विश्वकर्मा के हांथो एक विशाल चट्टान में बनाया गया था। जो आज भी मौजूद है। माँ सीता के गुफा से उत्तर दिशा में बाल्मीकि मुनि का आश्रम था,जो आज भी मौजूद है। जिस रामायण काल में तमसा नदी का वर्णन है, वह वर्तमान में तिलैया नदी के नाम से जाना जाता है। जिस आरण्य वन का वर्णन रामायण काल में वर्णित है तथा जहाँ से आरण्य वन प्रारंभ होता था, उस स्थान पर एक गाँव है, जिसका नाम आरण्यडीह है। जिस कुण्ड (तालाब) में माँ सीता स्नान करती थी, वह आज भी सीता कुण्ड के नाम से जाना जाता है। उस कुण्ड का खासियत यह था कि जो भी चर्मरोग से ग्रसित व्यक्ति उस कुण्ड में स्नान कर लेता था वह बिल्कुल ठीक हो जाता था। लेकिन आज के परिवेश में उचित रख-रखाव नहीं होने के कारण उसका अस्तित्व मिटता जा रहा है। इस स्थल के अस्तित्व के मिटने का मुख्य कारण शोषित वंचित समाज का क्षेत्र होना है। इस क्षेत्र में अत्यधिक संख्या दलित महादलित पिछड़ा अतिपिछड़ा शोषित वंचित समाज के लोगों का है। इस लिए इस क्षेत्र का विकास नहीं करना बिहार के मुखिया के नियति को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान बिहार सरकार को ना तो सनातन धर्म के देवी- देवताओं का चिन्ता है और ना हीं शोषित वंचित समाज के लोगों का । आगे उन्होंने कहा कि इस सीतामढ़ी से सरकार को प्रतिवर्ष लाखों का राजस्व प्राप्त होता है। क्योंकि इस सीतामढ़ी स्थल पर प्रत्येक वर्ष अगहन पूर्णिमा के दिन से पाँच दिवसीय मेला का शुभारंभ होता है। इस मेले में अनेकों प्रकार के झुले, सर्कस, काष्ठ से निर्मित वस्तुओं का दुकान सहित अनेकों मनोरंजन का साधन एकत्रित होते है। इस मेले के आयोजन के लिए सरकार द्वारा निविदा निकाला जाता है। जहाँ से करीब 25 से 30 लाख रूपए का राजस्व सरकार को प्राप्त होता है। बावजूद यहाँ सरकार द्वारा

श्रद्धालुओं के लिए किसी भी प्रकार का सुविधा उपलब्ध नहीं कराया जाता है। नीतीश सरकार केवल मंच से हीं महिलाओं को सम्मान और समान अधिकार देने की बात करते हैं। राजभर ने कहा कि यहाँ सीतामढ़ी मेले के दौरान दूर-दराज से हजारों-हजार की संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु भक्त एकत्रित होते है। इस मेले के दौरान उपस्थित लोगों के लिए ना तो पेयजल और ना हीं शुलभ-शौचालय की व्यवस्था करवाई जाती है। हद तो तब हो जाती है जब उस मेले के दौरान महिलाओं को अपनी शर्म-हया का त्याग कर खुले में हजारों लोगो के आवागमन के बीच शौच का त्याग करना पड़ता है। मेले के दौरान संबंधित विभाग से इस समस्या को लेकर कई लोगों ने शिकायत किया, बावजूद कान में जूं तक नहीं रेंगा। ओमप्रकाश राजभर ने महासभा में उपस्थित युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि समाज के युवा वर्ग शिक्षित और संगठित होकर देश एवं समाज का विकास करें। शिक्षित और संगठित हुए बिना कोई भी व्यक्ति किसी का भला नहीं कर सकता है। अशिक्षित व्यक्ति जब अपना और अपने परिवार का विकास नहीं कर सकता है तो दूसरे या समाज के लोगों का क्या विकास कर पाएगा। उन्होंने राजवंशी समाज के उत्थान के लिए युवाओं को शिक्षित एवं संगठित होने का आग्रह किया। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष उदय नारायण राजभर, प्रदेश उपाध्यक्ष उपेन्द्र राजवंशी, महिला मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अंजलि राजभर, जिला अध्यक्ष अनुज कुमार राजवंशी, ज्योति राजवंशी, सुषमा स्वराज, जिला परिषद अध्यक्षा पुष्पा देवी, कुणाल कुमार, मिडिया प्रभारी उपेन्द्र राजवंशी सहित प्रदेश एवं जिला के सभी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष उपस्थित थे। ●

अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष ने एससी-एसटी समुदाय के विकास पर दिया जोर

● मिथिलेश कुमार

बिहार राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष शम्भू कुमार सुमन की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में डीएम एवं अधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक किया। बैठक में अनुसूचित जाति के विकास के लिए संचालित योजनाओं के कार्यान्वयन की यथा स्थिति पर प्रकाश डाला गया। बैठक में आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि अनुसूचित जनजाति समाज के अंग हैं। इसलिए इस समाज के विकास पर सभी अधिकारियों को विशेष ध्यान देने की जरूरत है। मनरेगा में अनुसूचित जनजाति के लोगों को रोजगार की संभावना बढ़ाने के लिए आवश्यक पहल करनी होगी। सामुदायिक भवन-सह-वर्कशेड का निर्माण एवं अनुसूचित जनजाति टोलों में सामुदायिक शौचालय निर्माण कराकर आदिवासियों को बेहतर जीवन के लिए प्रेरित करना होगा। अध्यक्ष ने कहा कि जिले में 1423 आदिवासी परिवारों को आवास मुहैया कराया गया है जो काफी सराहनीय पहल है। इसके लिए उन्होंने उप विकास आयुक्त को धन्यवाद दिया'। लेकिन अभी भी आवास से वंचित अनुसूचित जनजाति के परिवारों को आवास सुलभ कराने के लिए विशेष पहल अधिकारियों को करने का निर्देश दिया। जिले में 1125 पीडीएस डीलर हैं। नियमानुसार 12 अनुसूचित जनजाति डीलर सुनिश्चित बनाने के लिए निर्देश दिया गया। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार के द्वारा संचालित योजनाओं का कार्यान्वयन किया जाता है। अनुसूचित

जनजाति के परिवारों का उत्थान के लिए जिला प्रशासन संकल्पित है। उनके शैक्षणिक और सामाजिक स्तर पर विकास को प्राथमिकता दिया जा रहा है।

जनजातीय मामलों के विशेषज्ञ श्री प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि वनाधिकार नियमावली के कार्यान्वयन में वनाधिकार संबंधी निर्णय लेते समय 06 सितम्बर 2012 से वनाधिकार समिति में न्यूनतम दो तिहाई सदस्य अनुसूचित जनजाति का होना अनिवार्य है। इसलिए नवादा जिले में अनुसूचित जनजाति के 214 दावों को निरस्त कर दिये जाने संबंधी मामलों की वर्णित प्रावधान के आलोक में पुनः समीक्षा किया जाय। आयोग के अधिकारियों को जानकारी दी गयी कि शत-प्रतिशत अनुसूचित जनजाति वाले गॉव, टोला में जनजातीय उपयोजना की शत-प्रतिशत कार्य कर उनके विकास का प्रावधान नीति आयोग ने किया है। इस बैठक में, जिला परिवहन अधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला जन सम्पर्क पदाधिकारी, डीपीओ आईसीडीएस के साथ जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे। ●

शिक्षक यशपाल गौतम टीबीटी शिक्षक सम्मान से सम्मानित

● मिथिलेश कुमार/राजीव कुमार

श्री गणेश बीके इंटर विद्यालय वारिसलीगंज नवादा के वाणिज्य शिक्षक श्री यशपाल गौतम को ए एन कॉलेज पटना में 10 सितंबर 2023 को द बिहार टीचर्स हिस्ट्री मेकर्स टी बी टी द्वारा अयोजित राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में शिक्षण के साथ साथ अन्य सहगामी कार्यों में इनके उत्कृष्ट एवम प्रेरणादायक कार्य के लिए राज्य स्तरीय टीवीटी शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया । ज्ञातव्य हो कि श्री गौतम ने फाइनेंशियल लिटरेसी के क्षेत्र में बहुत ही सराहनीय योगदान दिया है । इनके नेतृत्व में विद्यालय फाइनेंशियल लिटरेसी में 2014 और 2015 में देश स्तर पर नौवां स्थान पाने का गौरव हासिल कर चुका है इसके लिए श्री गौतम को वर्ष 2014 में कोलकाता और 2015 में हैदराबाद में महामहिम राजपाल द्वारा सम्मानित किया जा चुका है । बिहार करियर गाइडेंस पोर्टल जो शिक्षा विभाग द्वारा संचालित होती है के श्री गौतम राज्य स्तरीय प्रशिक्षक भी हैं नवादा जिला करियर पोर्टल में पूरे बिहार में विगत कई वर्षों से नंबर वन बनी हुई है। इन्होंने पर्यावरण और वन्य जीव संरक्षण जागरूकता में भी बहुत ही उत्कृष्ट कार्य किया है इसके लिए इनको लगातार 3 वर्षों तक इंडियन सेंटर फॉर वाइल्डलाइफ एंड एनवायरमेंटल स्टडी इन साउथ एशिया रीजन द्वारा पर्यावरण द्रोणाचार्य अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है। शिक्षक यशपाल अपने विद्यालय के क्रिकेट और बैडमिंटन के कोच रहे हैं इस क्षेत्र में भी इनका बहुत अच्छा योगदान रहा है। इनका छात्र दीपक कुमार और आशुतोष शर्मा आज क्रिकेट के क्षेत्र में अच्छे मुकाम पर पहुंच चुके हैं। इनके शिक्षण मार्गदर्शन में आज कई छात्र-छात्रा CS और CA के क्षेत्र में अपना मुकाम बना चुके हैं । श्री गौतम ने अपने इस सफलता का श्रेय अपने विद्यार्थियों, विद्यालय के तमाम सहयोगी शिक्षक शिक्षिकाओं को देते हुए विशेष तौर पर पूर्व प्राचार्य डॉक्टर गोविंद तिवारी, पूर्व प्राचार्य सुधीर कुमार राय, विद्यालय के विज्ञान शिक्षक रहे स्वर्गीय जटाशंकर पाठक को अपना प्रेरणा स्रोत मानते हुए अपनी सफलता का श्रेय दिया है। श्री यशपाल गौतम वारसलीगंज क्षेत्र को समय-समय पर गौरवान्वित करते रहे हैं। उनके इस सफलता पर विद्यालय के शिक्षक शिक्षिका, प्रभारी प्रधान अध्यापक राम रतन प्रसाद, राकेश रोशन, प्रहलाद शर्मा, मनोज कुमार, विक्रम आनंद, मुंतजिर आलम, जवाहर प्रसाद जवाहर, आशीष कुमार, महेंद्र प्रसाद, मोहम्मद रियाजुद्दीन, अरविंद कुमार, सुनील वर्मा, वेदव्यास प्रकाश, श्वेता सिन्हा, पूजा कुमारी, सीमा कुमारी, स्वीटी कुमारी इत्यादि के साथ-साथ क्षेत्र के बुद्धिजीवियों ने अपने शिक्षक यशपाल गौतम पर नाज करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान की है।●

'द बिहार टीचर्स – हिस्ट्री मेकर्स'
#TBT
मेरा मोबाईल, मेरी शिक्षा
शिक्षक सम्मान समारोह
2023
प्रशस्ति पत्र
साथ – साथ, जोड़े ज्ञान
TBT
प्रमाणित किया जाता है कि श्री/सुश्री/डॉ0 यशपाल गौतम
विद्यालय/संस्थान एसजीबीके साहू इंटर विद्यालय पद–राज्य/जिला मोटिवेटर/
सकिय शिक्षक प्रखण्ड वारिसलीगंज जिला नवादा ने मेरा मोबाईल,मेरी शिक्षा अभियान में
ऑनलाइन शिक्षण के माध्यम से ~~CTET/BPSC अध्यापक परीक्षा /E-CONTENT~~/ विद्यालय गतिविधियाँ/
25 ब्लॉग्स के विभिन्न विधा में सर्वोत्कृष्ट कार्य किया । इस उपलब्धि में प्रशस्ति पत्र से आपको सम्मानित
करते हुए हम सभी स्वंय को गौरवान्वित महसूस कर रहे है।
आप सदैव दिनकर सा देदीप्यमान रहें, इन्ही मंगलकामनाओं के साथ हम इनके उज्ज्वल भविष्य
की कामना करते है।
डॉ. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी
पूर्व डीन
आर्यभट्ट विश्वि0 बिहार
प्रो0 (डॉ.) प्रवीण कुमार
प्राचार्य, ए.एन कॉलेज, पटना
प्रो0 के. सी. सिन्हा
कुलपति
नालन्दा खुला वि0 वि0, बिहार

विहिप व बजरंग दल ने प्रतिबंधित पशु मांस लदे ट्रक को पकड़कर किया पुलिस के हवाले

● धर्मेन्द्र सिंह

विहिप व बजरंग दल पूर्णियां ने सोमवार कि सुबह तस्करी के जरिए समस्तीपुर से पश्चिम बंगाल ले जा रहे एक ट्रक प्रतिबंधित पशु मांस को कसबा थाना क्षेत्र के एनएच 57 के शीशाबाड़ी के समीप पकड़कर कसबा पुलिस को सौंप दिया है। मामले के संबंध में जानकारी देते हुए विहिप व बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बताया कि गुप्त सूचना पर विहिप बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जब WB-19 K-3686 ट्रक को जीरो माइल के पास रोकने का प्रयास किया तो ट्रक अररिया कि ओर भाग निकला। कार्यकर्ताओं ने ट्रक का पीछा करते हुए उसे शीशाबाड़ी पेट्रोल पंप के पास पकड़ लिया। इस दौरान एक तस्कर कुदकर लाइनर के गाड़ी पर सवार होकर भाग गया। वही मौके पर मौजूद ट्रक चालक, उप चालक सहित ट्रक को कसबा पुलिस को सौंप दिया गया। कार्यकर्ताओं ने बताया कि प्रतिबंधित मांस लदे ट्रक के आगे आगे लाइनर की बोलेरो गाड़ी चल रही थी जो ट्रक चालक को आवश्यक दिशा निर्देश दे रहा था। वही कसबा थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि इस मामले को लेकर सोमवार की दोपहर तक कोई आवेदन नहीं दिया गया है। इस प्रतिबंधित पशु मांस लदे ट्रक को पकड़ने में जिला गौ-रक्षा प्रमुख मुकेश कुमार, जिलाध्यक्ष पवन कुमार पोद्दार, उपाध्यक्ष मनोज कुमार मोनू, समरसता प्रमुख अमित कुमार, नगर मंत्री आनन्द राज, नगर उपाध्यक्ष चंदन राज, सेवा प्रमुख पूजन कुमार, नगर गौ-रक्षा प्रमुख करण कुमार, गौ-रक्षा प्रमुख गौरव कुमार, आदित्य कुमार, विकास कुमार, रवि चौधरी, रोहित कुमार, श्रवण कुमार, ऋतिक कुमार, सोनू कुमार, आदि शामिल थे। गौ रक्षा प्रमुख मुकेश कुमार, व जिलाध्यक्ष पवन कुमार पोद्दार ने बताया कि विहिप व बजरंग दल पूर्णियां पुलिस प्रशासन से मांग करती है कि ऐसे अवैध गौ-तस्करी के धंधे में शामिल लोगों पर सुसंगत धाराओं में कार्रवाई करें। तस्करी के गाड़ियों को पकड़े। गुलाबबाग जीरोमाइल के गौ-तस्कर एवं लाइनर जो एक ही परिवार के पांच भाई है जो इस अवैध गौ तस्करी के धंधे को अंजाम देता है पर अविलंब कानून कार्रवाई करें। वरना विहिप व बजरंग दल आंदोलन के लिए बाध्य होगी। गौर करे कि कुछ दिन पूर्व 27 अगस्त 2023 को भी विहिप व बजरंगदल पूर्णियां ने बिहार शरीफ से बंगाल की ओर जा रहे तस्करी के एक ट्रक प्रतिबंधित पशु मांस को कटिहार जिले के गेड़ाबाड़ी थाना अन्तर्गत खेरिया के पास पकड़ कर गेड़ाबाड़ी थाना को सुपुर्द किया था। मांस लदे ट्रक का रजिस्ट्रेशन नंबर NL-01K 0673 था। वही 22 जुलाई 2023 को विहिप व बजरंगदल पूर्णियां के कार्यकर्ताओं ने कसबा थाना क्षेत्र अंतर्गत सिसावाड़ी के पास फोरलेन हाईवे पर तस्करी के गौवंश लदे कंटेनर को पकड़ने में सफलता हासिल किया। कंटेनर का नम्बर HR 38, T-5576 जिस पर हुंडई लिखा था, जो उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर से मवेशी

प्रशासन श्रेय लेने में लगी हुई रहती है पुलिस कप्तान के द्वारा पिछली बार भी एचपी गैस कंटेनर में मवेशी मिलने पर प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बोले कि प्रशासन के द्वारा गहन वाहन चेकिंग के दौरान गैस कंटेनर में मवेसी मिला पर सच्चाई सभी को पता है। विहिप बजरंग दल की टीम जान हथेली पर रख कर इतने मवेशी इतना अवैध माँस को पकड़ कर प्रशासन को शुपुर्द करती है। दु:ख तो तब होता है पूरे बिहार में पूर्णिया बजरंग दल के कार्यो को सहराया जा रहा है पर पूर्णिया प्रशासन को कार्य सहराने की बजाय अपना श्रेय लेने में लगे हुए हैं जो चिंतनीय हैं। आप एक तरफ बोलते हैं आम आदमी प्रशासन की मदद करें, पर मदद करने का प्रतिफल क्या मिल रहा है किसी से छिपा नहीं है।

मुकेश कुमार, गौ रक्षा प्रमुख

हसीबुर रहमान

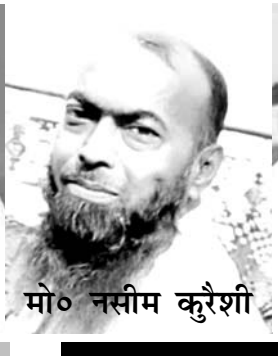
मो० नसीम कुरैशी

नेयाज

सलमान कुरैशी

शोएब अंसारी

लोडकर तस्करी के लिए मेघालय जा रहा था। इस गौवंश को तस्करी करने वाला मुख्य सरगना पूर्णियां गुलाबबाग वार्ड नंबर 36, गली नंबर 18 के रहने वाले मो० फारूक हुसैन एवं उसका भाई बबलू हुसैन पिता-अलीश हुसैन है। गौ तस्करी के धंधे में इन दोनों भाइयों के अलावा भी कई अन्य लोग जीरोमाइल पूर्णियां के है जो बेरोकटोक अवैध गौ तस्करी के धंधे को कर रहे हैं। आये दिन जीरोमाइल पूर्णियां में बैठकर ये तस्कर लोग अपना साम्राज्य स्थापित कर लिया है। बजरंग दल के कार्यकर्ता ने कहा कि जिले के कई थाने होकर अवैध गौ तस्करी हो रही है। हाल के दिनों में बजरंगदल पूर्णियां द्वारा अनेकों बार तस्करी का गौवंश एवं गौमांस पकड़ कर पुलिस के हवाले किया गया है। लेकिन आजतक स्वयं से कभी किसी थाने की पुलिस द्वारा तस्करी के गौवंश एवं मांस लदे गाड़ी को नहीं पकड़ा गया है जो बहुत ही चिंताजनक बात है और उच्च स्तरीय जांच का बिषय है कि आखिर इतनी मेहरवानी किनके रहमो कर्म पर है जो दिन दहाड़े पशु तस्करी का खेल खेला जा रहा है। कौन है जिम्मेवार, पशु तस्कर या जिला प्रसाशन?●

16 सदस्यों की चुनाव समिति में किशनगंज सांसद को मिला स्थान

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज सांसद डा. मो० जावेद आजाद को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 16 सदस्यों की चुनाव समिति में स्थान दिया है। 16 सदस्यों वाली कार्यसमिति में डा. जावेद को जगह मिलना राजनीति में उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राजनीतिक के जानकारों के अनुसार जिम्मेवारी मिलने के बाद सांसद डा. मो० जावेद आजाद की राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश हो चुका है। इस घोषणा के बाद डा. जावेद को शुभकामनाएं देने वालों का तांता लग गया है। गौरतलब हो कि मोहम्मद जावेद 2019 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्य के रूप में भारतीय आम चुनाव में किशनगंज निर्वाचन क्षेत्र से संसद के निचले सदन लोकसभा के लिए चुने गए। 2019 में वे तब चुनाव जीते थे जब बिहार में मोदी का लहर चल रहा था। बिहार की 40 सीट में से 39 पर एनडीए ने जबरदस्त जीत हासिल की थी, उस वक्त वे किशनगंज से कांग्रेस के टिकट पर सांसद चुने गए थे। बिहार विधान सभा चुनाव, 2000 में कांग्रेस के उम्मीदवार के रूप में उन्होंने किशनगंज विधानसभा क्षेत्र से जीत हासिल की। वह किशनगंज विधान सभा क्षेत्र से बिहार विधानसभा के लिए फरवरी 2005, 2010 और 2015 में फिर से चुने गए, उन्होंने अपने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया और 2019 के आम चुनाव में कांग्रेस पार्टी से संसद सदस्य के

लिए चुनाव लड़े और बिहार में विपक्ष का सूपड़ा साफ होने से बचा लिया। इस जीत के बाद सांसद डा० मो० जावेद आजाद सुर्खियों में आए। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि कांग्रेस चुनाव की 16 सदस्यीय समिति में डा. जावेद के चयन के पीछे उनका 2019 वाला कारनामा है। आने वाले समय में डा. जावेद की मुश्कीलें आसान नहीं होंगी। किशनगंज लोकसभा सीट पर इस चुनाव में असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम ने 'सीमांचल को न्याय' का मुद्दा उठाकर कांग्रेस और जदयू जैसे प्रमुख दलों के लिये बड़ी चुनौती पेश की है। एमआईएमआईएम ने अख्तरुल ईमान को उम्मीदवार बना सकती है जो पिछले चुनाव में जदयू प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़े थे और तीसरे स्थान पर रहे थे। इस सीट की खास बात यह है कि अब तक हुए लोकसभा चुनाव में 1967 को छोड़कर मुस्लिम उम्मीदवारों ने ही यहां जीत दर्ज की है। 1967 में इस सीट से प्रजा सोशलिस्ट पार्टी के लखन लाल कपूर विजयी हुए थे। किशनगंज लोकसभा क्षेत्र में अब तक हुए 16 चुनावों में सबसे ज्यादा आठ बार कांग्रेस के उम्मीदवारों को जीत मिली है तो कांग्रेस के अलावा प्रजा सोशलिस्ट पार्टी और जनता पार्टी को एक-एक बार, जनता दल को दो बार, राजद को तीन बार और भाजपा को भी एक बार जीत हासिल हुई है। साल 2009 और 2014 में कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी मौलाना असरारुल हक कासमी जीत दर्ज करने में सफल हुये थे। किशनगंज संसदीय क्षेत्र के इतिहास को देखें तो अब तक हुए आम चुनाव में सात में से पांच सांसद ऐसे हुए हैं जिन्होंने दो बार जीत दर्ज की और दो सांसद हैट्रिक लगाने में सफल रहे। इस सीट पर तीन बार जीत दर्ज करने वालों में जमीलुर रहमान 1971, 1980 और 1984 में सांसद चुने गए तो मो. तस्लीमउद्दीन 1996, 1998 व 2004 में विजयी रहे। लगातार दो बार जीत दर्ज करने वालों में किशनगंज के पहले सांसद मो. ताहिर के अलावा मौलाना असरारुल हक कासमी रहे। मो. ताहिर 1957 और 62 में और मौलाना असरारुल हक कासमी 2009 और 2014 में सांसद चुने गए। सैयद शहाबुद्दीन भी दो बार किशनगंज से जीते मगर वे लगातार जीत दर्ज नहीं कर सके। उन्हें 1985 के मध्यावधि चुनाव और 1991 के आमचुनाव में सफलता मिली।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/9955077308

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

बिहार में गठबंधन की गांठ लालू-नीतीश का बड़ा दिल ही निकाल पायेगा राह

● धर्मेन्द्र सिंह

आइएनडीआइए की एकता की बड़ी परीक्षा उस बिहार में ही है, जहां से विपक्षी एकता का सूत्रपात हुआ। आइएनडीआइए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के प्रयासों का ही प्रतिफल है। उस बिहार में गठबंधन में सम्मिलित दलों के बीच सीट बंटवारा कोई आसान काम नहीं है। 40 लोकसभा सीटों वाले बिहार में कांग्रेस व वामदलों (भाकपा, माकपा व भाकपा माले) की मांग को पूरा करने के लिए मजबूत दलों (जदयू व राजद) को ही बड़ा दिल दिखाते हुए अपने कोटे में कटौती करनी पड़ेगी। पिछले चुनाव में एनडीए व महागठबंधन के कुछ साथी पाला बदल चुके हैं। इसलिए चौसर बदल चुकी है। एनडीए से नाता तोड़ जदयू अब आइएनडीआइए के साथ है, जबकि आइएनडीआइए (I.N.D.I.A.) के साथी वामदल पिछले चुनाव में किसी के साथ नहीं थे। हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) व उपेंद्र कुशवाहा एनडीए के साथ जुड़ चुके हैं। सीटें 40 ही हैं और दोनों ही खेमों को सभी को इसी में समाहित करना है और संतुष्ट भी रखना है। पिछले चुनाव में एनडीए के साथ रहे जदयू ने 17 सीटों पर लड़कर 16 में जीत दर्ज की थी, जिनमें आठ सीटों पर राजद व पांच पर कांग्रेस दूसरे नंबर पर रही थी। 19 सीटों पर लड़ने के बावजूद राजद के हाथ एक भी सीट नहीं लगी थी, जबकि नौ सीटों पर लड़ी कांग्रेस एक पर ही कब्जा जमा पाई थी। किशनगंज की यही एकमात्र सीट एनडीए के हाथ से फिसली थी। आइएनडीआइए में सम्मिलित जदयू, राजद, कांग्रेस व वामदल, सभी ज्यादा से ज्यादा सीटें चाहते हैं। अब सीटों के लिए प्रस्ताव मांगा जाने लगा है। माले ने दे भी दिया है, लेकिन सार्वजनिक रूप से सीटों का खुलासा नहीं किया है। सूत्रों के अनुसार, वह नौ सीटें चाहता है। भाकपा व माकपा भी अपनी केंद्रीय कमेटी को क्रमशः दो व चार सीटों का दावा भेज चुकी हैं। गौर करें कि पिछले चुनाव में नौ सीटों पर लड़ी कांग्रेस इस बार बदली हवा में और पंख फैलाना चाहती है, जबकि 16 सीटें जीतने वाले जदयू को इससे कम तो चाहिए नहीं। विधानसभा में सबसे बड़ा दल राजद भी जदयू से कम पर समझौता नहीं करने वाला। वैसे 2019 के फार्मूले के अनुसार, उसका दावा 19 का ही रहने वाला है, लेकिन माना जा रहा है कि इस एकता के सूत्रधार नीतीश कुमार कुछ पीछे हट सकते हैं। मुंबई में आइएनडीआइए की बैठक के बाद प्रेस कान्फ्रेंस में लालू प्रसाद यादव कह ही चुके हैं कि सब ठीक होगा। अपना कुछ नुकसान करके भी हम आइएनडीआइए को जिताएंगे। नुकसान से तात्पर्य सीटों में कमी को लेकर ही था। इसलिए समझा जा सकता है कि कुछ सीटों पर पेच फंसने के बावजूद उसकी राह निकालने की तैयारी हो रही है। पिछली बार जदयू की जीत वाली सीतामढ़ी, झंझारपुर, मधेपुरा, गोपालगंज, सिवान, भागलपुर, बांका, और जहानाबाद में राजद दूसरे नंबर पर रहा था। ऐसे ही वाल्मीकिनगर, सुपौल, कटिहार, पूर्णिया और मुंगेर में कांग्रेस को जदयू से पराजय झेलनी पड़ी थी। इन सीटों पर एक-दूसरे की दावेदारी हो सकती है। बेगूसराय में दूसरे नंबर पर रही भाकपा के प्रत्याशी कन्हैया कुमार अब कांग्रेस में हैं। इसलिए कांग्रेस का इस सीट पर दावा हो सकता है। बगहा (सुरक्षित) लोकसभा के परिवर्तित स्वरूप वाल्मीकिनगर में लगातार तीन चुनाव (दो आम चुनाव व एक उप चुनाव) से कांग्रेस दूसरे स्थान पर रही है। बगहा से कांग्रेस को अंतिम जीत 1984 में भोला राउत ने दिलाई थी।●

बिहार बीजेपी नेताओं की बढ़ाई गई सुरक्षा

● धर्मेन्द्र सिंह

बिहार भाजपा के कई नेताओं की सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है। गौर करें की प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष सम्राट चौधरी के साथ साथ नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा, विधायक राजू सिंह, विधान पार्षद सह मुख्य सचेतक विरोधी दल डा० दिलीप कुमार जायसवाल की सुरक्षा बढ़ाई गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बिहार बीजेपी अध्यक्ष सम्राट चौधरी को Z+ की सुरक्षा प्रदान की गई है। इसके साथ ही नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा को Y श्रेणी की सुरक्षा मिली है। राजू सिंह और डॉ० दिलीप कुमार जायसवाल को X श्रेणी की सुरक्षा दी गई है। गौरतलब है कि बिहार विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष से हटने के बाद सम्राट चौधरी की सुरक्षा में कटौती की गई थी और विशेष सुरक्षा हटा दी गई थी। अब केन्द्र सरकार ने सम्राट चौधरी को Z श्रेणी की सुरक्षा मिली। आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए तमाम नेताओं की सुरक्षा बढ़ाई गई है।●

डे मार्केट रूट पर बालू लदे ओवरलोड का परिचालन

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज जिला के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत पौआखाली थाना क्षेत्र के डे मार्केट रूट से होकर अहले सुबह से ही बालू लदे ओवरलोड डंपर का परिचालन धरल्ले से जारी रहता है। गौरतलब हो कि बिहार में खनन पर सितंबर लास्ट तक पाबंदी लगी हुई है। इसके बावजूद भी न जाने कहां से ओवरलोड बालू लेकर आ रहे है और डे मार्केट रूट से होकर ओवरलोड वाहनें जाती है। खनन विभाग द्वारा लगातार दो चार गाड़ियां पकड़ कर कार्रवाई भी की जा रही है इसके बावजूद भी ओवरलोड बालू लदे वाहनों का परिचालन थमने का नाम नहीं ले रहा है। आखिर किनके संरक्षण में यह सारा खेल चल रहा है और इंट्री माफिया के हौसले इतने बुलंद कैसे हो गए हैं कि दिन के उजाले में ही ओवरलोड बालू लेकर डे मार्केट रूट से होकर गुजरते हैं। ओवरलोड वाहनों के परिचालन के कारण सरकारी राजस्व को क्षति पहुंच रही है साथ ही सड़क भी खराब होने लगी है। लेकिन इसे इंट्री माफिया और बालू माफिया को कोई फर्क नहीं पड़ने वाला क्योंकि अपना काला व गोरख धंधा को बढ़ावा देकर वह लोग देखते ही देखते अपने आय से अधिक संपत्ति को

अर्जित कर रहे हैं। अब मामले में उच्च स्तरीय जांच की आवश्यकता है ताकि पता चल सके कि आखिर देखते ही देखते बालू माफियाओं का वर्चस्व इतना कैसे बढ़ गया कि वे लोग इंट्री माफिया के सहारे ओवरलोड बालू लेकर दिन के उजाले में खुलेआम अपना धंधा बढ़ा रहे हैं। वही स्थानीय लोगो ने बताया कि किशनगंज बहादुरगंज रुट की बात करे तो इस रुट पर रात 11 बजे से 5 बजे तक गौ तस्कर तस्करी करते है। वही 5 बजे से 8 बजे तक ओवरलोड बालू लदे डंफर ट्रक खुलेआम तांडव करते है। स्थानीय लोगो का कहना यह भी है कि पहले माह में दो से तीन बार धनपुरा पुलिस पिकेट पर शराब पकड़ाया करता था अब तो साफतौर पर बन्द है पकड़ना। एक स्थानीय लोग ने कहा कि देंखिये ये कोई बालू माफिया में कोई हड़कंप नहीं है आप जिधर से गुजरीएगा बालू का पहाड़ सड़क के किनारे देखने को मिलेगा। यहां दो-चार गाड़ी पकड़ कर खानापूर्ति किया जा रहा है समझे..आगे उन्होंने कहा कि यकीन नहीं हो तो किशनगंज ठाकुरगंज सड़क के बेलवा से लेकर अर्राबारी तक जांच करके देख लिया जाए। ओवरलोड गाड़ियां मिली भगत से ही चलती है जिसका सेटिंग नहीं होता है उसको पकड़ लिया जाता है और चालान काटा जाता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्रवाई में दो बालू लदे वाहनों को जप्त कर कार्रवाई की है।●

रेडक्रॉस मैनेजिंग कमेटी के सर्वसम्मति से अध्यक्ष बने डॉ. इच्छित भारत

● धर्मेन्द्र सिंह

जिलाधिकारी सह सभापति इन्डियन रेडक्रॉस सोसायटी किशनगंज शाखा श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में इण्डियन रेड क्रॉस सोसाइटी किशनगंज के नवनिर्वाचित प्रबंधन समिति का एजीएम समाहरणालय सभाकक्ष में आहूत की गई। सर्वप्रथम डीएम ने सभी सदस्यो का स्वागत किया और उन्हें रेडक्रॉस हित में सत्यनिष्ठा, समर्पण का शपथ दिलवाया ।विदित हो कि राज्यपाल सचिवालय, पटना से प्राप्त दिशा निर्देश का अनुपालन करते हुए निर्धारित तिथि पर इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी किशनगंज शाखा के मैनेजिंग कमिटी का निर्वाचन पूर्ण हुआ था। यद्यपि एक पार्टी विशेष ने रेडक्रॉस सोसायटी को राजनीतिक बनाने का प्रयास किया तथापि निष्पक्ष रूप से इसके सदस्यों का चुनाव 27 अगस्त को संपन्न हुआ। उसी दिन 25 अभ्यर्थी में अधिकतम मत प्राप्त करने वाले 20 अभ्यर्थी को मैनेजिंग कमिटी के सदस्य के रूप में निर्वाचित कर प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। तदालोक में राज्यपाल सचिवालय, पटना के निर्देशानुसार नई समिति का एजीएम 30

अगस्त को शांतिपूर्ण ढंग से हो गया। निर्वाची पदाधिकारी श्वेतांक लाल भी बैठक में उपस्थित रहे ताकि 20 सदस्यो के द्वारा अपनी समिति के पदाधिकारियों को चुना जा सके। डीएम सह प्रेसिडेंट इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी किशनगंज की अध्यक्षता में आहूत इस एजीएम में नव निर्वाचित 20 प्रबंधन समिति के सदस्य द्वारा समिति का एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष और एक कोषाध्यक्ष का चुनाव किया गया। साथ ही कार्यकारिणी समिति का गठन हेतु सदस्य को भी चुना गया। इस प्रकार मैनेजिंग समिति के सदस्य से एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष, एक कोषाध्यक्ष और 5 कार्यकारिणी के सदस्य चुने गये। बैठक में सर्वसम्मति से मैनेजिंग कमिटी का अध्यक्ष डा० इच्छित भारत, उपाध्यक्ष- शंकर लाल महेश्वरी, कोषाध्यक्ष नागरमल झावर को चुना गया। तत्पश्चात 5 सदस्यीय कार्यकारिणी के लिए सदस्य चुने गए। कार्यकारिणी के सदस्य में अजय गुप्ता, धनंजय जायसवाल, बिमल मित्तल, बुलंद अख्तर हाशमी, रमेश प्रसाद साह को चुना गया है। इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी में समर्पण, सेवा भाव से कार्य करने की कामना के साथ बैठक समाप्त हुई।●

डेंगू बुखार होने पर रहे सतर्क, तुरंत डॉक्टर से करे सम्पर्क

● धर्मेन्द्र सिंह

डेंगू को लेकर जिले का स्वास्थ्य विभाग अलर्ट है। लोगों को इस बीमारी के बारे मे जागरूक किया जा रहा है।उन्हें बचाव के तरीके बताए जा रहे हैं। साथ ही डेंगू पीड़ित मरीजों के गांवों-टोलों में स्वास्थ्य विभाग की प्रशिक्षित टीम द्वारा जागरूकता फैलाई जा रही है। ताकि डेंगू मच्छर का प्रकोप खत्म हो सके। खासकर वैसे लोगों को, जिन्हें पहले डेंगू हो चुका है। इस तरह के लोग जरा सा भी लापरवाही नहीं करें। डेंगू को लेकर अभी सभी लोगों को सतर्क रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति को दोबारा से डेंगू बुखार होने की आशंका पर सरकारी अस्पताल या फिर डाक्टर से संपर्क करना चाहिए। सिविल सर्जन डा. कौशल किशोर ने बताया कि डेंगू को लेकर स्वास्थ्य महकमा अलर्ट है। लोगों को जागरूक किया जा रहा है, कि कैसे डेंगू से बचें। उन्होंने बताया कि दिन में मच्छर काटने से यह बीमारी होती है। कहा कि डेंगू के कुछ लक्षण हैं। जैसे आंखों के पीछे दर्द होना, हड्डियों के जोड़ों पर भयानक दर्द होना और मच्छर के काटने पर लाल चकते होना। डेंगू के गंभीर मरीज का प्लेटलेट्स काफी कम हो जाता है। इसलिए उसे भर्ती करना पड़ता है। इसके अलावा सिर में दर्द होना, तेज बुखार होना जैसे लक्षण सभी को मालूम हैं। अगर इस तरह का अहसास हो तो तत्काल डाक्टर से संपर्क करें। उन्होंने बताया कि डेंगू बुखार का उपचार सामान्य विधि से होता है। इसके लिए पारा सिटामोल सुरक्षित दवा है। डेंगू के मरीजों में ब्लड प्लेटलेट्स की संख्या 10,000 से कम होने पर अथवा रक्तस्राव के लक्षण दिखने पर विशेष परिस्थिति में ब्लड प्लेटलेट्स चढ़ाने की आवश्यकता पड़ती है। उन्होंने बताया कि मरीज को डेंगू होने पर अधिक से अधिक पानी, ओआरएस घोल, नींबू पानी, नारियल पानी पीना चाहिए। नींबू का रस शरीर में मौजूद विषैले तत्व को दूर करते हैं। इसके अलावा चिकन सूप या अधिक से अधिक प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों का इस्तेमाल करना चाहिए। डीभीडीसीओ डा० मंजर आलम ने कहा कि स्वच्छता इसका रामबाण इलाज है। घरों व आसपास सफाई रहेगी, कूलर, गमलों आदि में पानी जमा नहीं रहेगा, तो डेंगू मच्छर की पैदाइश कम होगी। उन्होंने बताया कि डेंगू से बचने के लिए शरीर को पूरी तरह से ढकने वाला कपड़ा पहनें। शरीर का जो हिस्सा ढका नहीं है, उस पर मच्छर भगाने वाली क्रीम लगाएं। मच्छरदानी का प्रयोग करें। ऐसा करते रहने से डेंगू से बचे रहेंगे। दिन में मच्छर काटने से यह बीमारी होती है, इसलिए इससे बचाव पर फोकस करना चाहिए। डेंगू के सिर्फ गंभीर मरीजों को ही भर्ती करने की जरूरत पड़ती है। अगर सफाई रहेगी तो न कूलर में पानी जमा रहेगा और न ही नारियल के खोली में। साफ रहने पर सभी कुछ खत्म रहेगा। इसलिए नियमित तौर पर सफाई पर ध्यान देने की जरूरत है। सिविल सर्जन ने बताया कि एडीज मच्छर के काटने से डेंगू होता है। यह मच्छर दिन में काटता है और स्थिर एवं साफ पानी में पनपता है। त्वचा पर लाल ध ब्बे या चकते का निशान, नाक-मसूढ़ों से या उल्टी के साथ रक्तस्राव होना और काला पखाना होना डेंगू के लक्षण हैं। इन लक्षणों के साथ यदि तेज बुखार हो तो तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र अथवा सदर अस्पताल जाएं और अपना इलाज करवाएं। डेंगू से बचने के लिए दिन में भी सोते समय मच्छरदानी का इस्तेमाल करें। घर के सभी कमरों को साफ-सुथरा रखें। टूटे-फूटे बर्तनों, कूलर, एसी, फ्रीज में पानी जमा नहीं होने दें।●

वीर शिवा जी सेना ने मनाया रक्षा बंधन का त्योहार देश के वीरों के साथ

● धर्मेन्द्र सिंह

30 अगस्त को रक्षा बंधन के अवसर पर वीर शिवाजी सेना ने सीमाओं की हिफाजत करने वाले अपने जवानों के साथ रक्षाबंधन का त्योहार मनाया। वीर शिवाजी सेना के अध्यक्ष सुमित साहा ने कहा कि वीर शिवाजी सेना द्वारा सशस्त्र सीमा बल के कैंप जाने का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि जवानों को यह महसूस न हो कि ऐसे महत्वपूर्ण दिन पर उनकी बहनें उनके साथ नहीं हैं। बहन-बेटियों को अपने बीच पाकर जवानों की खुशी की सीमा नहीं रही। उनके चेहरे के भाव यह बताने के लिए पर्याप्त थे कि कच्चे धागों का राष्ट्रभक्ति से परिपूर्ण ऐसा पक्का बंधन उन्होंने कभी नहीं देखा। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन त्योहार 12वीं बटालियन एसएसबी के बीच होना हमारे लिए बहुत सौभाग्य की बात है। हम बहुत आभारी हैं एसएसबी के कमांडेंट वरजीत सिंह जी का जिन्होंने वीर शिवाजी सेना के इस अच्छे पहल की सरहाना की।कमांडेंट वरजीत सिंह ने बताया की हम सब अपने परिवार से दूर देश की सुरक्षा मे लगे रहते है ऐसे मे देश मे रक्षाबंधन का त्यौहार शांतिपूर्ण मनाई जाये इसके लिए हम और सक्रियता बढ़ा देते है लेकिन अपने घरों से राखी के लिए फोन आते है मन उदास सा होता है लेकिन वीर शिवाजी सेना की बहनो ने आज यहा आकर हम सब को राखी बांध अपने परिवार की दूरी को कम किया है और गौरव हो रहा है की हम जहा भी है समस्त भारत मे हमारी बहने हमारे जवानों का मनोबल बढ़ा रही है। वीर शिवाजी सेना के अध्यक्ष सुमित साहा ने कहा की देशभर में आज रक्षाबंधन का त्योहार मनाया जा रहा है। बहनें अपनी भाईयों की कलाई में राखी बांधकर उनकी रक्षा की कामना करेंगी और भाई अपनी बहनों की रक्षा के लिए प्रण लेंगें। ऐसे में अपने परिवार से दूर देश की सरहदों पर तैनात, जवान जो हमारी रक्षा के लिए दिन-रात बॉर्डर पर खड़े होकर हमारी सुरक्षा करते हैं। उनके हाथ रक्षा बंधन पर सूने न रहे हैं, इसके लिए वीर शिवाजी सेना की बहने एसएसबी कैंप पहुंच राखी बांधी। बहनो को भी देश के वीर जवानों को राखी बांध खूब खुशी हुई। इस दौरान डीसी अनुराग श्रीवास्तव, व ए.सी. परम सिंह मीणा का जिन्होंने हमें अपना कीमती वक्त दिया और हमें बहुत विषेश महसूस कराया। इस दौरान संगठन के नगर अधिकारी विनोद, अभिषेक, राकेश, सचिन, राहुल, रोशन, सोनाली सिंह, सेजल, सुप्रिया, आरोही, श्रुति, सबिता सहित सैकड़ो महिला सदस्य उपस्थित थी।●

खेल-कूद प्रतियोगिता आयोजित कर राष्ट्रीय खेल दिवस कार्यक्रम का किया गया आयोजन

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज अनूप रोबा कच्छप, कार्यवाहक कमांडेंट, 19वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, ठाकुरगंज के निर्देशन में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर वाहिनी मुख्यालय में विभिन्न खेल कूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम कार्यवाहक कमांडेंट ने उपस्थित सभी अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियो वाहिनी के सभी कार्मिकों, प्रतिभागियों एवं ठाकुरगंज से आये हुए वॉलीवाल टीम के सभी खिलाडियों को राष्ट्रीय खेल दिवस की ढेर सारी शुभकामनायें दी। उन्होंने बताया कि आज का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि आज का दिन भारतीय हॉकी को विश्व में नाम और सम्मान दिलाने वाले हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जी का जयंती है और उन्ही को सच्ची श्रदांजलि देने हेतु पुरे भारत वर्ष में 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाते हैं। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को उनके जयंती पर कोटि कोटि नमन है। तत्पश्चात फिट इंडिया मूवमेंट के तहत शपथ भी लिया गया। वाहिनी मुख्यालय, ठाकुरगंज में 21 अगस्त से 29 अगस्त तक विभिन्न खेल कूद प्रतियोगिताओं जैसे की वॉलीबॉल, रस्सा कस्सी, ऊँची कूद, लम्बी कूद, 100 मीटर दौड़, 400 मीटर दौड़, भाला फेंक, शोर्ट पुट, बैडमिंटन, टेबल टेनिस एवं डिस्क थ्रो खेल का आयोजन

किया गया। वॉलीबॉल (पुरुष) में जी-समवाय सुखानी ने प्रथम स्थान लिया और डी-समवाय नवदुबा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, वॉलीबॉल (महिला) में ई-समवाय कदुविता ने प्रथम स्थान लिया और ए-समवाय पाठामारी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, रस्सा कस्सी (पुरुष) में HQR समवाय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि द्वितीय स्थान पर बी-समवाय धनतोला रही, ऊँची कूद में प्रथम स्थान पर हरिहरन, द्वितीय स्थान पर बिकाश कामती एवं तृतीय स्थान पर विजय कुमार यादव, लम्बी कूद, 100 मीटर दौड़, 400 मीटर दौड़ एवं भाला फेंक में प्रथम स्थान पर बाबुल राभा द्वितीय स्थान पर अनुपम कुमार एवं तृतीय स्थान पर भार्गव भुइयां, शोर्ट पुट, बैडमिंटन में HQR समवाय ने प्रथम स्थान और द्वितीय स्थान पर बी-समवाय धनतोला रही। आज सभी विजयी खिलाडी को ट्राफी एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सभी के मनोबल को ऊँचा किया गया। आज वॉलीबॉल प्रतियोगिता में ठाकुरगंज की टीम ने भी भाग लिया और हमारे जवानों के साथ बड़ी ही उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ खेल को खेलते हुए सेकंड रनर उप रही। इस कार्यक्रम में उप कमांडेंट एम. ब्रोजेन सिंह, जगजीत बहादुर जेगवार, सहायक कमांडेंट सुनील कुमार, समीर परवेज, शिक्षक, अमित कुमार यादव एवं सभी बल कार्मिक मौजूद रहे।●

यूएई निर्मित सोने के साथ एक गिरफ्तार

● धर्मेन्द्र सिंह

पश्चिम बंगाल एवं बिहार की सीमा पर स्थित बायसी थानातर्गत दालकोला मद्य निषेध चेक पोस्ट पर सिलीगुड़ी से पटना जा रही ईपाल डीलक्स बस की चेकिंग के दौरान एक महाराष्ट्र निवासी युवक को दुबई निर्मित 50 पीस सोने की बिस्किट के साथ गिरफ्तार किया गया, जिसका कुल वजन 5 किलो 840 ग्राम है। 24 कैरेट शुद्ध सोने से बने प्रत्येक बिस्किट का वजन 116.80 ग्राम है, जिसकी कीमत करीब 3 करोड़ 53 लाख रु० बताई जा रही है। प्रेस वार्ता के दौरान पूर्णियां पुलिस अधीक्षक आमिर जावेद ने बताया कि शराब की तस्करी की रोकथाम के लिए प्रत्येक दिन की तरह दालकोला चेक पोस्ट पर मध्य निषेध पुलिसकर्मी वाहनों की जांच पड़ताल कर रहे थे। इसी क्रम में सिलीगुड़ी से पटना जा रही ई-पाल डीलक्स बस में सवार एक युवक के पेट में पट्टी की तरह बंधे सोने की बिस्किट को बरामद किया गया। पूछताछ में उसने बताया कि उसका नाम सोमनाथ लहु सावंजी, उम्र 22 वर्ष, पिता-लहु सावंजी, साकिन-भालवनी,

थाना मंगेड़वेड़ा जिला सोलापुर (महाराष्ट्र) का निवासी है। उसने बताया कि 3 दिन पहले ही सिलीगुड़ी के कुछ लोगों के साथ कैरियर के रूप में काम करने के लिए उसका ऑनलाइन संपर्क हुआ था, इसके बाद वह पुणे होता हुआ सिलीगुड़ी पहुंचा था। सिलीगुड़ी में माटीगाड़ा के समीप एक पुल के नीचे उसे कुछ सामान पटना पहुंचाने के लिए दिया गया था। उसने बताया कि वह सामान सोने के रूप में होने से अनभिज्ञ था। इसके बदले में उसे 20000 रु दिया गया था। पुलिस अधीक्षक आमिर जावेद ने बताया कि सोने के बिस्किट पर यूएई का मार्का चिन्हित है। कुल 50 बिस्कीट, प्रत्येक बिस्कीट का वजन 116.80 ग्राम, कुल 5 किलो 840 ग्राम सोने के साथ एक काला रंग का विभो स्मार्ट फोन बरामद किया गया है। प्राप्त जानकारी के आधार पर आगे का अनुसंधान किया जा रहा है।शीघ्र ही सोने की तस्करी में संलिप्त तस्करों के पूरे रैकेट का खुलासा किया जाएगा। मामले में बायसी थाना कांड सं०-349/23, दिनांक-25.08. 2023, धारा-414 भा.द.वि. के तहत दर्ज कर विधि -सम्मत कार्रवाई पूर्ण करते हुये गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेजने की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।●

पंचतत्व में विलीन हुए जवान धीरज

बिहटा सोन नदी घाट पर गार्ड ऑफ ऑनर के साथ जवानों ने दी अंतिम विदाई

● गुड्डू कुमार सिंह

तरारी प्रखण्ड क्षेत्र अन्तर्गत इमादपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत पश्चिमी इंग्लिश के जवान धीरज कुमार का पार्थिव शरीर रविवार शाम 4 बजे उनके पैतृक गांव पहुंचा। जहां अंतिम दर्शन के लिए हजारो की संख्या में इलाके के लोग, अधिकारी और सेना के जवान मौजूद रहे। इसके बाद पैतृक गांव पश्चिमी इंग्लिश से अंतिम संस्कार के लिए बिहटा सोन नदी पार्थिव शरीर को ले जाया गया, जहां रास्तेभर लोगों ने भारत माता के इस सपूत के जय-जयकार की। सेना के जवानों द्वारा राजकीय सम्मान के साथ शहीद जवान को सलामी देकर अंतिम संस्कार किया। गौरतलब है कि शिमला में तैनात ईमादपुर थाना क्षेत्र के पश्चिमी इंग्लिश गांव निवासी आर्मी जवान की ड्यूटी के क्रम में हृदयाघात से मौत हो गयी। मृत सैनिक धीरज सिंह ,अवधेश सिंह का 30 वर्षीय पुत्र था। घटना शुक्रवार की है। धीरज की पोस्टिंग शिमला में रामपुर कैंप में हुआ था। दो माह छुट्टी काटकर 5 अगस्त को शिमला अपने ड्युटी पर गए आर्मी जवान धीरज कुमार की अचानक मौत की खबर सुनकर परिजन से लेकर अन्य सगे संबंधी काफी दुखित हैं।

☞ **'धीरज तेरा नाम रहेगा... नारों से गूंज उठा इलाका'** :- दिवंगत सेना के जवान धीरज का पार्थिव शरीर जब उनके गांव पश्चिम इंग्लिश पहुंचा तो अंतिम दर्शन के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। "जब तक सूरज चांद रहेगा धीरज तेरा नाम रहेगा .." के नारे तथा भारत मां के जयकारों से इलाका गूंज उठा। तिरंगे मे लिपटे दिवंगत जवान को देख लोगों की आंखें नम हो गई तथा परिजनों की चीत्कार से माहौल गमगीन हो गया।

☞ **'पत्नी और परिवार के सब्र का बांध टूटा'** :- जैसे ही दिवंगत जवान धीरज का पार्थिव शरीर उनके घर पहुंचा तो अब तक किसी तरह खुद को संभाल रहीं पत्नी निशु कुमारी के सब्र का बांध टूट गया और जीवन साथी के बिछडने का गम आंशुओं के रूप में बह निकला। धीरज की एक वर्षीय मासूम बेटी आरुषि जो इस घटना से अनजान थी माँ को रोते देख खुद को रोक नहीं पाई और फफक फफक रो पड़ीं। पश्चिमी इंग्लिश के लाल और अपने लाडले, बेटे, भाई को अंतिम बार देखने के लिए समूचे परिवार और रिश्तेदारों के साथ आसपास के गांवों से भी सैकड़ों लोग शहीद के गांव पश्चिम इंग्लिश में पहुंचे थे।

☞ **'सात भाई बहनो में सबसे छोटा था दिवंगत जवान धीरज'** :- धीरज तीन भाईयों में सबसे छोटा था। बड़ा भाई राजकुमार किसान है और अपने वार्ड का प्रतिनिधित्व करते हैं। दूसरा भाई राजकिशोर सिंह भी आर्मी में हैं। जो कश्मीर में पोस्टेड हैं। धीरज 2011 में मैट्रिक की परीक्षा बिहटा हाई स्कूल से उत्तीर्ण होने के बाद डिहरी से आईटीआई किए। उसके बाद 2015 में नासिक में आर्मी में आर्टिलरी कोर पद पर बहाली हुआ। नासिक में दो वर्ष बाद पठानकोट तबादला हुआ उसके बाद जम्मू-कश्मीर उसके बाद 2 साल से शिमला के रामपुर कैंप में थे। धीरज के बड़े भाई राजकुमार सिंह ने बताया कि शुक्रवार को सुबह 5 किलोमीटर बीपीटी दौड़ जो पीठ पर वजन और हथियार लेकर दौड़ाया जाता है कर वापस अपने बैरक में आये थे। तभी सांस फूलने की गम्भीर समस्या उत्पन्न हुई। जिसके बाद मौत होने की घटना की सूचना हमलोगों को दी गयी है। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही मृतक जवान के भाई राजकिशोर सिंह रामपुर पहुंच गए हैं।

☞ **'5 अगस्त को छुट्टी काटकर गए थे शिमला'** :- धीरज दो माह की छुट्टी पर घर आये थे। छुट्टी पूरा होने के बाद 5 अगस्त को घर से शिमला के लिए निकले थे। अभी मात्र 13 दिन ही हुए थे गांव से शिमला गए हुए की अचानक मौत होने की खबर सुनकर परिवार यकीन ही नहीं कर रहा था कि बहादुर और नौजवान घर का लाल सदा के लिए दुनिया छोड़कर चला गया।

अतिम संस्कार में शिमला से चतकर आए 172 मिडियम रेजिमेन्ट के नायक सुबेदार उमाशंकर, हवलदार जय प्रकाश ठाकुर, समेत दानापुर से दर्जनो जवान समेत एसडीओ अमरेन्द्र चौधरी, डीएसपी राहुल सिंह, विडियो अशोक कुमार जिज्ञासु, थानाध्यक्ष ओम प्रकाश, तरारी पूर्व भाजपा प्रत्याशी, कौशल विधार्थी, सहार जीला पार्षद लक्ष्मण सिंह, तरारी जीला पार्षद जीतेन्द्र प्रताप सिंह, प्रमुख धमेन्द्र सिंह, राजद प्रखण्ड अध्यक्ष लालबाबू सिंह, भाजपा सिकरहटा मंडल

अध्यक्ष रामानुज सिंह ,पिन्टू राय ,बब्लेश राय, पिन्टू मौआर ,संजय सिंह ,बजरंगी साह ,चरपोखरी राजद प्रखण्ड अध्यक्ष सत्यनारायण यादव ,बिहटा मुखिया प्रतिनिधी जितेन्द्र प्रताप सिंह समेत हजारो लोग शामिल थे। वही तरारी में शहीद धीरज के परिजन से मिले महागंठबंधन के नेता। तरारी महागंठबंधन व भाकपा-माले के सांसद प्रत्याशी राजू यादव ,राजद प्रखण्ड अध्यक्ष लालबाबू यादव ,माले नेता मनीर आलम और सत्यनारायण यादव और अन्य महागंठबंधन नेताओं ने सोमवार की शाम तरारी प्रखण्ड के पश्चिमी इंगलीश गांव का दौरा किया और बीपीटी दौड के दौरान सांस फूलने की शिकायत के बाद हृदयघात के दौरान धीरज सिंह की मौत हो गई थी जिसके बाद रविवार की शाम सैनिक का शव पैतृक गॉव पश्चिमी इंगलिश पहुंचा था ,जहाँ उनका राजकीय सम्मान के साथ दाह संस्कार किया गया था। शहीद हुए जवान धीरज सिह को अपनी श्रद्धांजलि दी व उनके शोक संतप्त परिवार से मुलाकात की.

शहीद धीरज सिंह के पिता का नाम श्री अवधेश सिंह व बडा भाई राजकुमार सिंह पेशे से किसान है. एक भाई राजकिशोर सिंह भी फौज में ही थे, शहीद धीरज सिह की मात्र एक डेढ साल की बेटी है आरूषी, सभी परिजनो से मिल महागंठबंधन के नेता राजू यादव ने धीरज सिंह को शहीद का दर्जा व शहीद के नाम तोरण द्वार चुकी शहीद धीरज के गाँव के कुछ ही दूरी भोजपुर और रोहतास को विभाजन करती है ,साथ ही वही अवस्थित विहार सरकार के जमीन पर शहीद धीरज के नाम पर खेल मैदान बनाने की माँग की है। इस दौरान महागंठबंधन के लोक सभा प्रत्याशी राजू यादव ,राजद प्रखण्ड अध्यक्ष लालबाबू यादव ,उपाध्यक्ष नन्दजी पासवान ,पंचायत अंध्यक्ष सत्यनारायण यादव ,मनीर आलम ,सबीर कुमार, पप्पू कुमार ,निरंजन केशरी समेत दर्जनो महागंठंधन के कार्यक्रता शामिल थे।●

अंचल में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ सीओ का पुतला फूंका

● गुड्डू कुमार सिंह

तरारी प्रखण्ड संह अंचल कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टचार के खिलाफ शुक्रवार को जाप कार्यक्रताओं ने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत प्रखण्ड सह अंचल मुख्यालय परिसर में प्रर्दशन किया। इस दौरान जाप कार्यक्रताओं ने अंचलाधिकारी निभा कुमारी के पुतले के साथ तरारी प्रखण्ड के कृष्णा मार्केट से लेकर बजार चौक होते हुए प्रखण्ड संह अंचल परिसर तक आक्रोश मार्च निकाला गया। जाप कार्यक्रताओ ने अंचलाधिकारी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। आक्रोश मार्च प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय में पहुंच सभा में तब्दील हो गई,जिसकी अध्यक्षता जाप छात्र प्रदेश उपाध्यक्ष रितेश कुमार तथा संचालन नंन्दजी यादव ने किया। सभा को संबोधित करते हुए रितेश कुमार ने कहा कि अंचल कार्यालय तरारी में घोर धांधली व्याप्त है। जहाँ बगैर रिश्वत लिए कोई भी कार्य नही होता। किसी भी पंचायत के राजस्व कर्मी एक तो समय से नही आते दुसरा उनके बैठने का कोई नियत स्थान नही है जिसे ग्रामीण परेशान होते है। अंचलाधिकारी खुद पदस्थापन से लेकर आंज तक समय सें कार्यालय नही पहुँचती, ना ही प्रत्येक दिन कार्यालय पहुँचती है।बिना चढ़ावे के परिमार्जन, दाखिल-खारिज आदि का आवेदन बिना

कारण बताए रद्द कर दिया जाता है। वही चढ़ावे मिलने के बाद वही आवेदन सही हो जाता है व कार्य हो जाता है।वही इसकी शिकायत कोई अंचलाधिकारी से करता है तो उसे झुठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी जाती है। शायद तरारी प्रखण्ड कें पदाधिकारियों की यही नियती बन गई हो। जिसे तरारी प्रखण्ड के लोगों में आक्रोश व्याप्त है, जिसको लेकर जाप क्रार्यक्रताओ ने बिहार सरकार सें अंचलाधिकारी निभा कुमारी को बरखाश्त करने की माँग की है। रितेश कुमार ने कहा की अगर जल्द सें जल्द इस पर सरकार द्वारा ठोस कदम नही उढ़ाया जाता है, तो भूमी एवं राजस्व मंत्री के आवास के बाहर धरना का आयोजन किया जायेगा।वही समाजिक कार्यकर्ता अनील सिंह ने कहा की अंचलाधिकारी की मनमानी और समाजिक कार्यकर्ताओ का अपमान बर्दास्त नही किया जायेगा। जन अधिकार पार्टी सीओ के विरोध में जोरदार आंदोलन करेगी। आक्रोश माँर्च के दौरान गली गली में शोर है ,सीओ हमारी चोर है, रिश्वत लेना बंद करों, सीओ तेरी मनमानी नही चलेगी, समाजिक कार्यकर्ताओ का अपमान हम नही सहेंगे जैसे गगन भेदी नारो सें प्रखण्ड मुख्यालय गुंजता रहा।पुतला दंहन कार्यक्रम में अनील सिंह, दिनेश प्रसाद, शिबचन राम, सुमंत साह, नकुल सिंह, आसिफ अली, उमाशंकर यादव, दीपक यादव, नागेन्द्र दिवाना, संतोष यादव, परबेज आलम, रितेश लाल, सुर्दशन यादव संहित दर्जनों लोग शामिल थे।●

थाना परिसर में विद्यालय के बालिकाओं ने बांधी पुलिसकर्मियों को रक्षासूत्र

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर जिले के बडहरा थाना परिसर मे हर्षोल्लास के साथ रक्षाबंधन का त्योहार मनाया गया। इस अवसर पर कस्तूरबा बालिका विद्यालय बिछिआँव की छात्राओं ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों व थानाध्यक्ष को रक्षासूत्र बांध कर उनके दीर्घायु की कामना की। इस पावन पवित्र अवसर पर पुलिस पदाधिकारियों व कर्मियों ने भी बहनों की रक्षा के साथ समाज की सुरक्षा का वचन दिया।बतादें कि पुलिस कर्मचारी अक्सर आम लोगों की सुरक्षा के लिए अपनी खुशियों को दरकिनार कर देते हैं। अन्य हर विभाग मे त्योहारो पर सरकार की ओर से छुट्टियां निर्धारित की गई हैं। वे लोग हर त्यौहार को अपने घरों या अपने रिश्तेदारों के यहां जाकर अपने लोगों के साथ खुशियां मनाते हैं। परन्तु इसके विपरीत पुलिस जवान व हमारे सैनिक भाई अक्सर इन खुशियों में शामिल नहीं हो पाते हैं। पुलिस जवान इस दिन में अपने थानों व चेक पोस्टों पर हमारी व कानून की रक्षा के लिए तैनात रहते हैं। आज कस्तूरबा बालिका विद्यालय के बालिकाओं ने कर्तव्य निष्ठा से ड्यूटी निभा रहे पुलिस पदाधिकारी के साथ रक्षाबंधन का त्योहार मनाने का निर्णय लिया। वहीं थाना प्रभारी विजय प्रसाद ने सभी बहनों को भरोसा दिलाया कि क्षेत्र में महिलाओं के साथ किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार नहीं होने देंगे। किसी भी महिला के साथ कोई भी समस्या हो तो बेझिझक सम्पर्क करें उनकी समस्या का तुरंत निदान किया जाएगा। इस मौके पर थानाध्यक्ष निकुंज भूषण, अशोक कुमार आजाद, वृज किशोर राय, राजीव कुमार, गोविन्दा कुमार, भावना सहित कई पुलिस पदाधिकारी व कर्मी मौजूद रहे। वही दूसरी तरफ छात्र-छात्राओं ने एसपी एवं पुलिस कर्मियों को बांधी राखी। वही माउंट लिट्रा जी विद्यालय के किड्जी शाखा के प्रांगण में रक्षाबंधन का उत्सव मनाया गया। विद्यालय की छात्राओं एवं शिक्षिकाओं ने पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार को राखी बांधी। विद्यालय के निदेशक श्रेयांश जैन ने बताया कि विद्यालयों के बच्चों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में मौजूद अन्य पुलिस कर्मियों को भी राखी बांधी और मुंह मीठा कराया। रक्षा बंधन का पर्व विशेष रुप से भावनाओं और संवेदनाओं का पर्व है। यह एक ऐसा बंधन है जो दो जनों को स्नेह की धागों से बांध ले। पुलिस अधीक्षक ने राखी के त्योहार की महत्ता के बारे में बताया। कहा कि राखी केवल बहन का रिश्ता स्वीकारना नहीं है अपितु राखी का अर्थ है, जो यह श्रद्धा व विश्वास का धागा बांधता है। वह राखी बंधवाने वाले व्यक्ति के दायित्वों को स्वीकार करता है। उस रिश्ते को पूरी निष्ठा से निभाने की कोशिश करता है। मौके पर उपाध्यक्षा सुचिता जैन और प्रधानाध्यापिका मौली सहित अन्य शिक्षक मौजूद थे।●

भवन निर्माण को लेकर चला सड़क पर स्कूल आन्दोलन

● गुड्डू कुमार सिंह

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आरा-सासाराम मुख्य मार्ग स्थित गडहनी बाजार पर बनास नदी पुल के समीप अगिआँव विधायक मनोज मंजिल ने नेतृत्व मे उर्दू प्राथमिक विद्यालय बडौरा के भवन निर्माण को लेकर सडक पर स्कूल आन्दोलन का आयोजन किया गया। आयोजित आन्दोलन सोमवार को सुबह के 10.30 बजे से शुरू हुआ जो खबर लिखे जाने तक जारी रहा।आन्दोलन को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि उर्दू प्रावि बडौरा 1947 मे स्थापित हुआ था। विगत 15 सालो से जर्जर और खंडहर हो चुका था।भवन निर्माण को लेकर ब्लॉक परिसर मे भी स्कूल आन्दोलन चलाया गया था। डीएम डीईओ शिक्षा मंत्री से लेकर सदन तक आवाज उठाया गया। सबके सब आश्वासन देते रहे लेकर निर्माण कार्य शुरू नही हुआ। इधर 14 अगस्त को विद्यालय को पुरी तरह से ध्वस्त कर पंचायत भवन मे शिफ्ट कर दिया। भवन ध्वस्त होने से आक्रोशित ग्रामीण ध्वस्त विद्यालय पर ही टेंट लगाकर स्वयं विद्यालय का संचालन करना शुरू किया। वहीं आज लगातार 20 दिनो से विभिन्न माध्यमो के द्वारा सडक पर स्कूल आन्दोलन की सूचना अधिकारियों तक पहुंचाई गई लेकिन कोई भी अधिकारी इस पर संज्ञान नही लिये लिहाजा क्षेत्र का जनप्रतिनिधि होने के नाते आज हमे इस आन्दोलन को मूलरूप देना पडा। उन्होने कहा कि बहुत ही शर्म की बात है कि सरकार व शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव के के पाठक द्वारा शिक्षा मे सुधार हेतू विभिन्न हथकंडे अपना रही है लेकिन विद्यालय की मूलभूत संरचनाओं व विधि ब्यवस्थाओं की ओर कोई कदम नही उठा रही है।आज बच्चे अपने हक अधिकार व विद्या के मंदिर

क ो लेकर सडक पर स्कूल लगाने के लिए बाध्य हो गये है।

सडक पर स्कूल आन्दोलन के दौरान सडक पर ही टेंट लगाकर विद्यालय का संचालन किया गया।सर्व प्रथम छात्राओ द्वारा प्रार्थना सत्र का आरम्भ किया गया। उसके बाद शिक्षको ने विधिवत घंटी वार, कक्षा वार स्कूल का संचालन किया। जिसमे विभिन्न विषयों की पढ़ाई की गई। विधायक मनोज मंजिल के नेतृत्व मे आयोजित सडक पर स्कूल आन्दोलन मे गडहनी बीडीओ बिरेन्द्र कुमार व सीओ विपुल कुमार के साथ पंचायत समिति सदस्य बडौरा बिनोद यादव के साथ अन्य कई नेतागण भी मंचासीन रहे।इस दौरान वक्ताओ ने भवन निर्माण की मांग पर अडे रहे। आठ घंटे बीतने के बाद भी रात्रि के सात बजे तक कोई भी वरीय अधिकारी वार्ता के लिए धरना स्थल पर नही पंहुचे। बच्चे आस लगाये बैठे रहे।स्कूलो मे जैसे नियमित रूप से विद्यालय का संचालन होता है ठीक उसी तर्ज पर सडक पर भी विद्यालय का संचालन किया गया। इस दौरान टिफिन मध्याह्न काल मे मीड मे मील की ब्यवस्था की गई जिसमे छात्र छात्राओ के साथ विधायक सहित गडहनी बीडीओ ने भी खाना खाया।आन्दोलन के दौरान आरा सासाराम मुख्य मार्ग स्थित गडहनी मे दोनो तरफ लम्बी गाडियों की कतार लगी रही।यात्री हलकान रहे। कुछ अपना रूट बदलकर निकले तो बहुत से जाम का झाम मे उलझे रहे।जाम मे मरीज, एम्बुलेंस एवं स्कूल की गाडियों को रास्ता दी गई शेष अन्य सवारी गाडियाँ फंसी रही। ऐसे मे गडहनी बाजार जाम का सामना करता रहा। वहीं अनहोनी की आशंका को लेकर चरपोखरी थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा और गडहनी थानाध्यक्ष प्रियंका गुप्ता दल बल के साथ आन्दोलन स्थल पर मुस्तैद रहे। थानाध्यक्ष संजय सिन्हा ने कहा कि जाम को हटवाने का प्रयास किया जा रहा है।●

भोजपुर डीएम को मुआवजा राशि के साथ कोर्ट में उपस्थित होने को मिला आदेश

● गुड्डू कुमार सिंह

पटना हाइकोर्ट ने गडहनी प्रखण्ड के हदियाबाद गांव मे निवर्तमान सीओ उदयकान्त चौधरी द्वारा बगैर किसी प्रक्रिया के घर तोड़े जाने के मामले पर नाराजगी जताते हुए भोजपुर डीएम राज कुमार को मुआवजा राशि का चेक के साथ कोर्ट में हाजिर होने का आदेश दिया है। बताया गया कि जस्टिस मोहित कुमार शाह ने रमाकांत सिंह की याचिका पर अपनी फैसला सुनाई। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता गोपाल कृष्ण मिश्रा ने कोर्ट को बताया कि बगैर किसी आदेश के याचिकाकर्ता का घर तोड़ दिया गया। उनका कहना था कि गड़हनी सीओ ने बिना कानूनी प्रक्रिया अपनाए घर को तोड़ दिया था। जिसके आलोक मे पटना हाईकोर्ट में याचिका दायर किया गया था। कोर्ट के आदेश के बाद भोजपुर डीएम ने मामले की जांच कराई थी। उनका कहना था कि कोर्ट के आदेश पर भोजपुर डीएम ने मकान तोड़े जाने को लेकर क्षतिपूर्ति का आंकलन कर मुआवजा राशि देने के लिए पांच सदस्यीय कमेटी का गठन कर दिया। क्षतिपूर्ति राशि का आकलन करने के बजाय कमेटी ने अपने रिपोर्ट में कहा कि गैर मजरूवा आम जमीन पर अतिक्रमण कर निर्माण किया गया था, जिसे

सीओ के आदेश से हटा दिया गया था। याचिकाकर्ता किसी प्रकार का क्षतिपूर्ति मुआवजा पाने का हकदार नहीं है। कोर्ट ने इस पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि बगैर किसी आदेश के किसी का घर तोड़ा नहीं जा सकता। चाहे वह गैरमजरूआ जमीन पर ही क्यों ना बना हो। कोर्ट ने पांच सदस्य कमेटी के खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई करने का आदेश डीएम, भोजपुर को दिया। साथ ही अगली तारीख पर डीएम को क्षतिपूर्ति का आकलन कर मुआवजा राशि का चेक लेकर कोर्ट में उपस्थित होने का आदेश दिया। मामले पर अगली सुनवाई की तारीख 11 सितंबर, 2023 को तय की गई।

बताते चले कि पूर्व मे बिहार सरकार के संयुक्त सचिव कंचन कपूर ने पत्र जारी कर निर्वतमान गडहनी अंचलाधिकारी उदयकान्त चौधरी को निलम्बित कर दिया था। गडहनी सीओ पर गडहनी प्रखण्ड के इचरी पंचायत अन्तर्गत हदियाबाद गांव मे अतिक्रमण के मामले मे रामाकांत सिंह के द्वारा आरोप पत्र दाखिल किया गया था। जिसे जिलाधिकारी भोजपुर राजकुमार ने अपने पत्रांक 937 दिनांक 30 जुन 2023 के माध्यम से प्रेषित आरोप पत्र मे अतिक्रमण वाद संख्या 20/21-22 के अभिलेख विधिवत संधारित नही किये जाने, बिहार अभिलेख हस्तक 1941 के नियम 129 के तहत आदेश फलक का संधारण नहीं किये जाने, बिहार लोक भूमि अतिक्रमण अधिनियम, 1956 की धारा-3 (1) तथा 6 (2) के अंतर्गत नोटिस निर्गत नहीं किये जाने, धारा 6 (1) के अंतर्गत विधि सम्मत आदेश पारित नहीं किये जाने, माननीय उच्च न्यायालय, पटना द्वारा सीडब्लूजेसी नं0-16540 / 2022 रामा कान्त सिंह बनाम बिहार राज्य सरकार एवं अन्य में 19 जुन 2023 को पारित न्यायादेश के अनुपालन में उप समाहर्त्ता, भूमि सुधार, सदर आरा द्वारा समर्पित जॉच प्रतिवेदन के आधार पर निलंबित करने की अनुशंसा सहित आरोप प्रतिवेदित किये गये थे। जिला पदाधिकारी, भोजपुर द्वारा प्रतिवेदित गंभीर आरोपों एवं माननीय पटना उच्च न्यायालय के न्यायादेश के आलोक में अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा श्री चौधरी को निलंबित किया गया था। नियम 9(1) के प्रावधानों के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया था।●

डीडीसी के आश्वासन पर 55 घंटे बाद हटा जाम

● गुड्डू कुमार सिंह

उर्दू प्राथमिक विद्यालय बडौरा का भवन निर्माण को लेकर विगत तीन दिनो से अगिआँव विधायक मनोज मंजिल के नेतृत्व मे चलाये जा रहे सडक पर स्कूल आन्दोलन बुधवार को लगभग 55 घंटे के बाद डीडीसी भोजपुर विक्रम विरकर, एसडीएम ज्योति सहदेव, डीईओ मोहम्मद अहसन एवं पीरो डीएसपी राहुल कुमार सिंह के आश्वासन पर आन्दोलन को समाप्त किया गया। विधायक ने बताया कि उक्त अधिकारियों से लगभग दो घंटा वार्ता हुई। वार्ता के दौरान डीडीसी भोजपुर ने आश्वस्त किया कि अगामी 19 सितम्बर से उर्दू प्राथमिक विद्यालय का भवन निर्माण का कार्य आरम्भ कर दिया जायेगा। इस दौरान वार्ता करने पहुंचे अधिकारियों ने आन्दोलनकारियों की सभी मांगे मानी और उसे पुरा करने को कहा। मांगे स्वीकृत किये जाने व भवन निर्माण कार्य शुरू कराये जाने के शर्त पर आन्दोलन समाप्त किया गया। वहीं विधायक ने अपने विधायक

निधि फंड से भवन निर्माण हेतू 10 लाख रुपए देने का घोषणा किया। इस दौरान सडक पर स्कूल आन्दोलन मे संचालित मीड डे मील मे विधायक के साथ सभी वरीय व स्थानीय अधिकारियों ने सम्मिलित होकर एकसाथ एक मंच पर भोजन ग्रहण किया। आन्दोलन समाप्त होते ही आरा सासाराम मुख्य मार्ग पर आवागमन बहाल हो गया। यात्रियों सहित आमजनो ने राहत की सांस ली।मौके पर तरारी विधायक सुदामा प्रसाद, गडहनी बीडीओ बिरेन्द्र कुमार, सीओ विपुल कुमार, पीए आनन्द कुमार, राम छपित राम, भाकपा माले के कई कार्यकर्ता सहित छात्र छात्राएं उपस्थित थे।●

माँ के साथ सोया दस माह का बच्चा हुआ चोरी, लोगों ने काटा बबाल

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर जिले के सिकरहटा थाना क्षेत्र के फतेहपुर अनुसूचित जाति टोला स्थित एक घर से मंगलवार की देर रात मां के साथ सोया महज दस माह का एक बच्चा चोरी हो गया। इधर, बच्चा चोरी किए जाने का आरोप लगा बुध वार की सुबह करीब 6:30 आक्रोशित लोग सड़क पर उतर गए। करीब 07 बजे भाकपा माले की टीम ने समर्थन मे उतर बच्चा बरामदगी को लेकर जमकर किया नारेबाजी। फतेहपुर बाजार के समीप एसएच 102 बिहिया -बिहटा स्टेट हाइवे को जाम कर लोगों ने जमकर बवाल काटा। इस दौरान टायर जलाकर आगजनी भी की गई। सड़क जाम कर अनुसूचित जाति टोला के लोग गायब बच्चा की बरामदगी की मांग कर रहे हैं। जाम हटाने पहुंचे पुलिस अधिकारी लोगों को समझाने में जुटे हैं। गायब 10 माह का बच्चा उमेश राम फतेहपुर निवासी लुटावन राम का पुत्र है। इधर, पीरो डीएसपी राहुल सिंह ने बताया कि गायब बच्चा को बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस पूछताछ कर क्लू लेने में लगी है।

☞ **बोलोरो से लोगों पर बच्चा को उठाकर ले जाने का आरोप :-** शुरूआती जानकारी के अनुसार उमेश राम नामक बालक रोज की तरह मंगलवार की रात अपनी माँ और पिता के साथ कर्कटनुमा शेड में सोया हुआ था। इस दौरान रात करीब दस बजे के आसपास बच्चा चोरी हो गया। बाद में सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आ गई। लुटावन राम के अनुसार करीब ढाई माह पहले अपने पैतृक गॉवं दलीपुर से अपने पत्नी अगहनीया देवी के साथ रोजगार के लिए फतेहपुर आया हुआ था। लुटावन राम अपने परिवार के साथ गुजरात में कम्पनी में काम करता था। 24 अगस्त को गुजरात जाने की तैयारी में था ,तभी बिती रात ये घटना हो गई। परिजनों का आरोप है कि बोलोरो से आए अज्ञात लोग बच्चा चुराकर ले गए है। किसी भी तरह की दुश्मनी से इंकार कर रहे है। इधर सिकरहटा थानाध्यक्ष पवन कुमार का कहना है कि रात साढे दस बजे से ही पुलिस गायब बच्चा बरामद करने की प्रयास में लगी हुई है।

☞ **सुबह से महिलाओं और बच्चो समेत संडक पर उतर कर रहे है हंगामा :-** गायब बच्चा की बरामदगी को लेकर भाकपा मालें अनुसूचित जाति टोला

के लोगों के साथ बुधवार की 7 बजे से सड़क पर उतर हंगामा कर रहे है। बच्चा को बरामदगी तक सडक पर अडे रहने की बात कह रहे है। इसमे महिलाए भी काफी संख्या में संडक पर उतर हंगामा करते फतेहपुर बजार के पास एस एस 102 बिहिया-बिहटा स्टेट हाईवे को करीब 05 घटे तक जाम रखा। सिकरहटा थानाध्यक्ष

पवन कुमार स्थानीय मुखिया मुन्ना सिंह व जदयू नेता गोपाल पाण्डेय व माले नेता के सहयोग से करीब 11 बजे 24 घटे के अन्दर बच्चा बरामदगी के अश्वावाशन पर संडक जाम हटाया गया और इसके बाद बच्चे के पिता लुटावन राम के बयान पर प्राथमिकी दर्ज करते हुए, बच्चा बरामदगी के अभियान में जुटी हुई है। वही भाकपा माले नेता सुधीर कुमार ने कहा की अगर 24 घटे में बच्चा बरामद नही होता है तो पुन: भाकपा माले सडक पर उतरने को बाध्य होगी।●

चोरी हुए बच्चे की बरामदगी के लिए सड़क जाम

तरारी प्रखंड के फतेहपुर मुसहर टोली में 10 माह के बच्चे की चोरी के खिलाफ भाकपा (माले) कार्यकर्ताओं ने सुबह 07 बजे से ही फतेहपुर बजार पर सड़क जाम रखा। जाम के दौरान बच्चे की अब तक बरामदगी क्यों नहीं पुलिस-प्रशासन जवाब दो, बच्चे को अविलंब ढूंढ कर लाना होगा, गरीबों के प्रति गैर जिम्मेवार पुलिस-प्रशासन होश में आओ जैसे नारे जमकर लगाये गय।.लगभग 05 घंटे के जाम के बाद एसडीपीओ पीरो से टेलीफोनिक वार्ता के 24 घंटे के अन्दर बच्चे को ढूंढने के आश्वासन पर संडक जाम को समाप्त किया गया. सड़क जाम का नेतृत्व कर रहे भाकपा (माले) नेताओं ने कहा कि पुलिस की लापरवाही से अभी तक बच्चे की बरामदगी नही हो पाई है। गरीबों, दलितों के प्रति पुलिस का रवैया ठीक नही है। थानों से इन्हें दुत्कार दिया जाता है,थाना अमीरों ,दलालों का अड्डा बना हुआ है। अगर पुलिस समय से सक्रिय हो जाती तो बच्चा अब तक हमलोगो के बीच होता.24 घंटे में बच्चे की बरामदगी नही होती है तो फिर से आन्दोलन किया जाएगा.। सड़क जाम का नेतृत्व भाकपा (माले) के प्रखंड सचिव रमेश जी, युवा नेता जिला कमिटी सदस्य सुधीर यादव, प्रखंड कमिटी सदस्य काशीनाथ राम, जमाल अशरफ, बलिराम सिंह, इंकलाबी नौजवान सभा के नेता कामेंद्र सिंह,दिनेश राम ने किया। सड़क जाम में भाकपा (माले) के दर्जनो नेता-कार्यकर्त्ता शामिल हुए। **रिपोर्ट :- गुड्डू कुमार सिंह**

भाजपा का लोकतंत्र और संविधान विरोधी चेहरा हुआ उजागर : मनोज मंजिल

● गुड्डू कुमार सिंह

ज्ञात हो कि आगिआंव प्रखंड के गांव पवना में सामंती-साम्प्रदायिक ताकतों द्वारा कल बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की मूर्ति को तोड़ दिया गया था,जिसके विरोध में भाकपा माले ने प्रतिरोध मार्च और नुक्कड़ सभा का किया आयोजन! प्रतिरोध मार्च को अगिआंव विधायक मनोज मंजिल,भाकपा माले अगिआंव विधानसभा इंचार्ज रघुवर पासवान,जिला कमिटी सदस्य भोला यादव,माले नेता विष्णु मोहन और युवा नेता अप्पू यादव ने किया संबोधित । सभा को संबोधित करते हुए अगिआंव विधायक कॉमरेड मनोज मंजिल ने कहा कि भाजपा के संविधान और लोकतंत्र विरोधी कार्यावाही और दलितो के प्रति नफरत का ही परिणाम है पवना में बाबा साहब की मूर्ति को अपराधियों द्वारा तोड़ा जाना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएएसी-पीएम) के अध्यक्ष बिबेक देबरॉय नए संविधान लाने कि बात करते हैं इससे स्पष्ट होता है कि भाजपा-आरएसएस हमेशा से ही लोकतंत्र और संविधान विरोधी रही है,इनकी नफरती साम्प्रदायिक विचारधारा के लोग आज बाबा साहब की मूर्तियां तोड़ रहे हैं । जब से धीरेंद्र शाष्त्री बिहार में आये हैं तब से बाबा साहब की मूर्तियों पर हमला किया जा रहा है,धीरेंद्र शाष्त्री के आने के बाद ही नौबतपुर में बाबा साहब की मूर्ति तोड़ी गई,ये हिन्दू राष्ट्र के नाम पर देश मे उन्माद और साम्प्रदायिकता के बीज बोना चाहते हैं,पवना में बाबा साहेब डॉव भीमराव अम्बेडकर की मूर्ति पर हमला भी भाजपाइ,मनुवादी मानसिकता, सामंती और संविधान विरोधी सोच के लोगो ने किया है। कल रात के अंधेरे मे बाबा साहेब अंबेडकर के मूर्ति का अंगूली तोड़ दिया है, दलितो और महागठबंधन के बढ़ते एकता और लोकप्रियता से चिंतित हैं मनुवादी मानसिकता के लोग, पवना मे बाबा साहेब अंबेडकर का मूर्ति तोड़ने वाले अपराधियों को बख्शा नही जायेगा। बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर के मूर्ति तोड़ने वाले लोगों पर FIR करे और प्रशासन बाबा साहेब अंबेडकर के मूर्ति का पुनर्निर्माण कराए। अपराधियों की अविलंब गिरफ्तारी को लेकर विधानसभा में उठाऊंगा आवाज। प्रमुख नेताओं में अगिआंव विधायक मनोज मंजिल,भाकपा माले अगिआंव विधानसभा इंचार्ज रघुवर पासवान,जिला कमिटी सदस्य भोला यादव,माले नेता विष्णु मोहन, विधायक प्रतनिधि जय कुमार यादव, जन कवि गोपाल केशरी, शिवकुमार राम, विजय कुमार राम, सुरेश राम, युवा नेता मनमोहन कुमार, विष्णु शंकर राम, बुटन पासवान, रामचंद्र राम, वकील शर्मा,सहेदर पासवान, सतेंद्र राम,मिथुन कुमार, राहुल कुमार, अमित कुमार, दीपू कुमार, अमरेंद्र कुमार, मिठू कुमार सहित सैकड़ों जनता मौजूद रही।●

उर्दू प्राथमिक विद्यालय बड़ौरा को बनाया जायेगा क्षेत्र का मॉडल विद्यालय : विधायक

● गुड्डू कुमार सिंह

उर्दू प्राथमिक विद्यालय बडौरा का भवन निर्माण को लेकर अगिआँव विधायक मनोज मंजिल के नेतृत्व मे चलाये गये सडक पर स्कूल आन्दोलन के दौरान डीडीसी भोजपुर विक्रम विरकर से किये गये वायदे के अनुसार विधायक ने अपने फंड से 10 लाख रूपये का अनुशंसा पत्र सौंपा। विधायक ने कहा कि भवन निर्माण के लिए यदि और भी राशि की जरूरत पडी तो दी जायेगी। उन्होने कहा कि उर्दू प्राथमिक विद्यालय बडौरा को क्षेत्र का मॉडल विद्यालय बनाया जायेगा साथ ही अगिआँव विधानसभा के सभी प्राथमिक और मध्य विद्यालयों की चाहरदीवारी हाई स्कूलो के जर्जर खेल मैदानो को खेलने योग्य बनाने हेतू एवं सभी स्कूलो मे बेंच डेस्क की व्यवस्था करने के लिए डीडीसी को 10 लाख का अनुशंसा पत्र सौंपा गया है।●

सलमान की मौत : हत्या या आत्महत्या!

● बिन्ध्याचल सिंह

बक्सर जिला के कोरान सराय निवासी जनाब लियाकत मियाँ ने अपने बडे पुत्र मो० सलमान का निकाह खलिल मियाँ के पुत्री अनिशा बेगम के साथ दिनांक 19/11/2011 को ग्राम-पतुत, थाना-रानी तलाव, जिला-पटना के साथ किये थे। सलमान को दाम्पत्य जीवन की गृहस्थी में एक बेटा और एक बेटी की प्राप्ति हुई थी। सलमान की सलामत नहीं रहने के सम्बन्ध में जनाब मियाँ ने केवल सच प्रतितिधि को जानकारी दी कि सलमान मुहर्रम के पाकिजा वक्त पर 26 जुलाई को अपने ससुराल ग्राम-पतुत्त गया हुआ था, जहाँ उसकी बीबी एक-दो माह पहले बच्चो के साथ गई हुई थी। लेकिन मेरे बहु का उसी गाँव के ही एक लड़का से गलत संबंध था, जिसका विरोध हमारा लडका करता रहता था। वैसे पड़ोसियो के कथनानुसार सलमान की बीबी निकाह के 20 दिन के बाद से ही परिवार में कलह शुरू कर दी थी, जिससे तंग आकर लियाकत मियाँ अपने पुत्र सलमान सहित अन्य पुत्रों के कहने पर अलग खाना बनाकर खाने के लिये बोल चुके थे, ताकि परिवार में कलह न हो। पड़ोसियो की माने तो लियाकत मियाँ का परिवार हांलाकि गरीब परिवार है परन्तु अमन-चैन व शांति के पुजारी हैं इनके सभी परिवारिक सदस्य। आगे जनाब मियाँ के द्वितीय पुत्र ने जानकारी दी कि मेरे भैया को ससुरालवाले ने बहुत बेरहम थे। उन्होंने जिन्दगी की अंतिम सांस तक पहुँचाकर घटना को अंजाम दिया है। उन्होने कहा कि सलमान के पुरे शरीर पर बड़े-बड़े फोड़े दिखाई दे रहे थे, जबकि ससुरालवाले और थानाध्यक्ष ने कुएँ में कुदकर आत्महत्या इसे बता रहे हैं। संदिग्ध मामला तब समझ में आया, जब रानी तालाब थाना के थानाध्यक्ष ने मोबाईल से कोरान सराय अर्थात् सलमान के परिवार को जानकारी दी। जो मामला स्पष्ट था। जो इस प्रकार है कि लियाकत मियाँ के द्वितीय पुत्र के मोबाईल पर थानाध्यक्ष रानी तालाब के द्वारा 30 जुलाई को जानकारी दी गई कि आपका भाई सलमान कुएँ में कुदकर आत्महत्या कर लिया है। आप आकर मृत्त शरीर ले जाइये। भाई की मृत्यु की खबर सुनते ही मानो पैर तले जमीन खिसक गई। परन्तु बिना देर किये चार पहिया वाहन से अपने शुभ-चिंतको सहित पतुत्त के लिये रवाना हुए। पुनः थानाध्यक्ष का कॉल आया कहाँ है, तो उन्होने कहा भोजपुर जिला के नयका टोला पहुँच चुका हूँ। आपको बताते चले कि नयका टोला से बिहटा पतुत

लगभग 50 किलोमीटर दूर है। परन्तु थानाध्यक्ष थाना रानी तालाब के द्वारा अभिभावक के अनुपस्थित में ही पोस्टमार्टम करा दिया गया। जबकि लगभग दिन के ग्यारह बजे सलमान के चारो भाई व शुभचिंतक पहुँच चुके थे, परन्तु थानाध्यक्ष रानी तालाब के द्वारा न तो पोस्टमार्टम की सूचना बताई और न ही सलमान का मृत शरीर को ही दिखाया। रात्रि नौ बजे सलमान का मृत्त शरीर सुपुर्द किया

गया। जो सोचनीय व संदिग्ध मामला बनाता है। भाई का मृत्त शरीर देखते ही थानाध्यक्ष से कहा कि मैडम क्या कुआँ में आत्महत्या करने पर शरीर पर फोड़े होते हैं? इस पर थानाध्यक्ष रानी तालाब ने कहा कि ज्यादा चतुर बनोगो तो दहेज का धारा लगाकर जिंदगी भर जेल में चक्की पीसने के लिये मजबूर कर दूँगी। केवल सच प्रतिनिधि ने जानकारी लेना चाहा तो सलमान के भाइयो ने जानकारी दी कि थानाध्यक्ष रानी तालाब हत्या करार न देकर आत्महत्या के लिये लगभग डेढ़ लाख रूपया ले चुकी है। जो स्थानीय लोगो से सलमान के परिवार को जानकारी हुई थी। वैसे जानकारों के अनुसार थाना रानी तालाब के इतिहास में ऐसी भ्रष्ट थानाध्यक्ष का आगमन न हुआ है और न होगा। स्वास्थ्य विभाग, बक्सर से प्राप्त जानकारी के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट उसी दिन या अगले दिन दे दिया जाता है, जबकि बक्सर

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार अभिभावक को पोस्टमार्टम रिपोर्ट की छाया प्रति दे दिया जाता है। जबकि सलमान की हत्या के दो माह बाद भी अभिभावक को न तो पोस्टमार्टम रिपोर्ट की छाया प्रति दी गई और न ही प्राथमीकि दर्ज की गई है, जो थानाध्यक्ष रानी तालाब की पूर्ण संलिप्तता इसमें प्रतीत होती है और यह कटु सत्य है। उपरोक्त सभी जानकारी सलमान के आबा व भाईयो के द्वारा केवल सच प्रतिनिधि को दिये गये आलोक में सूचीबद्ध किया गया है।●

असुरक्षित है बक्सर का ऐतिहासिक किला

● बिन्ध्याचल सिंह

बक्सर नगर के मध्य में बसा ऐतिहासिक किला जिसका सैकडों वर्ष पूर्व राजा रूद्रदेव ने 1054 ई० विक्रम संवत्त में निर्माण कराया था। प्राचीन स्मारक अधिनियम 1956 के अन्तर्गत सुरक्षित स्थान घोषित होने के बावजूद यह असुरक्षित है। इस ऐतिहासिक किले के मैदान में प्रत्येक वर्ष जिलाधिकारी द्वारा राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर ध्वजारोहण किया जाता है। सैकडों राजनेता भी इसी मैदान से बक्सर की जनता को संम्बोधित कर चुके हैं। इन महानुभावो को ऐतिहासिक किला का अस्तित्व खोने का अहसास है, लेकिन किसी के भी द्वारा इस ऐतिहासिक किला को बचाने के लिए सार्थक पहल नहीं की गयी। विश्व के लघु किलाओं में से एक बक्सर का ऐतिहासिक किला आज अपना अस्तित्व खोने के कगार पर पहुँच चुका है। राजा रूद्रदेव द्वारा बनाया गया यह किला आज गंगा के कटाव में आ चुका है। प्रत्येक वर्ष बाढ के दिनों में किला का एक हिस्सा गंगा में विलीन हो जाता है। विशाल टीले पर स्थित इस किले एवं गंगा की दूरी सिमटती ही जा रही है। वह समय अब दूर नहीं जब किला का विशाल टीला गंगा के आगोश में खो जायेगा। इसकी जानकारी केन्द्र व राज्य सरकार को होते हुए भी मूकवधिर की भूमिका निभा रहे हैं। गंगा की धारा प्रत्येक वर्ष इस टीले को काटती हुई बक्सर नगर की ओर बढ रही है। पुरातत्व की उपेक्षापूर्ण रवैया

ऐहतिहासिक बक्सर के पहचान को समाप्त करने के कगार पर पहुँच चुका है। विश्व के प्राचीनतम नगरो में अपना स्थान रखने वाले बक्सर के प्रति सरकार की नीति अप्रसांगिक हैं। इस ऐहतिहासिक किला का महत्व का अध्ययन करने के उदेश्य से सन् 1926-28 ईस्वी में पटना विश्वविद्यालय के प्रो० आशुतोष बनर्जी शास्त्री ने इस किले की खुदाई करायी। खुदाई में मिले पुरातत्व वस्तुओं को प्रो० बनर्जी ने कहा था कि प्राप्त अवशेष 10000 ई0 पूर्व के हैं। लेकिन अंग्रजो की एक सोची समझी साजिश के तहत खुदाई को तत्काल बंद करा पुरातत्व विभाग के लोगो को वापस बुला लिया। पुरातत्व के जानकार व बक्सर के प्राचीन अवशेषों के रक्षक के नाम से विख्यात स्वर्गीय सीताराम उपाध्याय द्वारा किले से प्राप्त अवशेषों को सरकार के सुपूर्द कर इसके गौरवमय इतिहास को सुरक्षित रखने की विनती की थी। बक्सर के वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी रामेश्वर प्रसाद वर्मा ने कहा कि असुरक्षित किला के प्रति सरकार की उपेक्षापूर्ण नीति बक्सर के प्राचीन इतिहास को दफन करने में आग में घी डालने का कार्य कर रही है। श्री वर्मा ने कहा कि इस ऐहतिहासिक किला से बक्सर की पहचान एवं नगर का कटाव से रक्षा करने वाले के रूप में विद्यमान है, लेकिन सरकार की नीति से यह ऐतिहासिक किला अपना अस्तित्व खत्म होने के कगार पर पहुँच चुका है। वह दिन दूर नही अगर सरकार द्वारा सार्थक पहल नहीं किया गया तो गंगा की धार नगर की ओर मूड जायेगी एवं नगरवासियो को पलायन के लिए बाध्य होना पड़ेगा।●

गया जी धर्मशाला एवं सीताकुंड स्थित नवनिर्मित मां सीतापथ का लोकार्पण

मुख्यमंत्री ने गया एवं बोधगया में विभिन्न योजनाओं का किया शिलान्यास

● अमित कुमार

मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने 8 सितम्बर को गया एवं बोधगया में विभिन्न योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने कई स्थलों का निरीक्षण भी किया। मुख्यमंत्री ने गया में पहाड़पुर स्थित बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान (बिपार्ड) के मुख्य प्रशासनिक भवन का शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने बिपार्ड के नवनिर्मित भवन परिसर का परिभ्रमण एवं निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि यहां जो कुछ भी बचे हुए कार्य हैं उसे जल्द पूरा करें। खेल-कूद की भी व्यवस्था रखें। मुख्यमंत्री ने बिपार्ड परिसर में स्व0 दशरथ मांझी की प्रतिमा का शिलापट्ट अनावरण कर लोकार्पण किया और प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने 'दीदी की रसोई' (कैफे) का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने बिपार्ड परिसर में पौधारोपण किया। उन्होंने बिपार्ड परिसर में बने कावेरी अतिथिगृह का भी निरीक्षण किया। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने विष्णुपद मंदिर पहुंचने के लिए प्रस्तावित वैकल्पिक रास्ता के निर्माण का अवलोकन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि फल्गु नदी पर बने गया बाईपास पुल के पास से ही ऊपर से विष्णुपद मंदिर जाने के लिये नदी किनारे ऊंचा और चौड़ा रास्ता बनाएं ताकि श्रद्धालुओं को विष्णुपद मंदिर पहुंचने में कोई परेशानी नहीं हो और घाट का स्वरूप भी सुंदर दिखे। उन्होंने कहा कि हाल ही में आयोजित राजगीर के मलमास मेले में 3 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पहुंचे। हम चाहते हैं कि गया में भी अधिक से अधिक संख्या में श्रद्धालु आएं। देश भर के लोग पितृपक्ष मेले के दौरान यहां आते हैं उन्हें किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो, उसका ख्याल रखें। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने मोक्षदायिनी फल्गु नदी के दायें तट पर मां सीता पथ एवं नदी तट के विकास कार्य का शिलापट्ट अनावरण कर लोकार्पण किया। उन्होंने वहां पौधारोपण भी किया। मुख्यमंत्री ने मां सीता की पूजा-अर्चना कर राज्य की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने विष्णुपद मंदिर में पूजा-अर्चना की एवं राज्य की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री ने विष्णुपद मंदिर तक पहुंचने के वैकल्पिक रास्ते के लिए निर्माण हेतु स्थल का अवलोकन किया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने विष्णुपद मंदिर के आसपास पितृपक्ष मेला से संबंधित विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुये कहा कि यहां पर सोलर प्लेट और सोलर लाइट लगाएं ताकि सौर ऊर्जा को और बढ़ावा मिल सके। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने शिलापट्ट अनावरण कर गयाजी धर्मशाला का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री के समक्ष गयाजी ध र्मशाला से संबंधित प्रस्तुतीकरण भी दिया गया।

पितृपक्ष मेला-2023 की तैयारियों को लेकर सीएम ने अधिकारियों को दिया निर्देश

मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने 08 सितम्बर बोधगया के महाबोधि सांस्कृतिक केंद्र के हॉल में पितृपक्ष मेला-2023 की तैयारियों की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। समीक्षा के दौरान गया के जिलाधिकारी डॉ0 त्यागराजन एस0एम0 ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से पितृपक्ष मेला-2023 की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष पितृपक्ष मेले का आयोजन 28 सितंबर 2023 से 14 अक्टूबर 2023 तक निर्धारित है। इस दौरान देश-विदेश से बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों के आने की संभावना को देखते हुए प्रशासन द्वारा पूरी तैयारी की गई है। सभी महत्वपूर्ण घाटों पर सभी प्रकार की तैयारियां की गई हैं। बेहतर व्यवस्था के संचालन के लिए कार्य समितियों का गठन कर उन्हें जिम्मेदारी दी जा रही है। जिलाधिकारी ने पितृपक्ष मेले के दौरान आवासन, साफ-सफाई, जलापूर्ति, स्वच्छता, स्वास्थ्य, विद्युत व्यवस्था, यातायात सुविधा एवं विधि-व्यवस्था आदि की तैयारियों के संबंध में जानकारी दी। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि एक बार दिल्ली जाने के दौरान दूसरे राज्य की महिला मुझसे मिली और बोली कि आपके द्वारा राज्य में विकास के कई कार्य किए जा रहे हैं लेकिन पितृपक्ष मेले को लेकर और बेहतर तैयारी की जरूरत है। हम उसके बाद हर वर्ष पितृपक्ष मेले के आयोजन को लेकर की जा रही तैयारियों की समीक्षा करते हैं। पितृपक्ष मेले में देश के कोने-कोने एवं विदेशों से तीर्थ यात्री बड़ी संख्या में श्रद्धा भाव से अपने पूर्वजों का पिंडदान और तर्पण करने गया की मोक्ष भूमि पर आते हैं। पितृपक्ष मेले की महत्ता को देखते हुए श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर सभी प्रकार की तैयारी रखें। श्रद्धालुओं को हर प्रकार की सुविधा मिलनी चाहिए और उनके आवासन की बेहतर व्यवस्था होनी चाहिए। घाट, मंदिर, वेदी, तालाब एवं पूरे शहर की साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था रखें। सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरतें। इस वर्ष राजगीर में आयोजित मलमास मेले में 3 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आए। हमें उम्मीद है कि गया में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु आएंगे। उन्होंने कहा कि बोधगया महाबोधि परिसर के पास स्थित मुचलिंद सरोवर को विकसित और सौंदर्यीकृत करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि गया सिर्फ राज्य ही नहीं बल्कि पूरे देश और दुनिया के लिए ऐतिहासिक और पौराणिक स्थल है। गया शहर को सभी लोग "गयाजी" के नाम से संबोधित करते हैं। गया शहर को विभिन्न शहरों से बेहतर कनेक्टिविटी दी गई है ताकि लोगों को यहां आने में सहूलियत हो। पटना जिले के पुनपुन में भी पिंडदानियों के लिए सभी प्रकार की व्यवस्था रखें। समीक्षा बैठक के दौरान जनप्रतिनिधियों ने भी पितृपक्ष मेला की तैयारियों को लेकर अपने-अपने सुझाव दिए। मुख्यमंत्री को जिलाधिकारी डॉ0 त्यागराजन एस0एम0 ने प्रतीक चिह्न भेंटकर स्वागत किया। समीक्षा बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, वित्त, वाणिज्यकर एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, जल संसाधन सह सूचना एवं जन-संपर्क मंत्री श्री संजय कुमार झा, कृषि मंत्री श्री कुमार सर्वजीत, सहकारिता मंत्री श्री सुरेंद्र प्रसाद यादव, सांसद श्री विजय कुमार, सांसद श्री चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी, विधायक श्री प्रेम कुमार, विधायक श्री विनय कुमार, विधान पार्षद श्रीमती कुमुद वर्मा, विधान पार्षद श्री अफाक अहमद खान, विधान पार्षद श्री कुमार नागेंद्र सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, मुख्य सचिव श्री आमिर सुबहानी, पुलिस महानिदेशक श्री आर0एस0 भट्टी, गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव सह मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ0 एस0 सिद्धार्थ, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री ब्रजेश मेहरोत्रा, जल संसाधन एवं लघु जल संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री चौतन्य प्रसाद, पथ निर्माण सह स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत, नगर विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री अरुणीश चावला, सामान्य प्रशासन विभाग के प्रधान सचिव डॉ0 बी0 राजेन्दर, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग सह ऊर्जा विभाग के प्रधान सचिव श्री संजीव हंस, ग्रामीण विकास विभाग के सचिव श्री एन0 सरवन कुमार, कृषि सह परिवहन विभाग के सचिव श्री संजय कुमार अग्रवाल, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार, पर्यटन विभाग के सचिव श्री अभय कुमार सिंह, भवन निर्माण विभाग के सचिव श्री कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, मगध प्रमंडल के आयुक्त श्री मयंक बड़बड़े, मगध प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक श्री क्षत्रनील सिंह, गया के जिलाधिकारी डॉ0 त्यागराजन एस0एम0, गया के वरीय पुलिस अधीक्षक श्री आशीष भारती सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने महाबोधि मंदिर में भगवान बुद्ध और बोधिवृक्ष की पूजा-अर्चना कर राज्य की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने बोधगया टेंपल मैनेजमेंट कमिटी (बी0टी0एम0सी0) के कार्यालय के नवनिर्मित भवन का फीता काटकर एवं शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया। इस दौरान बौद्ध धर्मगुरु परम पावन दलाई लामा के वीडियो संदेश को भी दिखाया गया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, वित्त, वाणिज्य कर एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, जल संसाधन सह सूचना एवं जन-संपर्क मंत्री श्री संजय कुमार झा, कृषि मंत्री श्री कुमार सर्वजीत, सहकारिता मंत्री श्री सुरेंद्र प्रसाद यादव, विधान पार्षद श्रीमती कुमुद वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, मुख्य सचिव श्री आमिर सुबहानी, पुलिस महानिदेशक श्री आर0एस0 भट्टी, गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव सह मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ0 एस0 सिद्धार्थ, राज्य एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री ब्रजेश मेहरोत्रा, जल संसाधन एवं लघु जल संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री चैतन्य प्रसाद, पथ निर्माण सह स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत, नगर विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री अरुणीश चावला, सामान्य प्रशासन विभाग के प्रधान सचिव डॉ0 बी0 राजेन्दर, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग सह ऊर्जा विभाग के प्रधान सचिव श्री संजीव हंस, ग्रामीण विकास विभाग के सचिव श्री एन0 सरवन कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार, पर्यटन विभाग के सचिव श्री अभय कुमार सिंह, भवन निर्माण विभाग के सचिव श्री कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, मगध प्रमंडल के आयुक्त श्री मयंक बरबरे, मगध प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक श्री क्षत्रनील सिंह, गया जिला के जिलाधिकारी डॉ0 त्यागराजन एस0एम0, गया के वरीय पुलिस अधीक्षक श्री आशीष भारती सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे। पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस जगह को गयाजी नाम से लोग जानते हैं। यहां पर काफी तादाद में लोग पिंडदान करने आते हैं। यहां पर पहुंचने को लेकर कई रास्तों का निर्माण कराया गया है। यहां पर कुछ काम बचे हुऐ हैं, उसे भी पूरा करवा रहे हैं। निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद यहां आने वाले लोगों को और सुविधा होगी। हम चाहते हैं कि यहां पर जितने लोग आते हैं उससे और ज्यादा लोग यहां पर आयें। इसी को लेकर हमलोग यहां पर सुविधा उपलब्ध करवा रहें हैं। यहां पर जो काम हो रहा है उसे देखने के लिए हमलोग यहां आये हैं। पितृपक्ष मेला शुरु होने वाला है, उसकी तैयारी को देखने हमलोग यहां आये हैं। ●

होमी भाभा कैंसर अस्पताल का मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

● अमित कुमार

मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने 14 सितम्बर को मुजफ्फरपुर के एस0के0एम0सी0एच0 परिसर स्थित होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र में बुद्धा ऑपरेशन थियेटर कॉम्प्लेक्स का फीता काटकर उद्घाटन किया। उद्घाटन के पश्चात् मुख्यमंत्री ने ऑपरेशन थियेटर, आई0सी0यू0 आदि का निरीक्षण किया और मरीजों को दी जानेवाली स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के क्रम में अधिकारियों को निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां पर चिकित्सकों, अस्पतालकर्मियों और भर्ती मरीजों को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं हो, इसका विशेष ख्याल रखें। उन्होंने कहा कि लोगों को चिकित्सा के लिए अब मजबूरी में बिहार से बाहर जाने की जरूरत नहीं है इसको ध्यान में रखते हुए पूरे बिहार में इस दिशा में तेजी से काम हो रहा है। यहां पर किसी प्रकार की समस्या हो तो उसका तेजी से निराकरण करें। यहां बहुत अच्छा काम हुआ है। मुख्यमंत्री ने अस्पताल में इलाजरत श्रीमती सुनीता देवी को बेहतर इलाज के लिए मुख्यमंत्री चिकित्सा राहत कोष से 5 लाख रुपये की सहायता राशि दी।

मुख्यमंत्री ने होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र मुजफ्फरपुर में नर्सिंग छात्रावास के शिलापट्ट अनावरण कर शिलान्यास किया एवं रिमोट के माध्यम से विभिन्न योजनाओं का उद्घाटन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां पर भर्ती मरीजों को हर प्रकार की सुविधा मिले, चिकित्सकों एवं अस्पतालकर्मियों के आवासन की बेहतर सुविधा उपलब्ध हो, इसके लिए राज्य सरकार हर संभव मदद करने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री ने होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र मुजफ्फरपुर में निर्माणाधीन सेंटर फॉर कैंसर एपिडिमियोलॉजी यूनिट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री प्रत्यय अमृत ने निर्माणाधीन एपिडिमियोलॉजी यूनिट की उपयोगिता एवं यहां मरीजों को दी जानेवाली स्वास्थ्य संबंधी सुविधा के संबंध में मुख्यमंत्री को विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस कैंसर एपिडिमियोलॉजी यूनिट को बंकरनुमा बनाया जा रहा है जिसकी दीवारें काफी मोटी हैं ताकि कैंसर पीड़ित मरीजों को दी जानेवाली थेरेपी का दुष्प्रभाव बाहर न पड़े। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि इसका निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा के अंदर पूर्ण कराएं। आज नर्सिंग छात्रावास का भी शिलान्यास किया गया है, उसका भी निर्माण कार्य शीघ्र शुरू कराएं ताकि वह जल्द-से-जल्द बनकर तैयार हो जाए। यहां आवासीत छात्रों को हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध हो, इसको ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य कराएं। इसके पश्चात् पत्रकारों से बातचीत करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां जो भी निर्माण कार्य चल रहा है वह इस साल के अंत तक पूरा हो जाएगा। अब इलाज के लिए लोगों को बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मेडिकल कॉलेज का भी विस्तार करेंगे, यहां बेडों की संख्या बढ़ाकर 2500 की जाएगी। यहां पर सारा काम सोच-विचार कर किया जा रहा है ताकि लोगों को सुविधा मिले। पहले भी आकर हम यहां का सारा काम देख चुके हैं। जब काम पूर्ण हो जाएगा तब फिर आकर हम इसे देखेंगे। हो सके तो आपलोग भी यहां पर हो रहे विकास कार्यों के बारे में लोगों को बताइए। राज्य में स्वास्थ्य के क्षेत्र में काफी बेहतर काम हो रहा है, इसके बारे में भी लोगों को बतायें। मरीजों को बेहतर इलाज के लिए मुख्यमंत्री चिकित्सा राहत कोष से मदद दी जाती है ताकि गरीब-गुरबा तबकों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो। मुजफ्फरपुर के गायघाट में नाव हादसे को लेकर पूछे गए पत्रकारों के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह घटना बहुत ही दु:खद है। राहत एवं बचाव कार्य को लेकर हमने जिलाधिकारी को निर्देश दिया है। पीड़ित परिवार को हरसंभव मदद दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र में संचालित मॉडुलर हॉस्पिटल का भी निरीक्षण

किया। निरीक्षण के क्रम में मुख्यमंत्री ने वहां इलाजरत मरीजों से मिल रही चिकित्सा सुविधा के संबंध में जानकारी ली। शिशु गहन चिकित्सा इकाई सह अनुसंधान केंद्र के विभिन्न वार्डों का मुआयना कर मुख्यमंत्री ने इलाजरत बच्चों से बातचीत की और उन्हें मिल रही सुविधाओं एवं उनके स्वास्थ्य के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। शिशु गहन चिकित्सा इकाई सह अनुसंधान केंद्र के चौथे तल्ले पर अवस्थित सेमिनार हॉल में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों एवं चिकित्सकों के साथ समीक्षा बैठक की। समीक्षा के क्रम में होमी भाभा कैंसर अस्पताल मुजफ्फरपुर की प्रोग्रेस रिपोर्ट का प्रस्तुतीकरण मुख्यमंत्री के समक्ष दिया गया। प्रस्तुतीकरण में होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र की चहारदीवारी, मॉड्यूलर हॉस्पिटल, ओ0पी0डी0, कीमोथेरेपी, आई0पी0डी0, सर्जिकल सर्विसेज, पेशेंट कंसल्टेशन, मिलनेवाली विभागीय सहायता सहित अन्य उपलब्ध सुविधाओं का एवं मरीजों को दी जानेवाली चिकित्सा के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। प्रस्तुतीकरण के दौरान स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत ने मुख्यमंत्री को बताया कि होमी भाभा कैंसर अस्पताल द्वारा बिहार के सभी 38 जिलों में 9 लाख लोगों की कैंसर स्क्रीनिंग कराई जा चुकी है। बिहार में विभिन्न जगहों पर कैंसर पीड़ित मरीजों को इलाज की सुविधा दी जा रही है। कहीं भी कैंसर पीड़ित मरीजों को दो घंटे की दूरी के अंदर इलाज शुरू करने की सुविधा मुहैया कराई जा रही है ताकि ससमय उनका इलाज शुरू हो सके। सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में निरंतर कैंसर के प्रति अवेयरनेस प्रोग्राम चलाया जा रहा है। कैंसर स्क्रीनिंग का फायदा यह होता है कि इससे दो तिहाई कैंसर मरीज शुरुआती दौर में ही डिटेक्ट हो जाते हैं जिससे उनके इलाज में आसानी होती है। मुजफ्फरपुर के 50 किलोमीटर के एरिया में रहनेवाले एडवांस कैंसर से पीड़ित मरीजों के घर पर इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। समीक्षा के क्रम में अधिकारियों को निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां काम बेहतर ढंग से हो तथा मरीजों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो, इसका विशेष ख्याल रखें। निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा के अंदर पूर्ण हो, इस दिशा में तेजी से काम कराएं। राज्य सरकार की तरफ से हर प्रकार की मदद दी जाएगी। यहां चिकित्सकों के रहने के लिए आवासन एवं वाहन का इंतजाम हो, इसके लिए जितनी राशि की जरूरत होगी राज्य सरकार देगी। होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, मुजफ्फरपुर की चहारदीवारी का निर्माण कार्य ठीक ढंग से करवाएं ताकि कोई असामाजिक तत्व गड़बड़ी न कर सके। यहां लोग सुगमता पूर्वक आवागमन कर सकें इसके लिए रास्ते को ठीक रखें। उन्होंने कहा कि हमलोग वर्ष 2006 से सभी सरकारी अस्पतालों में मरीजों के लिए निःशुल्क दवा उपलब्ध करा रहे हैं। यहां बहुत अच्छा काम हो रहा है।

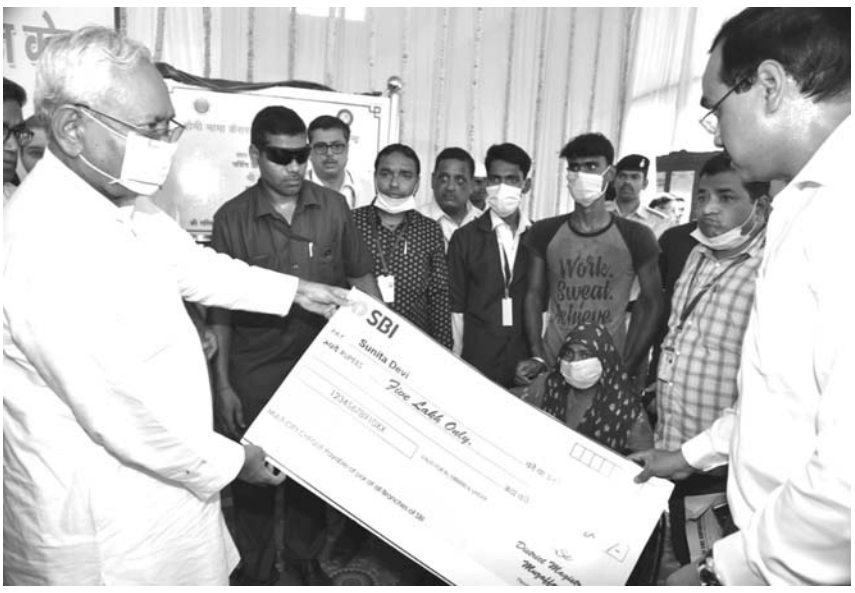

मुख्यमंत्री को स्मृति चिह्न एवं अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विधायक श्री पंकज कुमार मिश्रा, विधायक श्री मुन्ना यादव, विधायक श्री अमर पासवान, विधान पार्षद श्री दिनेश सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार, तिरहुत प्रमंडल के आयुक्त श्री गोपाल मीणा, बी0एम0एस0आई0सी0एल0 के प्रबंध निदेशक श्री दिनेश कुमार, जिलाधिकारी मुजफ्फरपुर श्री प्रणव कुमार, प्रभारी वरीय पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरपुर श्री अरविंद प्रताप सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति, होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र मुजफ्फरपुर के प्रबंधकगण, चिकित्सकगण, अस्पतालकर्मी एवं अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।●

15 साल एक द्वीप पर फंसे रहे गुलाम लोगों की दर्दनाक कहानी

जो बचाने आया, वो अचंभित रह गया

● कमल

इंसानी प्रकृति के बारे में हमारी मान्यता के कारण हम में से अधिकतर का जवाब होगा. वे लोग जिन्दा रहने के लिए एक दूसरे को मार खाएंगे. लेकिन जैसा अधिकतर होता है. असलियत कल्पना से ज्यादा रहस्यमई होती है. आज आपको सुनाएंगे कहानी उन बेनाम लोगों की. जिन्हें गुलाम बनाया गया. और फिर एक द्वीप पर ले जाकर छोड़ दिया. इस वादे के साथ की कि उन्हें लेने आएंगे. लेकिन कोई नहीं आया. 15 साल तक ये लोग एक द्वीप में फंसे रहे. ये द्वीप बाकी द्वीपों की तरह नहीं था कि कंद मूल से काम चला लें. महज डेढ़ किलोमीटर के इलाके में बसे इस द्वीप में एक भी पेड़ नहीं था. कैसे फंसे ये लोग इस द्वीप में. क्या इनमें से कोई बच पाया. अगर हां तो कैसे और कैसे सामने आई इन लोगों की कहानी. चलिए जानते हैं.

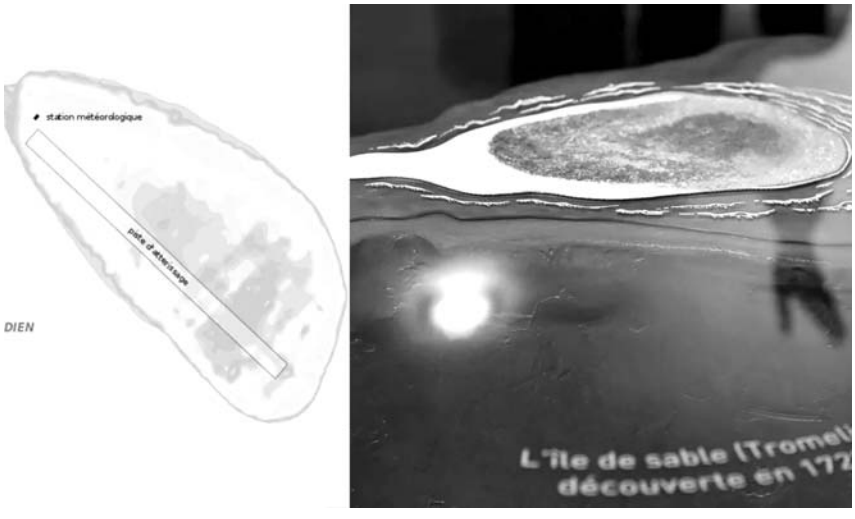

कहानी शुरू होती है साल 1776 से. वो साल जब अमेरिका आजाद हुआ. लेकिन इंसानों का एक समूह इस देश में अभी भी गुलाम था. ये अश्वेत अफ्रीकी लोग थे. जिन्हें अगले कई दशक गुलामी में जीने पड़े. गुलामों का व्यापार अफ्रीका से होता था. अमेरिका के साथ-साथ ब्रिटेन, पुर्तगाल, फ्रांस डच सब इस व्यापार में शामिल थे. फ्रांस में उस दौर में एक नाविक रहता था, बार्थलेमे कस्तालान डु वरने. वरने की जिंदगी आराम से चल रही थी. लेकिन एक चिंता उसे खाए जाती थी. एक राज उसके सीने में दफन था. कई साल पहले उसने अफ्रीका से कुछ लोगों को गुलाम बनाकर खरीदा था. और अब वो लोग एक द्वीप पर फंसे थे. वरने अपनी जान बचाकर निकल आया था. लेकिन जाते हुए उसने उनसे वादा किया था कि वो लौटकर आएगा. इस बात को 15 साल बीत चुके थे. और ये भी पक्का नहीं था कि वो लोग बचे होंगे या नहीं. बचना मुश्किल था लेकिन फिर वादा वादा था. वरने ने एक फ्रेंच जहाज के कप्तान से इल्तिजा की. बहुत मिन्नतों के बाद कप्तान राजी हुआ. और उसने फ्रांस से हिन्द महासागर की ओर एक यात्रा शुरू की . वो कप्तान उस द्वीप पर पहुंचा. वहां उसने जो देखा, वो किसी को भी अचंभे में डालने के लिए काफी था. कप्तान ने क्या देखा, उससे पहले कहानी में थोड़ा पीछे चलते हैं. नक्शे पर नजर डालिए. भारत से दक्षिण पश्चिम दिशा में भारतीय महासागर में एक द्वीप है. उत्तरी अफ्रीका के देश मेडागास्कर से कुछ 480 किलोमीटर दूर इस द्वीप का नाम है ट्रोमेलिन आइलैंड. फ्रांस का इस पर कब्जा है लेकिन मॉरिशस भी अपना हक जताता है. द्वीप की लंबाई कुल डेढ़ किलोमीटर और चौड़ाई करीब 800 मीटर. समंदर के पानी से मात्र 7 मीटर ऊपर उसकी जमीन है. और जमीन के नाम पर बस बालू ही बालू है. पूरे द्वीप में हरियाली के नाम पर एक भी पेड़ नहीं है. एक मौसम विज्ञान केंद्र बना हुआ है. और इसके अलावा इस द्वीप पर इंसानों के जाने का कोई मतलब नहीं है. इसके बावजूद साल 1761 में इस द्वीप पर लोगों का आगमन हुआ. फ्रांस का एक जहाज मेडागास्कर से मॉरिशस जा रहा था. मेडागास्कर और मॉरीशस, दोनों तब फ्रेंच कॉलोनी का हिस्सा थे. और इन दोनों इलाकों के बीच गुलामों का व्यापार चलता था. उटील नाम के इस जहाज में गुलाम भरकर ले जाए जा रहे थे. शिप के कप्तान का नाम था ज्यां डे ला फार्ग. कप्तान को गुलामों के व्यापार की इजाजत नहीं थी. इसके बावजूद पैसे के लालच में उसने मेडागास्कर से 160 लोगों को गुलाम के तौर पर खरीदा और शिप में भर दिया. मॉरिशस के रास्ते में ट्रोमेलिन द्वीप के पास कप्तान और कुछ लोगों के बीच नक्शे को लेकर बहस शुरू हो गई. रात का वक्त था. हबड़-तबड़ में जहाज द्वीप के किनारे जा टकराया और डूबने लगा. शिप में गुलाम बनाकर ले जाए जा रहे 80 लोग वहीं डूब गए. बाकी बचे लोग किसी तरह द्वीप के किनारे पहुंचे. इनमें बच्चे और औरतें शामिल थे. कई लोग भी तैरकर द्वीप के किनारे पहुंच गए थे. उन लोगों ने जहाज से जितना सामान हो सकता था, बचाया. जहाज का कप्तान ज्यां डे ला फार्ग इस घटना के शॉक में था. इसलिए एक दूसरे आदमी ने कमान संभाली. ये बार्थलेमे डु वरने था. उसने सबसे पहले दो कैंप बनाए. एक जहाज के क्रू, यानी गोरे लोगों के लिए और दूसरा गुलामों के लिए. उन्होंने एक कुआं खोदा ताकि पानी पीने का इंतजाम हो सके. जहाज से बचा हुआ खाना सब में बांटा गया. अगले तीन महीनों तक वे लोग उसी द्वीप में रहे. जब हालत बहुत खराब हो गई तो नए कप्तान ने एक आईडिया आया. उसने जहाज की बची हुई लकड़ियों से एक नाव तैयार करवाई.

☞ **80 लोग एक द्वीप पर इंतजार करते रहे** :- सितंबर 1761 में इन नई नावों में 122 फ्रांसीसी ट्रोमेलिन द्वीप से मॉरीशस के लिए रवाना हो गए. जबकि 80 गुलाम वहीं द्वीप पर छोड़ दिए गए. जाते हुए कप्तान ने इन लोगों से वादा किया कि वो उन्हें ले जाने के लिए वापस आएगा. 4 दिन समुद्र में तैरने के बाद डू वरने की नाव मॉरीशस पहुंची. उसने वहां के गवर्नर से मुलाकात की. और उससे इल्तिजा की कि ट्रोमेलिन द्वीप पर

फंसे लोगों को बचाने के लिए एक जहाज भेजे. लेकिन गवर्नर ने साफ इंकार कर दिया. गवर्नर को लोगों से ज्यादा इस बात की चिंता थी कि उसकी इजाजत के बिना गुलामों को व्यापार के लिए क्यों ले जाया गया. डु वरने ने बार-बार कोशिश की लेकिन गवर्नर नहीं माना. इसके बाद उसने पेरिस तक बात पहुंचाई. लेकिन वहां से भी कोई मदद नहीं मिली. फ्रांस से मदद न मिलने का एक खास कारण था.

फ्रांस और ब्रिटेन इस समय एक युद्ध में उलझे थे. जिसे 7 ईयर वॉर के नाम से जाना जाता है. फ्रांस हार रहा था. साथ ही उसका खजाना खाली होता जा रहा था. इसलिए फ्रेंच अधिकारियों ने कोई मदद देने से इंकार कर दिया. युद्ध के बाद ये मामला दुबारा उठाया गया. लेकिन तब भी बात नहीं बनी. अंततः साल 1772 में फ्रेंच अधिकारियों को होश आया. हालांकि फिर भी द्वीप तक जहाज भेजने में 3 साल और लग गए. 1775 में दो लोग एक छोटी सी नाव लेकर द्वीप तक पहुंचे. उनमें से एक वहीं द्वीप पर रुक गया. जबकि दूसरे ने वापिस जाकर बताया कि द्वीप पर लोग अभी भी जिंदा हैं. इसके बाद दो और नावों ने द्वीप पर जाने की कोशिश की. लेकिन तूफान के कारण दोनों बार मिशन फेल हो गया. अंततः 1776 में जाक डी ट्रोमेलिन नाम का एक जहाजी अपना जहाज लेकर द्वीप तक गया. इसी ट्रोमेलिन के नाम पर इस द्वीप का नाम पड़ा. ट्रोमेलिन जब द्वीप पर गया. वहां सिर्फ आठ लोग जिन्दा थे. 7 औरतें और एक आठ साल का बच्चा. हैरत की बात ये नहीं थी कि बाकी लोग नहीं बच पाए. सवाल ये था कि वो 7 महिलाएं इन 15 सालों में कैसे जिन्दा रही. ये लोग कभी अपने घर से बाहर नहीं निकले थे. फिर भी इंसानी जिजीविषा से उन्होंने जीने का रास्ता खोज निकाला.

☞ **कैसे बचे ये लोग?** :- 1761 में जब फ्रेंच

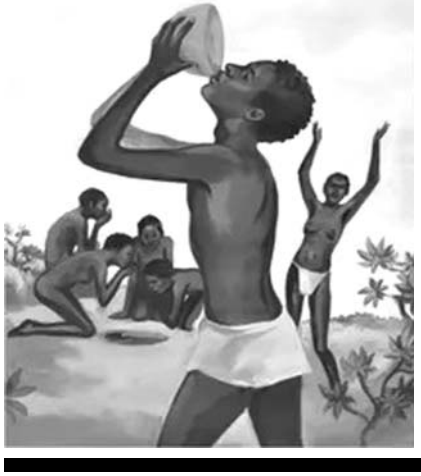

लोगों ने गुलामों को द्वीप पर अकेला छोड़ दिया था. उस दिन से लेकर अगले 15 साल तक इन लोगों ने सिर्फ एक बात का ख्याल रखा. उन्होंने कभी उस आग को बुझने नहीं दिया. जिसे उन्होंने बड़ी मेहनत से जलाया था. इस द्वीप पर एक भी पेड़ नहीं था. इसलिए वे लोग नाव की टूटी लड़कियों का इस्तेमाल आग जलाने के लिए करते रहे. खाने के लिए उन्होंने समुद्री केकड़े, मछली आदि का सहारा लिया. इस दौरान कई ऐसे मौके आए, जब उन लोगों में से कुछ ने द्वीप छोड़ने की कोशिश की. अकेले छोड़े जाने के दो साल बाद 18 लोगों का एक समूह नाव बनाकर समंदर की यात्रा पर निकला. उनका क्या हुआ, कभी किसी को पता नहीं चला. संभव था कि बाकी लोगों की कहानी भी कभी सामने नहीं आती. लेकिन फिर साल 2006 में एक फ्रेंच शोधकर्ता ने इस कहानी में इंटरेस्ट लिया. और अपनी टीम को लेकर उसने द्वीप पर खुदाई शुरू की. खुदाई से कई बातें सामने आई. मसलन उन लोगों ने पानी के लिए एक पांच मीटर गहरा कुआं खोदा था. एक किचन बनाया हुआ था. इसके अलावा जमीन खोदकर बालू के पत्थरों की दीवार बनाई हुई थी. छोटे-छोटे क्वार्टर बने थे. जिनमें वे लोग रात को सोते थे. बर्तन के रूप में इस्तेमाल करने के लिए उन्होंने कांसे की 6 कटोरियां बनाई हुई थी. जिन्हें देखकर पता चलता था कि उनकी बार-बार मरम्मत की गई थी. इनके अलावा उन लोगों के पास 15 चम्मचें थीं. द्वीप पर खुदाई के दौरान दो कब्रें भी मिली. जिनके परीक्षण से पता चला कि वे समुद्री पक्षी और कछुवे मारकर खाते थे. शोधकर्ताओं के अनुसार हो सकता है कि कुछ सालों बाद उन्हें समझ आ गया हो कि उन्हें कोई बचाने आने वाला नहीं है. इसलिए उन्होंने वहीं अपना समुदाय बनाया और मिल बांटकर काम किया. इस तरह वे लोग कई सालों तक जिन्दा रह पाए. इन सालों में कई लोग बीमारी से मारे भी गए. लेकिन इनमें से अधिकतर लोगों की कब्रें नहीं ढूंढी जा सकी. शोधकर्ताओं को शक हुआ कि कहीं वे नरभक्षी तो नहीं हो गए थे.

☞ **नरभक्षी?** :- जवाब था नहीं. 1950 तक ट्रोमेलिन द्वीप को लेकर एक कहानी चलती थी. बहुत साल पहले ओलिवर ला बूज नाम का एक समुद्री डाकू था. जिसे पकड़कर फांसी दे दी गई थी. ला बूज ने मरने से एक पहले एक क्रिप्टोग्राम पीछे छोड़ा था. जिसमें माना जाता था उसके खजाने का नक्शा छिपा है. शोधकर्ताओं ने पाया कि 1950 में जब इस द्वीप पर मौसम केंद्र बनाया गया. लोगों ने खजाने के लालच में इस द्वीप को खोद डाला था. जिसके कारण द्वीप पर मारे गए लोगों की कब्रें बर्बाद हो गई थी. जो मारे गए थे, उनका कुछ पता नहीं चला. लेकिन जो 7 औरतें जिन्दा बचीं. उनकी कहानी कुछ फ्रेंच खोजकर्ता सामने लेकर आए. 1776 में रेस्क्यू किए जाने के बाद उन सात महिलाओं और एक बच्चे को मॉरीशस लाया गया. इस समय तक मॉरीशस का गवर्नर बदल चुका था. उसने उन सभी महिलाओं को गुलामी से आजादी दे दी. और एक फ्रेंच अधिकारी ने तो एक औरत और उसके बच्चे को अपने घर में आसरा भी दिया. हालांकि गुलामों का व्यापार आगे भी जारी रहा. 1795 में फ्रेंच क्रांति के बाद फ्रांस के संविधान में गुलामी को गैर कानूनी करार दे दिया गया. लेकिन फिर जल्द ही सत्ता नेपोलियन के हाथ आ गई. और उसने फ्रेंच कॉलोनियों, खासकर अफ्रीका में गुलामी को दोबारा शुरू कर दिया. इसके बाद गुलामी को पूरी तरह खत्म होने में लगभग 50 साल का वक्त लगा. 1848 में फ्रांस ने एक कानून पास कर गुलामी को हमेशा के लिए गैर कानूनी घोषित कर दिया. इसी के साथ.. ●

ग्रैंड ट्रंक रोड असल में कितनी पुरानी है?

● कमल

दिल्ली में शासन करने वाले अनेक शासकों में से एक का नाम था शेर शाह सूरी. शेर शाह सूरी ने सिर्फ 5 साल तक दिल्ली पर शासन किया. लेकिन फिर भी शेर शाह सूरी का नाम पूरा हिंदुस्तान जानता है. दो कारण रहे. एक अदना सा मुगल सैनिक इतना ताकतवर हो गया कि उसने हुमायूं की फौज को हरा दिया. इतना ही नहीं हुमायूं को दिल्ली छोड़कर भागने पर मजबूर होना पड़ा. दूसरा कारण – शेर शाह सूरी ने एक रोड का निर्माण कराया. जिसे हम ग्रैंड ट्रंक रोड के नाम से जानते हैं . लेकिन ये कोई ऐसी वैसी रोड नहीं थी. इस रोड के चलते एक विशाल साम्राज्य को एक सूत्र में पिरोया जा सका. और इसी रोड के कारण 1857 की क्रांति के दौरान अंग्रेज दिल्ली में विद्रोह की आग को बुझा पाए. क्या है ग्रैंड ट्रंक रोड की कहानी. चलिए जानते हैं. जिसे हम ग्रैंड ट्रंक रोड के नाम से जानते हैं. इसका नाम हमेशा से ये नहीं था. समय समय पर इसे अलग अलग नामों से बुलाया गया. मसलन उत्तरापथ, सड़क-ए-आजम, बादशाही सड़क, जरनैली रोड. नक्शे में देखेंगे तो ग्रैंड ट्रंक रोड, अफगानिस्तान में काबुल से लेकर बांग्लादेश में चटगांव तक जाती है. और बीच में उत्तर भारत के कई बड़े शहरों से होकर गुजरती है. जिनमें एक राजधानी दिल्ली है. ये पूरी रोड लगभग 2400 किलोमीटर लम्बी है. बचपन से हम पढ़ते आए कि ग्रैंड ट्रंक रोड का निर्माण शेर शाह सूरी ने किया था. बात सही है लेकिन टेक्निकली इसमें कुछ पेंच हैं. मसलन शेर शाह सूरी के वक्त में इसका नाम ग्रैंड ट्रंक रोड नहीं था. और ऐसा भी नहीं था कि शेर शाह से पहले कोई रास्ता नहीं था. बल्कि ये रास्ता ईसा से भी पहले से मौजूद था. कौटिल्य के लिखे से पता चलता है कि मौर्यकाल में उत्तरा पथ नाम का एक रास्ता हुआ करता था. जो उत्तरी भारत को क्रॉस करता था. वहीं एक दूसरा रास्ता था दक्षिणा पथ. जो दक्षिण में वर्तमान महाराष्ट्र तक जाता था. दोनों रास्ते सारनाथ में मिलते थे. जिसके कारण उस समय में सारनाथ एक महत्वपूर्ण नगर के रूप में विकसित हुआ. बौद्ध और पौराणिक ग्रंथों में जिक्र मिलता है कि उत्तरा पथ का इस्तेमाल विशेष रूप से घोड़ों के व्यापार के लिए किया जाता था. और आगे चलकर ये सिल्क रूट का हिस्सा भी बना. उत्तर में खैबर दर्रे को पार कर आने वाले व्यापारी और यात्री इसी मार्ग का इस्तेमाल किया करते थे. मेसोपोटामिया, और यूनान से व्यापार भी इसी रास्ते होता था. मौर्य काल में यूनान का एक राजदूत मेगस्थनीज चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में आया था. मेगस्थनीज ने अपने लिखे में उत्तरापथ का जिक्र किया है. वो लिखता है, ष्ये मार्ग आठ चरणों में बना हुआ है. तक्षशिला से सिंधु तक. वहां से झेलम तक. आगे सतलज तक और सतलज से यमुना तक' मेगस्थनीज के लिखे में आगे इस रास्ते के कन्नौज, प्रयागराज और पाटलिपुत्र तक जाने का जिक्र है. मेगस्थनीज ने लिखा है कि ये पूरा रास्ता नदियों के किनारे बना था और अधिकतर व्यापार के लिए इस्तेमाल होता था. मेगस्थनीज के अलावा सांची के बौद्ध स्तूपों में कस्सापागोला नाम के एक बौद्ध मुनि का जिक्र है, जिसने इसी रास्ते का इस्तेमाल किया था ताकि हिमालय के क्षेत्र में बौद्ध धर्म का प्रचार कर सके. मौर्य काल के बाद अब चलते है सीधे 16 वीं सदी में.

शेर शाह सूरी का राज साल 1540 में शुरू हुआ. 1539 और 40 में शेर शाह सूरी और हुमायूं के बीच दो युद्ध हुए. जिसमें हारकर हुमायूं

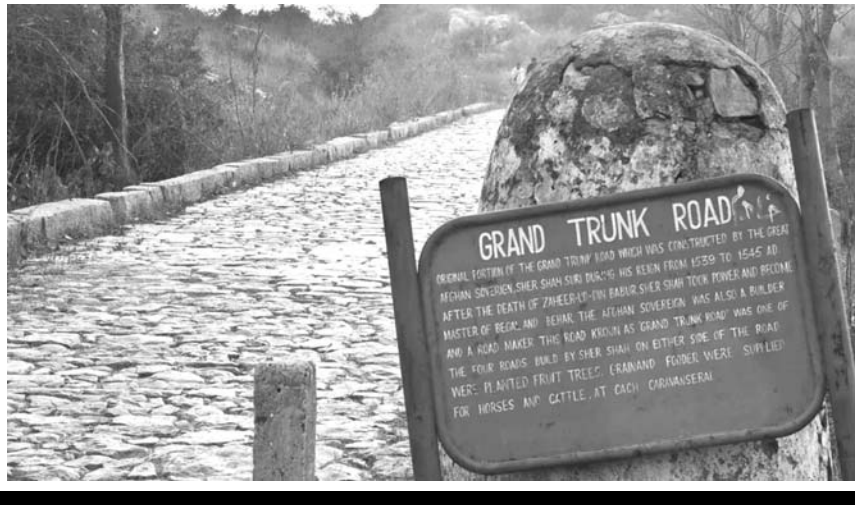

को भागना पड़ा. इसके बाद शेर शाह सूरी ने हिंदुस्तान पर अपनी पकड़ मजबूत करनी शुरू की. इसी उद्देश्य के चलते उन्होंने सड़कों का निर्माण शुरू किया. इन सड़कों के निर्माण के पीछे मुख्य उद्देश्य ये था कि सेना आराम से ट्रेवल कर सके. लेकिन धीरे धीरे ये पूरा रास्ता, जिसे शेर शाह सूरी के वक्त में सड़क-ए-आजम कहा जाता था, व्यापार का एक सुलभ साधन बन गया. शेर शाह सूरी ने इस रास्ते को पक्का करवाया. लेकिन ऐसा नहीं था कि पूरा रास्ता उन्होंने ही बनाया हो. बकायदा लोकल सामंत भी अपने एरिया में सड़क बनाते थे. लेकिन शेर शाह सूरी को विशेष क्रेडिट इसलिए जाता है क्योंकि उनके समय में ये रास्ता लोजिस्टिक्स और कम्युनिकेशन का ऐसा बेजोड़ सिस्टम बना, जिसकी उस वक्त में दूसरी मिसाल नहीं मिलती. शेर शाह सूरी के समय में इस सड़क को पक्का किया गया. यात्रा के लिए जगह जगह पर सराय बनाए गए. दिल्ली में ये जितने सराय आप सुनते हैं. कालू सराय, बेर सराय, सराय काले खां, ये सब ग्रांट ट्रंक रोड और उससे जुड़ी सड़कों पर ही बनाए गए थे. इन सराय में न सिर्फ रहने का इंतजाम था. बल्कि मुफ्त खाना भी मिलता था. शेख रिजोउल्लाह मुश्तकी अपनी किताब -वकियत -ए- मुश्तकी' में लिखते हैं, 'शेर शाह ने हर दिन 500 तोले सोने की रकम तय की हुई थी, जिसे बेचकर भूखे लोगों के लिए खाने का इंतजाम किया जाता था' इतना ही नहीं. इस रोड के आसपास हर आठ कदम पर एक पेड़ लगाया गया. ताकि खाने के लिए फलों और छाया का इंतजाम हो सके. साथ ही सड़क के किनारे कुएं खुदवाए गए. ताकि यात्रियों के लिए पानी का बंदोबस्त हो जाए. तो क्या शेर शाह ने ये सब महज परोपकार के लिए किया था? जवाब है नहीं. शेर शाह सूरी को एक काबिल बादशाह माना जाता था. ग्रैंड ट्रंक रोड के जरिए उन्होंने छोटे-छोटे कस्बों तक पहुंच बनाई. इसके दो फायदे होते थे. एक ये कि शाही फरमान आसानी और तेजी ने पहुंचाया जा सकता था. और टैक्स कल्केशन का दायरा बढ़ जाता था. एक तीसरा फायदा और था. रोड के किनारे जो सराय बने हुए थे. उनमें रुकने वाले यात्रियों की लिस्ट बादशाह के पास भेजी जाती थी. जिससे वो किसी भी संभावित विद्रोह या जासूसी या बाहरी आक्रमण पर नजर रख सकता था. हर सराय की देखभाल के लिए एक विशेष आदमी नियुक्त किया जाता था. और हर रुकने वाले को उनके ओहदे के हिसाब से सरकारी सुविधा मिलती थी. ग्रांट ट्रंक रोड का एक मुख्य उद्देश्य कम्युनिकेशन सिस्टम को पक्का करना भी था. हर सराय अपने आप में एक डाक पोस्ट हुआ करता था. जिसमें हर समय दो घुड़सवार हरकारे मौजूद रहते थे. एक सराय से संदेश आता और हरकारा तुरंत उसे लेकर दूसरे सराय की ओर रवाना हो जाता. इस तरह आप चटगांव से लेकर काबुल तक संदेश भेज सकते थे. और वो भी कुछ ही दिनों में. इस दौर में दुनिया में और जगह

भी रोड नेटवर्क बनाए गए थे. बाकायदा रोमन साम्राज्य के समय से सड़कों का इस्तेमाल होता आया था. लेकिन ग्रैंड ट्रंक रोड जैसा उन्नत सिस्टम कहीं और नहीं था.

शेर शाह सूरी ने ये मजबूत सड़क तो बनाई लेकिन दिल्ली पर वो महज 5 साल राज कर पाए. इसके 10 साल बाद सूरी वंश का खात्मा हो गया. और हुमायूं ने एक बार फिर दिल्ली हथिया ली. मुगल बादशाहों ने इस सड़क का बखूबी इस्तेमाल किया. उनके समय में इसे बादशाही सड़क के नाम से जाना जाता था. मुगल काल में इस रोड के किनारे कोस मीनारें बनाई गई. ये मीनारें हर 3 किलोमीटर की दूरी पर बनाई जाती थीं. हालांकि इनका निर्माण शेरशाह के वक्त में ही शुरू हो गया था. लेकिन मुगल बादशाह अकबर के वक्त इनकी संख्या में काफी इजाफा हुआ. जहांगीर के समय तक ग्रैंड ट्रंक रोड के किनारे 600 कोस मीनारें बनाई जा चुकी थीं. इनके अलावा मुगल काल में सराय भी और भव्य बनाए गए. बाकायदा सराय ऐसे बनाए गए जिनमें बादशाह के रहने के लिए कमरा बना होता था. और पूरे ठाठ बाट का इंतजाम होता था.

मुगलों के बाद आया अंग्रेजों का काल. इस दौर तक एक खास बात जो देखने में आई थी वो ये थी कि ग्रैंड ट्रंक रोड के आसपास के इलाके काफी तेजी से फले फूले थे. इनका विकास बाकी इलाकों से ज्यादा तेजी से हुआ था. जिसका एक मुख्य कारण था, रोड के आसपास ट्रेड को बढ़ावा मिलना. इसलिए जब अंग्रेज आए तो उन्होंने अपने फायदे के लिए इस रोड को पक्का करवाने का काम शुरू किया. ब्रिटिश रिकार्ड्स के अनुसार तब हर एक मील को पक्का करने पर 1000 पौंड रकम का खर्चा आया था. बाकायदा जिसे हम च्ॅक के नाम से जानते हैं. यानी पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट, उसकी शुरुआत अंग्रेजों ने इसी सड़क के निर्माण और रख रखाव के लिए की थी.

अंग्रेजों के जमाने में ही इस रोड को ग्रैंड ट्रंक रोड का नाम दिया गया था. और ये उनके बड़े काम की भी साबित हुई. खासकर 1857 के सन्दर्भ में देखें तो दिल्ली में विद्रोह को तेजी से दबाने में इसी सड़क का हाथ रहा था. 1856 में अंग्रेजों ने अंबाला से करनाल तक रोड को पक्का कर लिया था. दिल्ली में जब विद्रोह शुरू हुआ. अम्बाला छावनी से फौज तुरंत दिल्ली पहुंची और विद्रोह व्यापक होने से पहले ही खत्म कर दिया गया. वर्तमान समय की बात करें तो ग्रैंड ट्रंक रोड दुनिया में एक खास मुकाम रखती है क्योंकि ये दुनिया की सबसे पुरानी सड़क है जो चार देशों की राजधानी को आपस में जोड़ती है. भारत में ये NH 19 और NH 44 का हिस्सा है. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ये एशियन हाईवे 1 का हिस्सा है. जो एशिया का सबसे लम्बा हाईवे है और जापान से भारत, ईरान, तुर्की होते हुए पुर्तगाल तक जाता है. ●

गाड़ी चलाते समय मोबाइल प्रयोग है वर्जित : हरीश

जिसके इरादे बुलंद हो,जिसके कार्य में ईमानदारी एवं कर्मठता झलकता हो, जो 24 घंटे आवाम की सुरक्षा के लिए जगता हो,जो अपराधियो के लिए काल हो वैसे ही आईपीएस समाज में विशिष्ट स्थान पाने में सफल होते है।ऐसे ही एक शख्स आज सुर्खियों में है जो अपने सेवा के अल्प काल में ही लोगो का विश्वास और पुलिस की विश्वसनीयता बनाते आ रहे है वह नाम है 2017 बैच के आईपीएस हरीश बिन जमा का। अपने पहली पोस्टिंग से ही चर्चा में रहे आईपीएस हरीश को राजधानी के यातायात और ग्रामीण एसपी की जवाबदेही दी गई है और अपने सेवा के अल्प काल में ही राजधानी वासियों के दिल में स्थान बना लिए हैं। नित्य नए प्रयोग से रांची का यातायात को सुगम बनाना हो या स्वयं रात्रि गश्ती के माध्यम से अपराधियो में खौफ हरीश अपनी जवबदेही बखूबी निभाते है। हमारे पत्रिका प्रतिनिधि **श्रीधर पाण्डेय** ने रांची के यातायात एसपी आईपीएस **हरीश बिन जमा** से खास मुलाकात की जिसके संपादित कुछ अंश :-

★ आप कहाँ के मुल निवासी हैं और शिक्षा दीक्षा कहाँ तक हुई है?

मैं झारखंड के गोड्डा जिले का मुल निवासी हूँ। मेरी शिक्षा दीक्षा राँची डीपीएस से हुई है उसके बाद मैंने बीटेक भुवनेश्वर से किया और कुछ समय कॉर्पोरेट में जॉब किया लेकिन यूपीएससी का सपना हर युवाओं का होता है जो मेरे सर पर भी था और पहले प्रयास में मुझे आईआरएस मिला और उसके बाद आईपीएस मिला और आज राजधानी रांची के यातायात एसपी और ग्रामीण एसपी का भी प्रभार के रूप में कार्य देख रहा हूँ।

★ बतौर ट्रैफिक एसपी आपकी प्राथमिकता क्या है?

हमारा जो शहर है आप देखेंगे जिस अनुपात में गाडियां बढ़ी है, आबादी बढ़ी है उस अनुपात में सड़के नहीं बन पाई है। किसी भी ट्रैफिक संचालन के लिए दो पहलू होता हैं एक तो ट्रैफिक जाम की समस्या दूर किया जाए और दुसरी सड़क सुरक्षा ताकि किसी तरह की कोई दुर्घटना न हो, इन दोनों ही क्षेत्र मे बेहतरीन देने की हमारी प्राथमिकता है।

★ बतौर आईपीएस कहाँ कहाँ योगदान दिया और कैसा अनुभव रहा?

हमारी जिला ट्रेनिंग चाईबासा जिले में हुई, वह काफी नक्सल प्रभावित जिलों की श्रेणी में आता है,वहाँ नक्सल पॉइंट ऑफ व्यू से काफी एक्सपोजर मिला, हमलोग जंगलों में जाकर रात रात भर ऑपरेशन किया वह एक अलग तरह का अनुभव था। उसके बाद बतौर एएसपी के रूप में गिरिडीह जिले में पोस्टिंग हुई जहां अलग तरह की समस्याएं थीं। गिरिडीह में नक्सल के साथ साथ लॉ एंड ऑर्डर की समस्याएं, अवैध खनन को कन्ट्रोल करना था उसके बाद राँची के यातायात एसपी के रूप योगदान दिया हूँ और यहां के ट्रैफिक संचालन में अपनी बेहतर देने की कोशिश में जुट गया हूँ।

★ वर्तमान समय में बढ़ती दुर्घटना के लिए मोबाइल को कितना जिम्मेदार मानते है आप?

देखिए गाड़ी चलाते समय कोई भी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का प्रयोग वर्जित है ऐसा नियम में भी है और व्यवहारिक रूप से भी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का प्रयोग करने से माइंड डाइवर्ट हो जाता है जिससे दुर्घटना के चांस बढ़ जाते है। अक्सर लोग गाड़ी चलाते समय मोबाइल का प्रयोग करते है जो काफी गलत है, आज प्रयोग कर रहे है कुछ घटना नहीं घटित हुई तो उनका मनोबल बढ़ जाता है लेकिन एक दिन निश्चित घटना होगी ये श्योर है इसलिए किसी भी सुरत में मोबाइल का प्रयोग वाहनों को चलाते समय न करें।

★ राजधानी राँची में बढ़ते जाम से निजात दिलाने के लिए किस तरह की व्यवस्था की जा रहीं है?

इसके लिए एक बेहतरीन रोड मैप तैयार किया जा रहा है। रांची में जहां जहां भी प्रमुख चौक चौराहे है वहाँ पर हमलोग क्या क्या इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलप कर सकते है जैसे कि सड़कों को थोड़ा सा चौड़ा कर देना,जो बिजली के पोल या टेलीफोन के पोल अनावश्यक रूप से लगे है उन्हें हटाना हो, ट्रैफिक बूथ गलत जगह पर हो उन्हें हटाना हो, हमारे कर्मियों की संख्या बढ़ाना हो, टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल के लिए एक्सपर्ट लोगों को रखना हो इस दिशा में कार्य हो रहा है । राँची में मेरे आने से पहले सिर्फ एक चीज रेड लाइट तोड़ने पर ऑनलाइन चालान होता था लेकिन अब रेड लाइट, ओवर स्पीड, विदाउट हेल्मेट,गलत साइड ड्राइविंग पर ऑनलाइन चालान कट जाता है।आपको लगता है कि गलत जा रहे है तो कोई देख नहीं रहा है लेकिन कैमरा की नजर में आप हैं। इसके साथ साथ ट्रैफिक जागरुकता का भी कार्य किया जाता है, स्कूली बच्चे को भी जागरुकता सिखाया जाता है ताकि स्वत: लोग ट्रैफिक नियमों का पालन करे जिससे दुर्घटना को कम किया जा सके। हमारे कर्मियों के पास 118 बॉडी कैमरा है जिसके माध्यम से कोई कर्मी भी आपसे गलत नहीं कर सकेगा या आप उसपर गलत आरोप लगाएंगे तो आपकी गलती पकड़ी जाएगी। दूसरा हेल्मेट डिस्ट्रिब्यूशन का काम कर लोगों को जागरूक किया जाता रहा है। हमारे ऑफिस में ही सीसीटीवी कैमरा लगा हुआ है जहाँ से पूरे शहर का फुटेज देख सकते है। राँची के ट्रैफिक संचालन को बेहतरीन बनाने के लिए कुछ प्लान और है जिसमें नगर निगम, रोड कंस्ट्रक्शन, बरसात के समय कुछ दिक्कत आती है सिविल वर्क्स चल रहा है उसके लिए मीटिंग हुई है

सम्बन्धित विभागों से। सड़को पर कुछ गड्ढ़े नगर निगम के है तो कुछ रोड कंस्ट्रक्शन के तो वही शहर में तीन नए फ्लाइओवर का निर्माण कार्य प्रगति पर है उनके साथ मीटिंग कर वैकल्पिक व्यवस्था के साथ पीक टाइम्स में स्कूल बस, रूट चेंज, वर्क इन प्रोग्रेस बहुत सी चीजें बाकी है। सभी प्रमुख चौक चौराहे पर सुबह 8 बजे से रात्रि 8 9 बजे तक पूरी मुस्तैद के साथ खड़ी रहती है।

★ पुलिस पब्लिक के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध से भी ट्रैफिक कंट्रोल में कुछ मदद मिल सकती है और पुलिस के प्रति लोगों को विश्वास भी बढ़ेगा इस पर आपकी क्या राय है?

देखिए मेरा मानना है कि पुलिसिंग चौम्बर में बैठ कर नहीं किया जा सकता है। हमारा प्रयास रहता है कि पब्लिक से समन्वय स्थापित करते हुए कार्य करें जिसमें कई बार सफलता भी मिली हैं। कई बार जागरुकता के माध्यम से जैसे कि आने वाले इस तारीख से ओवर स्पीड का चालान कटेगा जिससे लोगों में भय हो जाता है और गाड़ी स्पीड लिमिट में चलाते है। स्कूलों और कॉलेज के माध्यम से भी मैसेज दिलाने का प्रयास किया जाता है कोई व्यक्ति अपनी समस्या लेकर आता है उसकी समस्या अगर सही है तो उसका त्वरित निष्पादन किया जाता है जिससे उसके मन में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ता है। हमलोग अपने स्तर से नियम की जानकारी हर व्यक्ति तक पहुंचाने की कोशिश करते है।

★ ऑनलाइन चालान में कई खामियां बिहार या अन्य राज्यों में भी देखने को मिलती है यहाँ क्या स्थिति है?

बिहार या अन्य राज्यों का तो मुझे पता नहीं लेकिन कभी कभी हमारे यहाँ भी गलत नंबर का चालान कट जाता है उसके लिए हमारा कैमरा दोषी नहीं है। 2019 के बाद जो भी गाडियां आ रहीं है उसमें हाई सिक्युरिटी नंबर लगाया जा रहा है जो कि बेहतर होता है, उसको तो हमारा कैमरा ठीक से जांच कर लेता है लेकिन वो गाडियां जिनके पुराने नंबर प्लेट है उनको डिटेक्ट करने में दिक्कत हो जाती है ये एक समस्या हो सकती है उसको दूर करने के लिए आवेदन के माध्यम से सूचना दे। फुटेज निकाल कर देखा जाता है कि वाकई यह चलाना गलत है कि नहीं, अगर गलत होता है तो उसे निरस्त करने का निर्देश दिया जाता है।

★ कोई खास प्रयोग जिसकी वजह से राँची जाम से मुक्ति मिल सके और राजधानीवासियों के दिल मे सदैव आप स्थान बना सके और वहाँ की जनता से क्या अपील करेगे।

राँची शहर के बारे में बात करना चाहूँगा यह शहर हम सबका है, विकासशील शहर है आनेवाले समय मे ट्रैफिक समस्या से निजात मिल जाएगी। नियम हमेशा किसी के डर से नहीं स्वतः सुरक्षा के लिए भी पालन करना चाहिए। राज्य के लिए जनता सर्वोपरि है और उसकी सुरक्षा के लिए ही कानून बनाए गए है ताकि उन्हें किसी तरह कोई दिक्कत न हो। गलत साइड से कभी जल्दी घर नहीं जाए क्योंकि कभी बच गए है तो कभी एक्सीडेंट भी हो जाएगा, जाम की समस्या बढ़ जाएगी, बिना हेल्मेट बिना सीट बेल्ट गाड़ी कभी न चलाए। राँची के सभी लोग से विनती है नियम का पालन करे और पुलिस का सहयोग करे ताकि आपको हमलोग और बेहतर दे सके। **(नोट :- हरीश बिन जमा जी का तबादला हो गया है, यह साक्षात्कार तबादले से पूर्व का है।)**

ई-लॉटरी के माध्यम से किया गया आवास आवंटित

● **गुड्डी साव**

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तृतीय घटक लाइट हाउस प्रोजेक्ट के अंतर्गत आनि मौजा पंचमुखी मंदिर धुर्वा में 1008 आवासों का आवंटन दिनांक 19 ,07, 2022 एवं 10, 12, 2022 को ई लॉटरी के माध्यम से दो चरणों में किया गया था, तीसरे चरण में दिनांक 25, 08, 2023 को ई लॉटरी के माध्यम से आवास आवंटित किया गया ,जिसमें सुयोग्य पाए गए 46 आवेदकों की सूची में उपस्थित 42 आवेदकों को आवास आवंटन प्रशासक रांची नगर निगम श्री अमित कुमार भा० प्र ० से० की अध्यक्षता में संपन्न किया गया। सरकार द्वारा लॉटरी के लिए निहित प्रावधानों के अंतर्गत आवास आवंटन के लिए लॉटरी कार्यक्रम में लाभुकों की उपस्थिति अनिवार्य की गई लॉटरी की प्रक्रिया 25, 08, 2023 को ऑनलाइन माध्यम से की गई, जिसकी वीडियो फुटेज लाभुकों को लाइव दिखाई जा रही थी, सर्वप्रथम ई लॉटरी प्रक्रिया में उपस्थित लाभुकों के नाम को randomize किया गया, फिर फ्लैट संख्याओं को randomize किया गया, फिर दोनों सूची प्रक्रिया में पारदर्शिता के मद्देनजर लाभुकों के बीच से 05 लाभुक प्रतिनिधित्व का चयन किया गया ,जो की पूरी प्रक्रिया का अनुश्रवण कर रहे थे, लॉटरी प्रक्रिया में कुल 42 सुयोग्य लाभुक उपस्थित हुए, सभी को आवासों का

आवंटन किया गया मौके पर प्रशासक श्री अमित कुमार के द्वारा सभी लाभुको को बधाई देते हुए कहा गया कि प्रगतिशील लाइट हाउस प्रोजेक्ट का कार्य लगभग 90% पूर्ण हो चुका है, शेष चरण का कार्य में गति लाई गई है ताकि सभी लाभुकों को जल्द से जल्द अपने सपनों का आशियाना मिल जाए उन्होंने कहा लॉटरी के माध्यम से सभी का सपना पूरा हो रहा है ,निगम का उद्देश्य न केवल घर दिलाना है बल्कि उसमें सारी बुनियादी सुविधाएं लैस हो यह सुनिश्चित करना है, उनके द्वारा यह भी कहा गया कि आवास आवंटन के पश्चात लाभुकों के स्तर से जो भी कार्य किए जाने हैं ,उसे निर्धारित समय सीमा के अंदर पूर्ण कर ले, मौके पर अपर प्रशासक श्री कुंवर सिंह पाहन द्वारा कहा गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तृतीय घटक लाइट हाउस प्रोजेक्ट के तहत उन वर्गों के लोगों को लाभ दिया जा रहा है ,जिसके पास पक्का मकान नहीं है यह एक हर्ष का विषय है।●

पुलिस को अपने व्यवहारों से जनता का भरोसा जितना होगा : रित्विक

बुलंद हौसलों के धनी, मजबूत इरादे, अपराध पर नकेल कसने के लिए कृत संकल्पित और जनता के विश्वास में सदैव खड़े उतरने वाले 2021 बैच के आईपीएस सहायक पुलिस अधीक्षक नामकुम **रित्विक श्रीवास्तव** से हमारे पत्रिका प्रतिनिधि **श्रीधर पाण्डेय** और **ओम प्रकाश** ने खास मुलाकात की जिसके संपादित कुछ अंश :-

बातचीत के क्रम में युवा आईपीएस रित्विक श्रीवास्तव ने बताया कि वह मुल रूप से बोकारो से तालुक रखते है। जहाँ इनके पिता राजीव कुमार श्रीवास्तव बोकारो स्टील प्लांट के एचआरपीएफ में मुख्य महाप्रबंधक के रूप में कार्यरत रहते हुए सेवा निवृत्त हुए जबकि माँ सुनीता गृहणी हैं। प्राथमिक शिक्षा डीपीएस बोकारो से हुई उसके उपरान्त वर्ष 2012 में इन्होंने 12वीं की परीक्षा प्रथम श्रेणी में पास कर आईआईटी कानपुर में दाखिला लिया जहां बीटेक और एमटेक किया। गौरतलब हो कि अपनी उच्च शिक्षा के उपरान्त आईपीएस रित्विक ने एक मल्टीनेशनल कंपनी में काम शुरू कर दिया लेकिन मन में यूपीएससी या फिर प्रोफेसर की सपना बहुत पहले से ही जागृत हो रहीं थीं इसलिए काम छोड़ते हुए यूपीएससी की तैयारी शुरू की और कड़ी मेहनत करते हुए पहली बार में ही यूपीएससी क्वालीफाई कर भारतीय पुलिस सेवा में चयन हो गया और होम कैडर के रूप में झारखंड सरकार में सेवा का मौका मिला जहाँ राँची जिले के नामकुम थाने में ट्रेनिंग चल रहीं है।

रित्विक आगे बताते है कि यूपीएससी की तैयारी करने वाले छात्र अपने लक्ष्य पर अडिग रहे, औसतन 8 से 10 घण्टे पढ़ाई करे, सरकारी परीक्षाओं में प्रतिद्वंदता तो है ही एक सीट के लिए कई हजारों की संख्या में प्रतिभागी भाग लेते है इसलिए टेंशन लेने की जरुरत नहीं हैं। आप कुछ आंकड़ों पर गौर करेंगे तो देखेंगे कि दिल्ली जैसे बड़े शहरों में पिटी भी जिनका फाइनल नहीं निकलता तो काफी लोग अवसाद में चले जाते है या आत्महत्या जैसे कदम उठा लेते है जो कहीं से भी सही नहीं हैं। देखिए मेरे सुझाव है कि आज भारत जिस मुकाम पर है उसमें यूपीएससी एकमात्र रास्ता नहीं है, इसके अलावे भी कई रास्ते है जिसके माध्यम से अपने जीविकोपार्जन के साथ साथ राष्ट्र निर्माण में लोग अपनी योगदान दे सकते है। मैं कई ऐसे लोगों को जानता हूँ जिन्होंने जी तोड़ मेहनत की, आखिरी समय तक लगे रहे लेकिन यूपीएससी की परीक्षाओं में सफलता हासिल नहीं कर पाए, उन्होंने दूसरा काम शुरू किया और आज 5-6 साल के अंदर ही अच्छे मुकाम पर है। इसलिए यूपीएससी ही सबकुछ है ऐसा नहीं सोचना चाहिए लेकिन इतना जरूर तय है कि यूपीएससी की तैयारी में लक्ष्य पर फोकस कर भी जिन्होंने सफलता नहीं पाई वह भी जीवन में हमेशा सफल रहेंगे और दूसरे क्षेत्र मे महती भूमिका निभाएंगे। दिगर बात यह है कि राष्ट्रीय पुलिस अकादमी की ट्रेनिंग और क्षेत्र मे काम करने का अनुभव के मुद्दे पर 2021 बैच के युवा आईपीएस रित्विक श्रीवास्तव बताते है क्षेत्र मे काम करना काफी रोमांचक होता है और ज्यादा से ज्यादा चीजों को सीखने को मिलता है जबकि एनपीए की ट्रेनिंग फिजिकल और अनुशासन सिखाता है। दोनों का अलग स्थान है और दोनों ही बेहद जरूरी है। एनपीए की ट्रेनिंग सुबह 5 बजे दिन से शुरू होकर शाम 7 से 8 बजे तक खत्म हो जाता है इसलिए ज्यादा प्रेशर नहीं रहता जबकि क्षेत्र मे केस का प्रेशर, तरह तरह की समस्याएं और उसका त्वरित निष्पादन कर जनता के प्रति पुलिस का विश्वास जितना होता हैं।

पुलिस के लाख प्रयासों के बावजूद भी पब्लिक के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित नहीं हो पा रहा है के मुद्दे पर नए और युवा आईपीएस श्री श्रीवास्तव बताते है कि विगत कुछ वर्षो में पुलिस की विश्वसनीयता बढ़ी है, कहीं नाकामी भी हो जाती है जिससे जनता में नाराजगी हो जाती है। पुलिस विभाग की जड़ थाना है और यहाँ से पब्लिक जब तक संतुष्ट होकर नहीं जाएगी तो उसकी पुलिस के प्रति विश्वसनीयता आसानी से नहीं बढ़ पाएगी। पुलिस को अपने व्यवहारों से जनता का भरोसा जितना होगा। बच्चे को पुलिस के बीच कार्यक्रम कर उनके मन में पुलिस के प्रति अच्छी व्यवहार और कानून की जानकारी देनी चाहिए। अपने थाना क्षेत्र मे हमेशा पुलिस कर्मी को चुस्त-दुरुस्त रहते हुए लॉ एंड ऑर्डर मेंटेन करना चाहिए ताकि पुलिस के कार्यो मे गुणात्मक वृद्धि हो सके। केवल सच पत्रिका के माध्यम से मैं लोगों से अपील करना चाहूँगा कि पुलिस का सहयोग सदैव करे। वह आपकी सेवा में तत्पर हैं। पुलिस भी आपके परिवार का हिस्सा है और उसके कोई भी सूचना त्वरित रूप से आप देंगे तो उन समस्याओं का समाधान बहुत जल्द होगा। कम्यूनिटी पुलिसिंग के दम पर सामाजिक सौहार्द और भयमुक्त समाज बनेगा। ● **(नोट :- रित्विक श्रीवास्तव जी का तबादला हो गया है, यह भेंटवार्ता तबादले से पूर्व का है।)**

कोई भी काम दृढ़ इच्छाशक्ति से करने पर सफलता की गारंटी : दिनेश

आईएएस की प्रतिष्ठा का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है यह हर युवाओं के सपना,चाहत एव उम्मीद के पंख कोई नई उड़ान देता है। हर साल लाखों परीक्षार्थी यूपीएससी की सपना संजोए परीक्षा में बैठते है लेकिन सिर्फ उसमे प्वाइंट में ही सफल हो पाते है जिनका जोश जुनून और आत्मविश्वास लबरेज रहता है जो विपरीत परिस्थिति में भी अपने लक्ष्य से भटक नहीं पाते। यूपीएससी में सफल विद्यार्थियों का इतिहास बेहतर शानदार रहता है क्योंकि एक साथ कई ऐसे व्यक्तित्व भी सफल होते है जिन्होंने ऐसे अभाव से स्वयं को उठाया होता है जहां सारे लोग सपने देखना भी छोड़ चुके होते हैं, वह आज नए कृतिमान स्थापित कर रहे है। आज हम एक ऐसे ही युवा आईएएस की चर्चा करेंगे जो अल्प समय में सेवा करके लोगों के बीच काफी लोकप्रिय हो रहे है वह नाम है 2018 बैच के आईएएस दिनेश यादव का। हमारे पत्रिका प्रतिनिधि **श्रीधर पाण्डेय** ने रांची के डीडीसी **दिनेश यादव** से खास मुलाकात कर विभिन्न मुद्दों पर वार्ता किया जिसके संपादित कुछ अंश:-

मूल रूप से राजस्थान से आने वाले 2018 बैच के आईएएस दिनेश कुमार यादव बताते है कि पिता जी एयर फोर्स में थे जिसकी वजह उनकी प्रारम्भिक शिक्षा बहुत जगहों से सम्पन्न हुई और उसके बाद उच्च शिक्षा के लिए 2014 में एनआईटी सुरत से इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में किया। यह मेरा तीसरा प्रयास था। आईएएस दिनेश आगे बताते हैं कि झारखंड की प्रशानिक व्यवस्था अच्छी है। बतौर आईएएस झारखंड सरकार में सीखने और कार्य करने का मौके अच्छा है। अभी भी यहाँ ग्रामीण क्षेत्र मे लोगों में जागरूकता का अभाव है फिर भी प्रशासन हर तरीके से लोगों को जागरूक और उनकी विकास के लिए सजग है। मेरी प्राथमिकता यही है कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रहीं जन कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन सही ढंग से हो, इसके लिए मैं लगातार फिल्ड विजिट करता हूँ, रांची का क्षेत्र बड़ा है और ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता का अभाव ,जिसके लिए जागरुकता शिविर के माध्यम से लोगों को योजनाओं का लाभ और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए त्वरित प्रयास किया जाता है। हमलोग जनता और जन प्रतिनिधि दोनों के माध्यम से भी जागरुकता अभियान चलाते रहते है। गांवों और पंचायतों में जाने से बहुत सारी तरह की समस्याएं और जरूरतमंदो की आभाव दोनों की जानकारी नोट कर उन पर त्वरित कार्य शुरू हो जाता है।

गौरतलब हो कि लबासना की ट्रेनिंग और फिल्ड का कार्य दोनों अलग है। ट्रेनिंग में अलग अलग कैडरों के ऑफिसर से मिलना, तरह तरह की चीजें सीखना यहाँ के विचारो के आदान प्रदान और वरीय अधिकारियों के अनुभव से क्षेत्र मे काम करना होता है। जो चीजें काम करने से सीखने को मिलती है वह किताबों में कहाँ है। भारत युवाओं का देश और युवाओं के मुद्दे पर दिनेश यादव बताते है कि कोई भी काम दृढ़ इच्छाशक्ति से करने पर सफलता की गारंटी बढ़ जाती है। आज वैश्विक स्तर पर प्राइवेटाइजेशन को बढावा मिल रहा है सरकार का रोल कम होते जा रहा है, तरह तरह के स्कोप खुल रहे है, सरकार में रहकर और इसके आलावा भी अनेकों कार्य है जहां से यूथ आपने कैरियर को आगे बढ़ाए, बहुत सारे स्कोप बढ़े है। रांची की जनता से अपील करना चाहूँगा कि अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहे, किस प्रकार से बेहतर किया जा सकता है इसका सुझाव भी जिला में पदाधिकारियों को दे और केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रहीं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ स्वयं भी ले और जिन्हें जरुरत है उनको भी दिलाने में मदद करे। अपने अधिकारों को जानिए और अपने अधिकारियों से मिलकर क्षेत्र विकास में मदद करते हुए राष्ट्र निर्माण में अपनी महती भूमिका निभाए ।

झारखण्ड की डुमरी विधानसभा पर बेबी देवी का कब्जा

झारखंड की डुमरी विधानसभा सीट पर उपचुनाव के नतीजे आ चुके हैं ,जहां जेएमएम प्रत्याशी बेबी देबी ने आजसू की यशोदा देवी को करीब 17000 वोटो से शिकस्त दी है ,जिसके बाद अब कार्यकर्ता जश्न के रंग में नजर आ रही है ,दरअसल इस बार का उपचुनाव कई मायनो में ऐतिहासिक रहा है ,क्योंकि ऐसा पहली बार हुआ है कि जब दो महिला उम्मीदवार मैदान में डटी थी ,और दोनों के बीच कांटे की टक्कर थी और वैसे भी इस उपचुनाव में सारे राजनीतिक बंदे कन्फ्यूज दिखाई दे रहे थे, आखिरी तक किसी को पता नहीं चल पा रहा था की जीत का ताज किसके सर सजेगा, झारखंड के पूर्व शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के निधन के बाद यह सीट खाली हुई थी, जिसके बाद पांच सितंबर को डुमरी विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए मतदान हुआ था ,जिसके नतीजे शुक्रवार 8 सितंबर को आए थे ,जिसमें जेएमएम प्रत्याशी बेबी देवी ने जीत हासिल कर ली है, बेबी देवी के इस जीत के साथ ही एनडीए को भी बड़ा झटका लगा है क्योंकि एनडीए ने भी आजसू की प्रत्याशी यशोदा देवी के लिए पूरे दम; खम के साथ प्रचार किया था, वहीं दूसरी ओर राज्य के हेमंत सोरेन सरकार के कई मंत्रियों ने अपनी पार्टी के कैंडिडेट बेबी देवी को जिताने के लिए पूरा दम खम लगाया था ,डुमरी के उपचुनाव में 6 प्रत्याशियों ने अपना भाग्य आजमाया था ,जिसमें 24 राउंड की गिनती के बाद झामुमो प्रत्याशी बेबी देवी ने 17000 से ज्यादा वोटो से बाजी मार ली है, लेकिन इस हार के साथ 2024 को लेकर एनडीए को झटका लगा है ऐसे में अब एनडीए क्या रणनीति अपनाती है यह देखने वाली बात होगी। **रिपोर्ट :-गुड्डी साव**

कई आईपीएस अधिकारियों ने लिया राजधानी राँची में प्रभार

चंदन कुमार सिन्हा बनाये गये राँची के वरीय पुलिस अधीक्षक

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची के नए एसएसपी के रूप में चंदन कुमार सिन्हा ने पदभार संभाला। आईपीएस अधिकारी चंदन कुमार सिन्हा ने 9 सितंबर को राँची के नए वरीय पुलिस अधीक्षक के पद पर योगदान दिया। पूर्व एसएसपी किशोर कौशल ने उन्हें नए एसएसपी का चार्ज सौंपा। नए एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को लेकर पुलिस हमेशा तत्पर रहेगी। शहर में बढ़ी आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाया जाएगा। इसके लिए थानेदारों को टास्क भी दिया जाएगा। ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त करने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने सभी थानेदारों को निर्देश दिया है कि वे हर दिन अपने-अपने क्षेत्र में गश्त लगाएं। उन्होने बाइक दस्ते में शामिल पुलिसकर्मियों को प्रतिदिन गली-मोहल्ले में जाने का भी निर्देश दिया है। वही रांची के ग्रामीण एसपी के रूप में मनीष टोप्पो ने पदभार लिया है। उन्होंने कहा की ग्रामीण क्षेत्रों में अपराध नियंत्रण के लिए हम टीम बनायेंगे। रांची जिला का ग्रामीण क्षेत्र खासकर वैसे क्षेत्र जहां अपराधी घटनाएं अधिक हुई हो या फिर लूट, छीनताई की घटनाएं लगातार होती रही हो, साथ ही साथ कुछ ऐसे भी क्षेत्र हैं जहां नक्सली गतिविधियां भी होती रहती है। ऐसी जगहों को चिन्हित कर उन सभी क्षेत्रों का भ्रमण करेंगे और इसके बाद अपराध नियंत्रण करने के लिए एक टीम गठित की जाएगी। जिसमें पुलिस के अलावा स्थानीय लोगों की भी मदद ली जाएगी। उन्होंने कहा कि रांची जिला का ग्रामीण क्षेत्र काफी बड़ा क्षेत्र है। इन सभी क्षेत्रों में अपराध कंट्रोल करना अपने आप में एक चैलेंज है। हालांकि पहले से बहुत कम हुआ है, जो काम बच गया है उसे पूरा करने पर पूरा फोकस रहेगा। मैं ग्रामीणों को विश्वास दिलाता हूं कि अगर उनकी कोई भी समस्या हो तो उनके द्वारा दिया गया थाना में आवेदन तुरंत लिया जाएगा और उस पर तुरंत कार्रवाई भी की जाएगी। टालमटोल करने वाले थानेदार, सिपाही सतर्क रहें नहीं तो उन पर भी कार्रवाई होगी। उन्होंने अपनी बातों को जारी रखते हुए आगे कहा कि थोड़ा समय लगेगा क्षेत्र को समझने में, पुलिस और पब्लिक के बीच में जितना ज्यादा नजदीकी हो सके उतना बेहतर होगा और साथ मिलकर काम किया जाएगा एवं आम जनों के सहयोग से ही अपराध पर नियंत्रण किया जा सकेगा। दूसरी तरफ रांची के नए सिटी एसपी के रूप में राजकुमार मेहता ने पदभार ग्रहण किया है। उन्होंने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा है कि नशाखोरी, अड्डाबाजी एवं छिनतई करने वालों को चिन्हित किया जाएगा। मैं पहले भी रांची में सिटी डीएसपी के पद पर रह चुका हूं। इसलिए कई ऐसे क्षेत्र हैं जो मेरे परिचित में है, खासकर कांटाटोली, लालपुर, कर्बला चौक, गुदरी चौक, चुटिया, कोनका रोड और हिंदपीढ़ी। सिटी एसपी बनने के बाद मेरी जिम्मेदारियां और भी बढ़ गई है। मेरा कार्य यही रहेगा कि सभी थाना क्षेत्र में जो अपराधी चिन्हित किए गए हैं या फिर जेल में है या जेल से बाहर आ गए हैं, सब की सूची तैयार की जाएगी। जमीन से जुड़े हुए लोग की सूची अलग तैयार होगी। बाकि जो अपराधी अपराधिक घटनाओं को अंजाम देते हैं, ऐसे लोगों को भी चिन्हित किया जाएगा। मेरा उद्देश्य सिर्फ यही है कि अपना शहर अमन पसंद और शांतिपूर्ण बना रहे। कोई भी अपराधिक गतिविधियां अगर होती है तो पुलिस तुरंत उसपर कार्रवाई करेगी। माहौल खराब करने वाले, अफवा फैलाने वाले या किसी भी तरह का उपद्र करने वाले को बक्शा नहीं जाएगा। उन पर कठोर से कठोर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि नशाखोरी पर किसी भी तरह का समझौता नहीं होगा। नशाखोरी जिन-जिन मोहल्ले, गली और बस्तियों में होती है, उन सभी गली मोहल्ला को चिन्हित

राजकुमार मेहता
सिटी एसपी, राँची

मनीष टोप्पो
ग्रामीण एसपी, राँची

हरीश बिन जमॉ

रित्विक श्रीवास्तव

किया जाएगा। गश्ती दल बढ़ाया जाएगा, हर गली मोहल्ले में पुलिस पहुंचेगी और छानबीन करेगी। नशाखोरी करने वाले, अड्डा बाजी करने वालों चोरी, लूट और छिनतई करने वाले की अब खैर नहीं। पुलिस हाथ धोकर उनके पीछे पड़ेगी एवं उनपर कठोर से कठोर कार्रवाई करेगी।

गौरतलब हो कि रांची के ट्रैफिक एसपी रहे हरीश बिन जमॉ को लोहरदगा का एसपी नियुक्त किया गया है। 10 सितंबर को हरीश बिन जमां रांची से लोहरदगा के लिए रवाना हुए, तभी उनके प्रशंसकों ने उन्हें सिंघम बोलते हुए कटहल मोड़ चौक पर रोक दिया। इस मौके पर कटहल मोड़ पर यातायात पोस्ट पर तैनात ट्रैफिक पुलिस सह प्रक्षेत्रीय मंत्री झारखंड पुलिस एसोसिएशन रांची के धर्मेंद्र कुमार सिंह ने तुरंत विधि व्यवस्था संभालते हुए लोहरदगा एसपी हरीश बिन जमॉ को मौके पर बुके देकर उन्हें विदाई दी। इस अवसर पर कटहल मोड़ चौक पर कई लोग एकत्रित हो गए और वहां पर सभी ने एसपी को फूलों का हार पहनाकर विदाई दी। इस मौके पर सभी लोगों ने हरीश बिन जमॉ से कहा कि आप यातायात एसपी के तौर पर जो काम किये हैं, उसे भुलाया नहीं जा सकता। आप हम लोगों को हमेशा याद आएंगे। साथ ही ग्रामीण एसपी के पद पर जब पदभार लिए थे और जिस तरह से ओरमांझी थाना क्षेत्र में एक ही परिवार के तीन लोगों की हत्या के आरोप में 9 लोगों की गिरफ्तारी कुछ घंटों में कर दिये थे, वो काबिले तारीफ है। इसके अलावा भी कई मामलों का उद्भेदन करने के लिए हरिश बिन जमॉ का आभार व्यक्त किया गया। लोगों ने यह भी कहा कि आप जैसा एसपी हमारे शहर में होना, हम लोगो के लिए गौरव की बात है। बता दें कि अपने अनोखे अंदाज एवं त्वरित मामलों का निष्पादन करने के कारण ही हरिश बिन जमॉ आम लोगों के दिलों में जल्दी ही जगह बना लिया और सभी के दिलों में छा गए। इस मौके पर समाजसेवी प्रमोद लाल, आशुतोष कुमार सिंह, अमरिंदर सिंह, प्रेम गोप, विनोद कुमार एवं तमाम व्यवसाय वर्ग व आम लोग भी उपस्थित थे।

बहरहाल, रांची के नामकुम थाना में पदस्थापित प्रशिक्षु आईपीएस रित्विक श्रीवास्तव सह थाना प्रभारी की प्रशिक्षण अवधि समाप्त हो गया। आईपीएस रित्विक श्रीवास्तव पिछले 84 दिनों से नामकुम थाना के प्रभारी थे। उनका 84 दिनों का प्रशिक्षण कार्य 9 सितंबर को समाप्त हो गया। इसके बाद नामकुम थाना में उनके विदाई समारोह का आयोजन किया गया। पदस्थापित अधिकारियों, कर्मियों एवं क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने रित्विक श्रीवास्तव को माला पहनाकर, अंगवस्त्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया। आईपीएस श्रीवास्तव ने कहा कि किसी भी नौकरी में प्रशिक्षण सबसे महत्वपूर्ण है। मुझे नामकुम थाना क्षेत्र में बेहतर माहौल में प्रशिक्षण करने का मौका मिला। नामकुम थाना के मुंशी से लेकर अधिकारियों एवं क्षेत्र की जनता तथा पत्रकारों का मुझे सहयोग मिला और बहुत कुछ सीखने का मौका भी मिला। इस मौके पर पूर्व नामकुम थाना के प्रभारी सह सोनाहातू सर्किल इंस्पेक्टर सुनील कुमार तिवारी, खरसीदाग ओपी प्रभारी सुखदेव साहा, एसआई बोयस मुंडू, एसआई रवि केशरी, एसआई धीरज सिंह, एसआई अविनाश राज, बबलू कुमार, सभी एएसआई, थाना के सभी पुलिसकर्मी, सांसद प्रतिनिधि, उपप्रमुख, जिप सदस्य, समाजसेवी गोपाल लोहिया, शमशाद आलम सहित कई लोग उपस्थित थे।

बताते चले कि राजधानी राँची में कई आईपीएस अधिकारियों का प्रोन्नति मिली तो कई ने दूसरे जिले में अपना पदभार ग्रहन किया। वही

चंदन कुमार सिन्हा
एसएसपी, राँची

चंदन कुमार सिन्हा को जब राँची के वरीय पुलिस अधीक्षक पद की जिम्मेदारी दी गई, तभी से वह अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने में जुट गये। बता दें कि राँची के चौक चौराहों पर तैनात पुलिस वाले ड्यूटी के प्रति कितने सजग रहते हैं। यह देखने-सुनने सड़क पर अचानक निकले राँची के नये एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा। टीशर्ट, पैंट और स्पोर्ट शूज पहने एसएसपी बाइक से निकले थे। हेलमेट पहने एसएसपी हर चौक-चौराहे से गुजरे पर वहां तैनात पुलिसकर्मी उन्हें पहचान न सके। इससे पहले एसएसपी ने शहर के तमाम थानेदारों और ट्रैफिक पुलिस को सुबह साढ़े 5 से साढ़े 7 तक दो पहिया वाहन की सघन चेकिंग का आदेश दिया था। लेकिन एसएसपी तब चौंक गये, जब उन्होंने देखा कि कहीं कोई चेकिंग नहीं हो रही है। केवल अल्बर्ट एक्का चौक पर कुछ पुलिस वाले एक्टिव मोड में दिखे। एसएसपी ने अलबर्ट एक्का चौक, सुजाता चौक, अरगोड़ा चौक, न्यू मार्केट चौक एवं लालपुर चौक पर चेकिंग करने को कहा था। इन इलाकों के थानेदारों और ट्रैफिक पुलिस को कारण बताओं नोटिस भेजा गया है। वहीं सुखदेव नगर, लालपुर, चुटिया एवं अरगोड़ा थानेदारों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। वहीं एसएसपी ने अल्बर्ट एक्का चौक पर बेहतर ढंग से ड्यूटी निभाने वाले कुछ पुलिसकर्मी को पुरस्कृत करने का आदेश भी दिया। इसके बाद एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने रांची जिला अंतर्गत ग्रामीण एसपी मनीष टोप्पो, सिटी एसपी राजकुमार मेहता एवं सभी जोन के डीएसपी और सभी थाना प्रभारियों के साथ परिचयात्मक बैठक की। बैठक के दौरान उन्होंने कई मुद्दों को लेकर चर्चा की। जिसमें आम जनता के साथ पुलिस का बेहतर समन्वय बनाकर काम करना, अपराध पर नियंत्रण करने का प्रयास पर जोर देना, चोरी, लूट, छिनतई, डकैती, जमीन विवाद, नशाखोरी, छेड़खानी, रेप, हत्या जैसे सभी अपराधों पर नकेल कसने और अपराधियों को कड़ी सजा दिलाने में पुलिस किसी तरह की कोई कोताही नहीं बरतेगी। इस संकल्प के साथ काम करना होगा। उन्होंने आगे कहा कि राजधानी को अपराध मुक्त माहौल देने की कोशिश सभी को मिलकर करनी होगी। इसके अलावा राजधानी की ट्रैफिक व्यवस्था को पटरी पर लाने का भरपूर प्रयास रहेगा। उन्होंने

कहा कि मौजूदा संसाधन में पुलिस और कितना बेहतर काम करेगी उस पर फोकस करने की जरूरत है। रांची पुलिस की कार्यशैली पर कोई सवाल ना उठाए इस पर भी हमें ध्यान देने की जरूरत है। आगे उन्होंने कहा कि वर्तमान के संसाधन में हम अच्छा कर सकते हैं। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा के इस कड़े रुख के बाद पुलिस महकमा अलर्ट मोड में आ गया है। एसएसपी का पदभार ग्रहण करते ही चंदन कुमार सिन्हा ने ऐलान किया था कि उनका फोकस राजधानी में बेहतर पुलिसिंग एवं बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा उनकी पहली प्राथमिकता रहेगी।●

257 संगठित अपराधकर्मियों की सूचि तैयार, होगी कार्रवाई : डीआईजी

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची के डीआईजी अनूप बिरथरे ने जानकारी देते हुए बताया कि डीजीपी के द्वारा यह निर्देश दिया गया था कि दक्षिणी छोटा नागपुर क्षेत्र के संगठित एवं शातिर अपराधकर्मियों की तीन तरह की सूची बनाई जाए, जिसमें संगठित अपराधकर्मी, अपराध कर्मियों जिनके विरुद्ध 10 से अधिक मामले दर्ज है और तीसरा वैसे अपराधियों के विरुद्ध जिनपर 5 से 10 मामले दर्ज हैं । ऐसे करीब 257 अपराध कर्मियों की सूची तैयार की गई है। दक्षिणी छोटा नागपुर क्षेत्र के रांची जिले में 107 अपराधियों , गुमला जिला में 80 , लोहरदगा जिला में 25, सिमडेगा जिला में 38 एवं खूंटी जिला में 7 अपराधकर्मी शामिल है। यानी कि कुल मिलाकर 257 अपराध कर्मियों

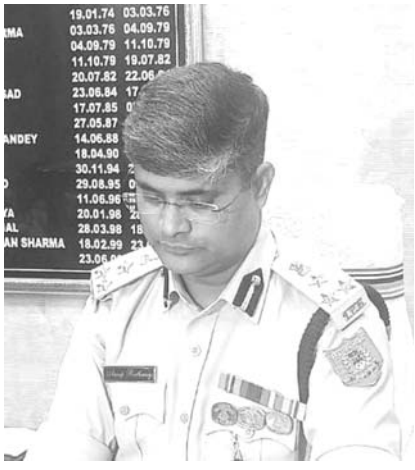

की सूची तैयार की गई है। मुख्य रूप से सोनू शर्मा ,विपिन शर्मा , सूरज कुमार ,बिट्टू खान , सूरज कुमार यादव, चंदन मिर्धा , गोलू शर्मा, कुणाल सिंह, अनिल सिंह , संदीप थापा, आदित्य सिंह , सुजीत सिंह, रिंटू सिंह, जयप्रकाश , गोलू अंकित , रंजन सिंह, राज वर्मा , अभिषेक मलिक, रोहित मुंडा , शैलेश वर्मा, रोहित चौरसिया, गेंदा सिंह उर्फ विजय सिंह, अमर सिंह, राजू गोप , छोटू सनी , प्रकाश यादव, बिट्टू मिश्रा , अमन श्रीवास्तव, फिरोज खान , विपिन शर्मा, बबलू, अभिरंजन पांडे , अमर सिंह, अली, मोनू कुमार , समीर बक्शी , हरि तिवारी, वसीम अंसारी , अफसर अंसारी , सिद्धार्थ साहू आदि शामिल है। वही गुमला से पार्थिक टोप्पो, संजय गोट, प्रकाश उरांव , मार्टिन केरकेट्टा , लोहरदगा से मनोज यादव, सज्जाद खान , मनजीत साहू , सिमडेगा से जागेश्वर सिंह , विक्रम , अरविंद , खूंटी से तिलेश्वर, दिनेश गोप, अमर गुड़िया और लखन इत्यादि शामिल है।●

जिस पेट्रोल पंप पर करता था काम, उसी को लूटने का था प्लान

● ओम प्रकाश

राँची पुलिस ने एक बड़ी वारदात होने से पहले ही अपराधी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी जिस पेट्रोल पंप पर काम करता था उसे ही लूटने की योजना बना रहा था। वह अपनी योजना में सफल भी हो जाता, लेकिन उससे पहले ही वह एंटी क्राइम चेकिंग के कारण हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया गया।सिटी एसपी राज कुमार मेहता ने प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि बीआईटी मेसरा थाना पुलिस ने एंटी क्राइम चेकिंग के दौरान एक अपराधी को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी का नाम दीपक कुमार उर्फ दीपक गंझू है और वह रामगढ़ के रजरप्पा का रहने वाला है। पुलिस ने उसके पास एक ब्लू रंग का स्प्लेंडर मोटरसाइकिल, दो मोबाइल एक एंड्राइड एवं एक कीपैड सेट और एक देसी लोडेड कट्टा तीन जिंदा कारतूस के साथ बरामद किया है। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि वह मांडर स्थित एचपी पेट्रोल पंप को लूटने की प्लानिंग कर रहा था। उसने आगे बताया कि वर्तमान में वह मांडर के उसी पेट्रोल पंप में काम कर रहा था, जिसे उसे लूटना था। सिटी एसपी राज कुमार मेहता ने बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक रांची चंदन कुमार सिन्हा के आदेश पर उन्होंने शहर में सभी थाना क्षेत्र में एंटी क्राइम चेकिंग के निर्देश दिए थे। जिसके बाद मेसरा ओपी प्रभारी सुमित कुमार

के नेतृत्व में नेवरी रिंग रोड में एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी क्रम में जब पुलिस ने एक बाइक सवार को रोकने का इशारा किया, तो बाइक सवार पुलिस को देखकर भागने लगा। जिसके बाद वहां मौजूद पुलिस के जवानों ने दौड़ा कर उस बाइक सवार युवक को दबोच लिया। इस दौरान पुलिस की टीम ने जब उस युवक की तलाशी ली तो उसके पास से एक देसी लोडेड पिस्टल के साथ कारतूस भी पाया गया। आगे की पूछताछ में गिरफ्तार दीपक ने पुलिस को बताया कि वह मांडर पेट्रोल पंप में सेल्समैन की नौकरी करता है। कम सैलरी मिलने के कारण अपना और अपने परिवार का पालन-पोषण नहीं कर पा रहा था। पेट्रोल पंप में दिनभर का सेल में काफी नगद पैसा हो जाता है। इसी कारण उसने लूट की योजना बनाई। फिलहाल पुलिस ने अपराधी दीपक कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है ।

★ छापामारी दल में शामिल पुलिस पदाधिकारी :-

☞ पु०अ०नि० सह प्रभारी मसरा ओ०पी०. पु०अ०नि० श्री सुमित कुमार सिंह

☞ स०अ०नि० संजीव सिह कुन्तिया--मेसरा ओ०पी० राँची।

☞ हवलदार-339 विनोद कुमार हाँसदा -मेसरा ओ०पी० रांची।

☞ आरक्षी-982 सम्मेलन लुगून-मेसरा ओ०पी० राँची।

☞ आरक्षी-121 राजू रविदास-जैप-04 बोकारो।

☞ आरक्षी-492 श्रीनाथ मुर्मू-जप-04 बोकारो।●

राँची पुलिस को मिली बड़ी सफलता

वारदात करने से पहले ही कर लिया गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

राँची पुलिस ने 14 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों के नाम अंबर कुमार राम, नीरज कुमार, सनी पासवान, सूरज गुप्ता, मनीष कुमार समेत कई अन्य शामिल है। रांची पुलिस को जानकारी मिली थी कि आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने में कुछ अपराधी लगे हुए हैं और किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। इस मामले की जानकारी मिलने के बाद एक टीम का गठन किया गया। इस मामले की जांच करते हुए टीम ने 14 अपराधियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अपराधियों के पास से पुलिस ने दो देशी पिस्तौल, एक देसी कट्टा, छिनतई के आठ मोबाइल और सात स्कूटी बरामद किए है। जानकारी के लिए आपको बता दे कि इनमें से गिरफ्तार एक अपराधी अंबर राम के द्वारा वीडियो रील बनाकर सदर थाना को उड़ने की धमकी भी दी गई। वीडियो की जानकारी होते ही सदर थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो ने अपनी टीम के साथ संयुक्त करवाई कर कुछ ही घंटे के अंदर अंबर राम को गिरफ्तार कर लिया।जिसके बाद अंबर राम ने अपनी गलती मानी एवं माफी मांगते हुए अपना जुर्म स्वीकार किया। फिलहाल पुलिस ने सभी अपराधियों को जेल भेज दिया है।

☆ **जानिए पूरा मामला** :- दिनांक 24.08.

2023 को सुबह में भाभा नगर रोड में हुई छिनतई घटना के उद्भेदन हेतु वरीय पुलिस अधीक्षक कौशल किशोर, राँची के निर्देशानुसार एक टीम का गठन किया गया। वरीय पुलिस अधीक्षक महोदय को गुप्त सूचना मिली कि कोकर चौक के नजदीक एक बाउण्ड्री बॉल के अंदर कुछ अपराधी एकजूट होकर गंभीर अपराध की योजना बना रहें हैं। जिसके बाद पुलिस अधीक्षक नगर शुभांशु जैन एवं पुलिस उपाधीक्षक सदर प्रभात रंजन बरवार राँची के मार्गदर्शन में सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के क्रम में बताये स्थान की घेराबंदी कर छापामारी करने पर कुल 06 (छः) अपराधकर्मी लोडेड पिस्टल एवं जिंदा कारतूस तथा चोरी की मोटर साईकिल के साथ रंगे हाथ पकड़े गये। 03 (तीन) अपराधकर्मी भागने में सफल रहें। इस संबंध में सदर थाना कांड संख्या 383/2023, दिनांक 27.08.2023, धारा 399/402/413/414 भा.द.वि. एवं 25 (1-B)/26/35 आयुध अधिनियम 1959 दर्ज किया गया है। इन अपराधकर्मियों से पूछताछ करने पर इनलोगों ने भाभा नगर रोड में हुई छिनतई की घटना के साथ-साथ अन्य कई कांडों में अपनी संलिप्तता स्वीकार किया साथ ही इनकी निशानदेही पर कुल 07 (सात) मोटरसाईकिल/स्कूटी तथा छिनतई किया हुआ कई मोबाईल फोन बरामद किया गया। इन लोगों की निशानदेही पर भाभा नगर रोड स्थित हुई छिनतई की घटना कारित करने में उपयोग किये गये स्कूटी एवं पिस्टल बरामद तथा लूटे गये रूपया एवं मोबाईल बरामद किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त शंकर राम उर्फ सोनू, अम्बर राम एवं नीरज कुमार उर्फ सब्जी के स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर छिने गये मोबाईल को 1. मो0 सब्बीर कुरैशी उम्र 23 वर्ष, पिता मो० सज्जाद कुरैशी, 2. सदब कुरैशी उम्र 23 वर्ष, पिता मुस्ताक कुरैशी, दोनो पता गढ़ाटोली शांतिनगर, थाना सदर, जिला राँची, 3. रोहित कुमार साव उम्र 22 वर्ष, पिता राजेश साव, पता साईस सिटी चिरौंधी, थाना बरियातु, जिला राँची, 4. अमित कुमार वर्मा उम्र 37 वर्ष, पिता सुबोध प्रसाद, थाना तिरील आदर्श विद्या स्कूल के नजदीक, सदर, राँची, 5. मनीष कुमार उम्र 19 वर्ष, पिता संजय कुमार सिंह, पता न्यू खटंगा, थाना खेलगॉव, जिला राँची को बेचा गया था, जिनके पास से छिने गये 05 (पाँच) मोबाईल बरामद किया गया है। इस संबंध में सदर थाना कांड संख्या 384/23, दिनांक 27.08.2023, धारा 413/414/34 भा.द. वि. अंकित किया गया है। पुनः दिनांक 27.08. 2023 को दिन में वरीय पुलिस अधीक्षक महोदय को मिली गुप्त सूचना की PHED पहाड़ पर कुछ अपराधकर्मी हथियार गोली के साथ एक जुट होकर छिपे हुयें हैं। प्राप्त सूचना का सत्यापन एवं अग्रिम कार्रवाई हेतु वरीय पुलिस अधीक्षक महोदय, राँची के द्वारा पुलिस अधीक्षक महोदय, नगर के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में वरीय पुलिस उपाधीक्षक, सदर, राँची श्री प्रभात रंजन बरवार के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई, जिसमें पुलिस निरीक्षक-सह-थाना प्रभारी, सदर श्याम किशोर महतो राँची, सदर थाना के पदाधिकारी एवं पुलिस बल एवं मेसरा ओ.पी. प्रभारी तथा खेलगॉव थाना प्रभारी को अपने बल के साथ आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया गया। उक्त टीम द्वारा PHED पहाड़ की घेराबंदी कर छापामारी करने पर 03

(तीन) अपराधकर्मी को एक पिस्टल, एक देशी कट्टा तथा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया। इस संबंध मे सदर थाना कांड संख्या 385/2023, दिनांक 27. 08.2023, धारा 25 (1-B)I/26/35 आयुध अधिनियम दर्ज किया गया है।

✯ गिरफ्तार किये गये अपराधकर्मीयों का नाम एवं पता (अपराध की योजना बनाते समय गिरफ्तार किये गये अभियुक्त, जिनमें क्र.स. 05 को छोड़कर सभी कांड संख्या 380/23 की घटना में शामिल हैं।) :-

☞ अम्बर कुमार राम उम्र करीब 24 वर्ष, पिता बाबला राम, पता कोकर बाजार, देवी मंडप के नजदीक, थाना सदर, जिला राँची

☞ नीरज कुमार उर्फ सब्जी उम्र करीब 20 वर्ष, पिता स्व0 कृष्णा सिंह, पता सरनाटोली, थाना सदर, जिला राँची

☞ सन्नी पासवान उर्फ शिवा पासवान उम्र 20 वर्ष, पिता दीपक पासवान, पता पीस रोड कैमलिक स्कूल गली में, लालपुर, थाना लालपुर, जिला राँची

☞ शंकर राम उर्फ सोनू उम्र 35, पिता स्व0 टुनू उराँव, साकिन कोकर बाजार, थाना सदर, जिला राँची

☞ साहिल सिंह उर्फ टेंजेट उर्फ दीपु उम्र करीब 22 वर्ष, पिता सुडान सिंह, पता ठेलाटोली कोकर, थाना सदर, राँची

☞ सौरभ कुमार उम्र 22 वर्ष, पिता संजय महतो, पता महावीर नगर कोकर चौक, थाना सदर, जिला राँची (छिने गये मोबाईल को खरीदने वाले अभियुक्त)

☞ मो० सब्बीर कुरैशी उम्र 23 वर्ष, पिता मो० सज्जाद कुरैशी,

☞ सदब कुरैशी उम्र 23 वर्ष, पिता मुस्ताक कुरैशी, दोनो पता गढ़ाटोली शांतिनगर, थाना सदर, जिला राँची

☞ रोहित कुमार साव उम्र 22 वर्ष, पिता राजेश साव, पता साईस सिटी चिरौंधी, थाना बरियातु, जिला राँची

☞ अमित कुमार वर्मा उम्र 37 वर्ष, पिता सुबोध प्रसाद, थाना तिरील आदर्श विद्या स्कूल के नजदीक, सदर, राँची

☞ मनीष कुमार उम्र 19 वर्ष, पिता संजय कुमार सिंह, पता न्यू खटंगा, थाना खेलगॉव, जिला राँची (अवैध आग्नेयास्त्र के साथ PHED पहाड़ पर से गिरफ्तार अभियुक्त, जिसमें क्रम संख्या)
12 एवं 13 अपराध की योजना बनाते समय भागे हुए अभियुक्त)

☞ राजा वर्मा उर्फ हर्ष वर्मा उम्र 22 वर्ष, पिता लालू राम, पता आदर्शनगर कोकर, थाना सदर, जिला राँची

☞ सन्नी कुमार उम्र 25 वर्ष, पिता महेन्द्र प्रसाद, पता तपोवन गली कोकर, थाना सदर, जिला राँची

☞ सूरज गुप्ता उम्र 26 वर्ष, पिता स्व० द्वारिका प्रसाद गुप्ता, पता गाड़ीगॉव, थाना खेलगाँव, राँची।

✯ बरामद एवं जप्त सामान की विवरणी :-

☞ 01 (एक) ऑटोमेटिक पिस्टल (मैगजीन में चार जिंदा गोली लोड) डंकम पद नै.।.

☞ 01 (एक) ऑटोमेटिक पिस्टल डंकम पद U.S.A.

☞ 01 (एक) देशी कट्टा (एक जिंदा गोली लोड)

☞ 02 (दो) जिंदा कारतूस 315 बोर का

☞ छिनतई किया हुआ मोबाईल फोन- 08 (आठ) जिसमें से 01 (एक) रेडमी कंपनी का मोबाईल अंबर राम के पास से बरामद हुआ कांड संख्या 380/23 में छिना हुआ

☞ लेनोबो कंपनी का टैब- 01 (एक)

☞ नकद 3,000/- रू० (भाभा नगर में हुई छिनतई की घटना की बरामद पैसा)

✯ बरामद एवं जप्त वाहनों की विवरणी :-

☞ HERO SPELENDER i-SMART MOTERCYCLE,
(GREY COLOUR) REG NO JH-01AH-9173 (CHASIS NO MBLJAR13388801646)

☞ PLUSER NS MOTERCYCLE (BLACK COLOUR) REG NO JH-01CS-0649 (CHASIS NO MD2A92CY4HCF24637)

☞ GLAMOUR MOTERCYCLE (BLACK & BLUE COLOUR) REG NO JH&01DY&9930 (CHASIS NO MBLJAW15ALGG15277)

☞ ROYAL ENFIELD HIMALAYAN MOTERCYCLE (BLACK COLOUR) REG NO NOT FOUND (CHASIS NO ME3D4A5F1PC002028)

☞ PULSER 125 MOTERCYCLE (BLACK & BLUE COLOUR) REG NO JH&01EZ&8944 (CHASIS NO MD2B64DXXPPK32528)

☞ HONDA DEO SCOOTY (GREY COLOUR) REG NO & JH&01CY& 795]

☞ HERO DUED SCOOTY (RED COLOUR) REG NO& JH&03V&0471 (SADAR PS CASE NO 380/2023 की घटना कारित करने में प्रयुक्त)

✯ छापामारी दल में शामिल सदस्य :-

☞ श्री प्रभात रंजन बरवार, पुलिस उपाधीक्षक, सदर, राँची

☞ श्री श्याम किशोर महतो, पुलिस निरीक्षक-सह-थाना प्रभारी, सदर, राँची

☞ पु.अ.नि. मनोज महतो, थाना प्रभारी, खेलगाँव

☞ पु.अ.नि. सुमित सिंह, प्रभारी, BIT मेसरा ओ.पी., राँची

☞ पु.अ.नि. लालजी

☞ पु.अ.नि. विनोद पासवान

☞ पु.अ.नि. संजय कुमार,

☞ पु.अ.नि. रितेश लकड़ा,

☞ पु.अ.नि. त्रिपुरारी कुमार

☞ महिला पु.अ.नि. संगीता तिग्गा

☞ स.अ.नि. सत्येन्द्र सिंह

☞ स.अ.नि. प्रभुवन कुमार

☞ आरक्षी/1586 संदीप कुमार

☞ आरक्षी/2940 प्रवीण कुमार तिवारी

☞ आरक्षी/ 63 संतोष कुमार, सभी सदर थाना, जिला राँची

☞ महिला आरक्षी/3617 अनिता कुमारी

☞ महिला आरक्षी/ 47 प्रिया पायल

☞ खेलगॉव थाना, सदर थाना एवं बीआईटी मेसरा ओ.पी. रिजर्व गार्ड

✯ गिरफ्तार अपराधकर्मी का आपराधिक

इतिहास :-

★ सन्नी पासवान उर्फ शिवा पासवान

☞ बरियातु थाना कांड संख्या 215/22, दिनांक 22.09.2022, धारा 457/380 भा.द.वि.

☞ बरियातु थाना कांड संख्या 129/22, दिनांक 21.09.2022, धारा 461/380 भा.द.वि.

☞ सदर थाना कांड संख्या 370/22, दिनांक 21.08.2022, धारा 413/414/401 भा.द.वि.

☞ लालपुर थान कांड संख्या 166/21, दिनांक 01.08.2021, धारा 379 भा.द.वि.

★ अम्बर कुमार

☞ सदर थाना कांड संख्या 182/21, दिनांक 10.04.2021, धारा 379 भा.द.वि.

☞ अरगोड़ा थाना कांड संख्या 113/21, दिनांक .2021, धारा 394 भा.द.वि.

☞ सदर थाना कांड संख्या 80/21, दिनांक 17.02.2021, धारा 307/324/326 भा.द.वि.

☞ सदर थाना कांड संख्या 206/23, दिनांक 22.04.2023, धारा 25(1-ठ)।/26/35 आयुध अधिनियम

☞ लालपुर थाना कांड संख्या 61/23, दिनांक 05.03.2023, धारा 379 भा.द.वि.

★ सौरभ कुमार उर्फ सौरभ

☞ लालपुर थाना कांड संख्या 61/ 23, दिनांक 05.03.2023, धारा 379 भा.द.वि.

☞ ओरमांझी थाना कांड संख्या 115/19, दिनांक 17.07.2019, धारा 302/120(ठ) भा.द.वि.

★ साहिल सिंह उर्फ टेजेन्ट उर्फ दीपु

☞ सदर थाना कांड संख्या 519/22, दिनांक 23.11.2022, धारा 25 (1-ठ)।/26/35 आयुध अधिनियम

☞ सदर थाना कांड संख्या 500/21, दिनांक 01.11.2021, धारा 447/290/34 भा.द.वि.

☞ सदर थाना कांड संख्या 316/19, दिनांक 24.09.2019, धारा 341/323/325/307/379 / 34 भा.द.वि.

☞ सदर थाना कांड संख्या 436/16, दिनांक 29.11.2021, धारा 386 भा.द.वि.

★ सब्बीर कुरैशी

☞ नामकुम थाना कांड संख्या 216/21, दिनांक 21.08.2021, धारा 379/411/34 भा.द.वि.

★ सूरज कुमार गुप्ता

☞ सदर थाना कांड संख्या 256/22, दिनांक 08.06.2022, धारा 341/342/323/307/379/384/386 / 34भा.द.वि.

☞ सदर थाना कांड संख्या 645/ 18, दिनांक 26.12.2018, धारा 392 भा.द.वि.

★ राजा वर्मा

☞ सदर थाना कांड संख्या 305/2022, दिनांक 07.07.2022, धारा 457/380 भा.द.वि.

☞ नामकुम थाना कांड संख्या 111/21, दिनांक 29.10.2021, धारा 457/380/411/34 भा.द.वि.

☞ खेलगॉव थाना कांड संख्या 71/21, दिनांक 09.09.2021, धारा 379/411 भा.द.वि.

☞ लालपुर थाना कांड संख्या 218/20, दिनांक 15.09.2020, धारा 457/380/411 भा.द.वि.

★ नीरज कुमार उर्फ सब्जी

पूर्व में 03 (तीन) बार बाल सम्प्रेषण गृह भेजा गया है।●

जेवरात एवं एक स्कॉर्पियो के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

● **ओम प्रकाश**

राजधानी रांची की तमर थाना पुलिस ने तीन लाख रुपए मूल्य के जेवरात एवं एक स्कॉर्पियो के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से चोरी की गयी हीरो पैशन प्रो मोटरसाईकिल,चोरी की गयी स्कॉपियो न०-JH 01EZ-5000, चोरी किए गए जेवरात, स्कॉपियो की चाभी एवं अन्य सामान बरामद किया है।अनुप कुमार साहु के द्वारा थाना को सूचना दी गयी कि दिनांक-02.07.23 की रात्रि को वे अपने परिवार के साथ खाना खाकर अपने घर के अन्दर सो गये। रात्रि करीब 01:30 बजे जब वे शौच हेतु उठे तो देखे कि घर का दरवाजा बाहर से बन्द है तथा घर से इनकी बहु का करीब 3,50,000 रूपये कीमत के जेवरात एवं इनके छोटे भाई के पैंट में रखे रूपये, अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर लिया गया है। जब अनूप कुमार बाहर से बन्द दरवाजे को किसी तरह से खोलकर निकले तो देखे कि घर के बाहर खड़ा स्कॉपियो न०-JH 01EZ-5000 भी गायब है। सूचना मिलने के बाद मामले का उद्भेदन हेतु पुलिस अधीक्षक ग्रामीण राँची हारिश बिन जमा के द्वारा अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी बुण्डू अजय कुमार के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर तमाड़ थाना कांड सं0-62/23 में चोरी गयी स्कॉपियो को लवारिस हालत में विनायका फैक्ट्री नामकुम के पास से बरामद कर लिया गया। इसी क्रम में तमाड़ थाना कांड सं0-77/23, दिनांक-28.08.23, धारा-379 भा0द0वि0 के वादी संजय केशरी के द्वारा दिनांक-27.08.23 की रात्रि घर के अन्दर से हीरो पैशन प्रो मोटरसाईकिल न0-JH 01DB-6957 की चोरी किये जाने के आरोप में कांड अंकित कराया गया। इस कांड के अनुसंधान के क्रम में गठित टीम द्वारा चोरी की मोटरसाईकिल के साथ अप्राथमिकी अभियुक्त विवेक सिंह मुण्डा, पिता अर्जुन सिंह मुण्डा, सा०सलगाडीह, थाना तमाड़, जिला राँची को गिरफ्तार किया गया तथा इनके निशानदेही के आधार पर तमाड़ थाना कांड सं0-62/23 में चोरी की गयी जेवरात, स्कॉपियो की चाभी एवं अन्य सामान को भी बरामद किया गया। इस पूरे मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को जेल भेज दिया है।

★ छापामारी दल में शामिल :-

☞ अजय कुमार, भा०पु०से०, अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी बुण्डू

☞ पु0अ0नि0 दीपक कुमार सिंह, थाना प्रभारी तमाड़

☞ पु०अ०नि० चन्दन कुमार साहा, तमाड़ थाना

☞ स०अ०नि० अजय प्रताप, तमाड़ थाना

☞ स०अ०नि० परमेश्वर शर्मा, तमाड़ थाना

☞ हव0 / 173 जितेन्द्र कुमार, तामड़ थाना

☞ आ0/280 कोराली उराँव, तमाड़ थाना

☞ आ0/993 रामचन्द्र उराँव, तमाड़ थाना

लूट की योजना बना रहे अपराधियों पर पुलिस का चला शिकंजा

● ओम प्रकाश

राँची पुलिस ने आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में सात अपराधियों को गिरफ्तार किया है। डकैती की योजना बनाते हुए पुलिस ने पहले 5 अपराधियों को गिरफ्तार किया जिनमे संतोष राय, अलतमस अंसारी,अभिषेक कुमार चौधरी, रवि कुमार एवं दिपक कुमार सिंह, शामिल है। पुलिस ने इनके पास से एक 7.65 उउ का देशी पिस्टल, चार जिन्दा गोली, 3.15 बोर की एक देशी लोडेड नाली कट्टा एवं चोरी की दो मोटरसाईकिल बरामद किए हैं। इनकी निशानदेही पर पण्डरा बाजार समिति में व्यवसायी की रेकी करते हुए इनके दो और अन्य साथी, सुरज और सुजीत को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बताते चले की, रांची पुलिस को जानकारी मिली थी कि पंडरा ओपी इलाके में अपराधी व्यवसाई से लूटपाट करने की योजना बना रहे हैं एवं व्यवासायी की रैकी भी कर रहे हैं। इस मामले की जानकारी मिलने के बाद वरीय पुलिस अधीक्षक रांची कौशल किशोर के निर्देशानुसार पुलिस अधीक्षक नगर शुभांशु जैन राँची के नेतृत्व में सुखदेवनगर थाना एवं क्यू.आर.टी. टीम के द्वारा उस क्षेत्र में अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार सूचना संग्रह एवं निगरानी रखी जा रही थी। इसी क्रम में 28 अगस्त दिन सोमवार को सूचना मिली कि अपराधी व्यवसाई से आज ही लूटपाट की घटना को अंजाम देने के लिए पहाड़ी मंदिर के बगल में नवाटोली चौक स्थित एक बड़े कैम्पस के अन्दर, खाली मकान में, अवैध हथियार के साथ इकठ्ठा हुए हैं। जिसके बाद पुलिस ने छापामारी कर सभी अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार सभी अपराध कर्मियों द्वारा अपने स्वीकारोक्ती बयान में पण्डरा के एक व्यवसायी से अवैध हथियार के साथ, लूट की घटना को अंजाम देने की बात स्वीकारी गई। जानकारी के लिए बता दे कि गिरफ्तार अपराधकर्मी संतोष कुमार, अलतमस अंसारी, सुजीत कुमार साहु, अभिषेक कुमार चौधरी एवं दिपक कुमार सिंह पेशेवर अपराधकर्मी हैं। जो पूर्व में भी कई अपराधिक कांड एवं आर्म्स एक्ट में जेल जा चुके हैं।●

अपराधी मांग रहे थे लाडले खान से रंगदारी, चलायी गोली

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची के लोअर बाजार थाना क्षेत्र के कांटा टोली इदरीश कॉलोनी के पास, आजसू नेता इरशाद राजा उर्फ लाडले खान ने लोअर बाजार थाना में रंगदारी मांगने एवं रंगदारी नहीं देने पर जान मारने की नीयत से फायरिंग करने के आरोप में मामला दर्ज करवाया था। जिसमें उन्होंने बताया कि रंगदारी नहीं देने पर, जान मारने की नियत से मनु कुरैशी और तोकिद मलिक ने गोली चलाई थी। उन लोगों के द्वारा दो गोली चलाई गई थी, जो की मिस फायर हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही लोअर बाजार थाना प्रभारी दयानंद कुमार अपने दल बल के साथ छापामारी कर मनु कुरैशी और तौकीद मलिक को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने इनके पास से 7.65 उउ का एक पिस्तौल , दो मैगजीन एवं पांच जिंदा गोली बरामद किया। सिटी एसपी शुभांशु जैन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि तौकीद मलिक उर्फ शेखू चुटिया थाना अंतर्गत एक सिपाही पर गोली चलाने के मामले में पूर्व में भी जेल जा चुका है। जेल से आने के बाद भी इसमें कोई सुधार नहीं हुआ और मनु कुरैशी के साथ रंगदारी वगैरा मांगने के काम में सम्मिलित हो गया। बताते चले की यह पूरा विवाद लाडले खान से स्कॉर्पियो के लेनदेन के क्रम में उत्पन्न हुआ। जिसके बाद इन लोगों ने इस घटना को अंजाम दिया । फिलहाल पुलिस ने दोनों अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। छापेमारी दल में लोअर बाजार थाना प्रभारी दयानंद कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक शशि शेखर पांडे, चंद्र देव कुमार मांझी, विवेकानंद दुबे, मंटू सिंह, आलोक कुमार एवं लोअर बाजार थाना के सशस्त्र बल शामिल रहे।●

डकैती की घटना को अंजाम देने वाले अपराधी गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची के तमाड़ थाना क्षेत्र में डकैती की घटना को अंजाम देने वाले तीन अपराधी गिरफ्तार । गिरफ्तार अपराधियों के पास से पुलिस ने एक देशी दोनाली कट्टा, चार जिंदा गोली, घटना में इस्तेमाल किया गया होंडा शाइन मोटरसाइकिल सहित, लूट के 10500 रुपए बरामद किया है। जानकारी के लिए बता दें कि तमाड़ थाना क्षेत्र में, भारत फाइनेंस कंपनी की महिला कर्मी से 30 जून को हुई थी डकैती। महिला ग्रामीणों को दिए गए लोन के पैसे की वसूली करती थी। जब महिला पैसे की वसूली कर लौट रही थी, उसी क्रम में रास्ते में 6 अपराधियों ने दिया था घटना को अंजाम। अपराधियों ने हथियार का भय दिखाकर महिला से 212756 रुपए, एक स्कूटी, मोबाइल फोन, टैब एवं चांदी का चैन लूट लिए थे। जिसके बाद मामले का उद्भेदन के लिए वरीय पुलिस अधीक्षक रांची, किशोर कौशल के द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बुंडू अजय कुमार के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर घटना में शामिल करण कुमार यादव, शिव प्रसाद यादव एवं संतोष सिंह मुंडा को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार शिव प्रसाद यादव उर्फ दुल्लू के पास से, घटना में प्रयुक्त एक अवैध देसी दो नाली कट्टा, चार जिंदा गोली, एक चाकू एवं घटना में प्रयुक्त होंडा शाइन मोटरसाइकिल बरामद किया गया। साथ ही इनके पास से, घटना में लूटे गए 10,500 रुपए , महिला से लूटे गए स्कूटी एवं मोबाइल फोन को भी बरामद कर लिया गया।●

प्रेम प्रसंग हत्या काण्ड में प्रेमी गिरफ्तार

राजधानी रांची के बुढ़मू इलाके में 27 अगस्त को प्रेम प्रसंग में एक लड़की की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में रांची पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी का नाम अजय भगत है। जो की सियार टोली थाना बुढ़मू जिला रांची का रहने वाला है। उसके पास से पुलिस ने घटना में प्रयुक्त एक दउली एवं हत्या के समय उसके द्वारा पहने गए खून से सने वस्त्र को बरामद किया है। बताया जाता है कि आपसी विवाद में इस हत्याकांड को अंजाम दिया गया था। रांची पुलिस को जानकारी मिली थी कि बुढ़मू इलाके के एक कुएं में शव तैर रहा है। जिसके बाद मामले की जांच की गई और कुएं से शव को निकाला गया। पुलिस ने इस मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।
रिपोर्ट :- ओम प्रकाश

भारी मात्रा में सोने चांदी के आभूषण एवं ब्राउन शुगर के साथ एक गिरफ्तार

राजधानी रांची की गोंदा थाना पुलिस ने ब्राउन शुगर एवं चोरी के सोने चांदी के आभूषण के साथ दुर्गा कुमार सिंह नाम के व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 26 पुड़िया ब्राउन शुगर, एक सोने का मंगटीका, मंगलसूत्र, डायमंड लगी अंगूठी, दो टॉप्स, 11 पीस बिछिया, एक जोड़ी पायल, 11 हजार नकद, एवं एक लैपटॉप सहित कई अन्य सामान बरामद किए है। सिटी एसपी शुभांशु जैन ने प्रेस वार्ता में बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि गांधी नगर के पास, धावन नगर में, एस्बेस्टस एवं खप्परपोष का झोपड़ी नुमा एक घर में एक व्यक्ति ने ब्राउन शुगर छिपा कर रखा है। इसी सूचना पर पुलिस ने धावन नगर स्थित हनुमान मंदिर के पीछे छापेमारी की तो एक युवक पकड़ा गया। जब उसके घर की तलाशी ली गई तो 26 पुड़िया ब्राउन शुगर मिला। पुलिस ने जब उससे सख्ती से पूछताछ की तो उसने बताया कि 27 अगस्त को एक घर में की गई लाखो की चोरी की घटना में भी वह शामिल था। पुलिस ने आरोपी दुर्गा कुमार सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। **रिपोर्ट :- ओम प्रकाश**

रिसालदार बाबा दरगाह कमेटी के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का हुआ भव्य स्वागत

● ओम प्रकाश

रिसालदार बाबा दरगाह कमेटी के नवनिर्वाचित पदाधिकारी का मुजीब कुरैशी के आवास में जमकर स्वागत किया गया। कहते है पुरानी चीजें ,पुरानी तस्वीरें, पुरानी यादों को संजोग कर रखने से आने वाली पीढ़ी याद रखती है। एकजुटता में ही ताकत है और इसी से विकासोन्मुखी कार्य होते हैं। उक्त बातें झारखंड प्रदेश जमीयतुल कुरैश के अध्यक्ष मुजीब कुरैशी ने रिसालदार बाबा दरगाह कमेटी के नवनिर्वाचित पदाधिकारी को अपने आवास में आयोजित भव्य सम्मान समारोह के दौरान संबोधित कर रहे थे। मुजीब कुरैशी ने कहा कि टीम खिदमत जिस तरह से अपना घोषणापत्र लेकर आई है, जिसे 138 मतदाताओं ने विश्वास के साथ चुना है, जनता की उम्मीदें हैं, उस पर टीम को काम करना होगा। यह आप लोगों के लिए चुनौतियां भी है। तीन सालों में इसको करके दिखाना है । साथ ही उन्होंने कहा कि मेरा यह विचार जिस पर आप सब ध्यान दीजिएगा, कि दरगाह कमेटी का जो बायलॉज है, उसमें कुछ सुधार कर उसे नए सिरे से मजबूती के साथ बनाएं ताकि मदरसा, मस्जिद, सामाजिक संगठनें जो दस साल पुराना रजिस्टर्ड है, या फिर 30 सालों से लगातार समाज के बीच काम करते चला आ रहा है उसे थोड़ा बढ़ाया जा सके, ताकि विस्तार हो। मुस्लमानों के बीच ग्रुप बनाकर आपस के लोगों को बांटने वाले को तरजीह न दें। निवर्तमान पार्षद पप्पू गद्दी ने कहा कि नवनिर्वाचित कमेटी के सामने समय कम और काम बहुत ज्यादा है। कोशिश होगी कि यह लोग सभी काम करेंगे। नवनिर्वाचित अध्यक्ष अयुब गद्दी ने कहा कि जो काम जनता ने हम पर सौंपा है उसे पूरा किया जाएगा। हमारा जो घोषणा पत्र है उसे भी हम पूरा करने की कोशिश करेंगे , जो चीजें छूट गई है उसे भी जोड़ने का प्रयास करेंगे। शिक्षा को बढ़ावा देना हमारी कमेटी की प्राथमिकता में है। उपाध्यक्ष रिजवान हुसैन ने कहा कि शिक्षा को बढ़ावा देना हमारी टीम खिदमत का पूरा जोर रहेगा । इसके अलावा भी जो वादे हमने किए हैं, उसे भी हम लोग सामूहिक रूप से पूरा करेंगे। सह सचिव मोहम्मद सादिक ने कहा कि समय कम और काम बहुत ज्यादा है। अभी जश्न ए ईद मिलादुन्नबी और सलाना उर्स ए मुबारक भी है, सभी की तैयारियां करनी है, समय कम है। हम लोगों ने जो अपने घोषणापत्र में कहा था की शिक्षा को बढ़ावा देंगे , गरीब बेटियों की शादी करवाएंगे और इसके लिए जो हमारा मैरिज हाल है उसे भी उपलब्ध कराया जाएगा। इसकी शुरुआत हम लोगों ने कर दिया है। पहली शादी एक बेटी की हुई है। अंजुमन इस्लामिया के अध्यक्ष हाजी मुख्तार ने कहा की नवनिर्वाचित कमेटी से न सिर्फ 138 लोगों की उम्मीदें है बल्कि झारखंड के लोगों की उम्मीदें जुड़ी हुई है और सभी आपकी ओर उम्मीद भरी निगाहों से देख रही है। उम्मीद करते हैं कि आप सभी की उम्मीदों को पूरा करने की कोशिश करेंगे। मंच संचालन मीडिया प्रभारी गुलाम जावेद और धन्यवाद ज्ञापन जमीयतुल कुरैश पंचायत के अध्यक्ष गुलाम गौस पप्पू ने किया। मौके पर दरगाह कमेटी के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों में अध्यक्ष अयुब गद्दी, उपाध्यक्ष रिजवान हुसैन, बेलाल अहमद, महासचिव जावेद अनवर, कोषाध्यक्ष जैनुल आबेद्दीन उर्फ राज गद्दी, सह सचिव मोहम्मद सदीक, जुल्फिकार अली भुट्टो, कार्यकारिणी सदस्यों में शहजाद बबलू, सरफराज गद्दी संपा,साजिद उमर, अब्दुल खालिद, आफताब आलम, एजाज गद्दी, नोमिनेट सदस्य सह निवर्तमान पार्षद नसीम गद्दी व कमेटी के कई पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। इनके अलावा जमीयतुल कुरैश पंचायत के अध्यक्ष गुलाम गौस कुरैशी पप्पू , महासचिव परवेज कुरेशी , उपाध्यक्ष अफरोज लड्डन सहित झारखंड पुलिस एसोसिएशन के संयुक्त सचिव महाताब आलम, नौशाद कुरेशी, आदिल कुरेशी, मुमताज कुरैशी, अकबर कुरैशी, समीम कुरैशी, सद्दाम कुरेशी फरहाद कुरैशी, अवैस कुरैशी, सरफराज कुरैशी , हसीब अंसारी, मुस्तफा, हाजी मिनहाज, नौशाद, राजू खान, आशिक कुरेशी, सद्दाम कुरेशी, गुड्डू, जाकिर, अफजल कुरैशी, चांद सहित कांटाटोली कुरैशी मोहल्ला, इदरीश कॉलोनी, पुरुलिया रोड, सुल्तान कॉलोनी से भी कई लोग उपस्थित थे।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/9955077308

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

होम्योपैथी में मिर्गी का कारगर दवा

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

होम्योपैथिक अस्पताल स्टेशन रोड पटना में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता शोभा देवी ने किया तथा मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल थे। मुख्य अतिथि डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि मेरी एक तांत्रिकातंत्रिय विकार है , जिसमें बार-बार दौरे पड़ता है। मस्तिष्क में किसी गड़बड़ी के कारण बार-बार दौरे की समस्या हो जाती है। दौरे के समय व्यक्ति का दिमागी संतुलन गड़बड़ा जाता है। कभी-कभी दौरा के कारण मस्तिष्क को क्षति पहुंच सकता हैं।

★ लक्षणों के आधार पर दवा का चुनाव :-

☞ दौरों के दौरान पीछे की ओर इस तरह से गिरना जैसे कि सिर में पीछे की तरफ कोई वजन हो। सिर में ऐसा दर्द जैसे बर्फीली सुइयों से छेद किया जा रहे हो। हाथ पैरों में अकड़न। हाथों में ऐंठन। दवा का नाम एगारिकस मस्केरियस 30/200/1000।

☞ मामूली परिश्रम के बाद भी अंगों में बहुत अधिक कमजोरी आ जाना। अंगों का कांपना, अंगों में डर के झटके, उंगलियों में सुस्ती, अपने आप अंगों में झटका और हिलना, चेहरे के पीलेपन , के साथ मिर्गी के दौरे पड़ना ,शरीर के अंगों में दर्द सिर हाथ और पैरों में झटके। दवा का नाम साईक्यूटा विरोसा 30/200/1000।

☞ मृगी के झटके से गर्दन के पीछे के भाग में झटका लगना ,उंगलियों का संकुचन। ब्यूफोराना 30/200

☞ पीछे की ओर सिर को झटका के साथ पीठ में ऐंठन ,गले की मांसपेशियों में अकड़न, जोड़ो में दर्द ,अंगों में एंठने वाले झटके, हाथों में सुन्नता और अकड़न,रात में बाहों में दर्द के साथ लकवे से जुड़ी समस्या। कैमोमिला 30/200/1000।

☞ बाहों में सुन्नता, बाहों में लगातार खिंचाव होना, हाथ में भारीपन ,अपने आप लगंड़ापन, पैरों में सूजन पैरों भारीपन। दवा का नाम बेलाडाना 30।

☞ हाथों में कंपकंपी ,मांसपेशियों में कमजोरी, अंगों का उपयोग करने में कठिनाई, चलने में असमर्थ होना, चलते समय दाहिनी जांघ में कंपकंपी और सुबह के समय में बेहोशी आना। दवा का नाम कोनियम मैकुलेटम 30/200/1000।

☞ हाथ और पैरों का अक्सर सुस्त हो जाना, पैरों में झटका लगना ,हाथ पैरों को झटका लगना,अंगों में लगवा महसूस होना, सुबह के समय हाथ पैरों में अचानक ताकत कम होने का एहसास होना। नक्स बोमिका 30/200।(7) हाथ और पैरों में झटका लगना, अंगों में कंपी - कंपी के साथ सो जाना, अंगों में एंठन होना, उंगलियां सुन्न हो जाना ,बेहोशी आए बिना मृर्गी की एंठध होना, एंठन के दौरान पसीना आने के बाद गहरी नींद में सो जाना। दवा का नाम स्ट्रोमोनियम 30/200।

☞ हाथों और बाहों में एंठन के साथ जोड़ों में दर्द, उंगलियों को हिलाने में परेशानी होना, पैरों में सुन्नता, उंगलियों में विकृति, अंगों में दर्द होना जो रात में बढ़ जाता है । दवा का नाम IyEce मेटालिकम 30/200।

कोई भी दवा चिकित्सक के सलाह से ही इस्तेमाल करें। इस अवसर पर शोभा पटेल, ममता पटेल,अनामिका पटेल,अनामिका पाण्डेय , टीपू सिंह, पुजा कुमारी, रेखा शर्मा,अंकुश कुमार, आशीष कुमार,अमीषा कुमारी, सीमा कुमारी ,अंजु बहन , रंजीत साह, धनंजय कुमार आदि मौजूद थे।●

आदमी के दिल तक पहुंचाया जा रहा चावल में मिलाकर प्लास्टिक के कण

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

प्लास्टिक के कण धीरे-धीरे हर जगह पहुंच रहे हैं, खुलेआम चावल में प्लास्टिक का चावल मिलाकर, फूड पैकेजिंग व पेंट में इस्तेमाल होने वाला माइक्रो प्लास्टिक के कण इंसानों के हृदय में मिले हैं। यह दावा शोधकर्ताओं ने किया है। रिपोर्ट के मुताबिक चीन की राजधानी बीजिंग के एक अस्पताल के शोधार्थियों की टीम ने कार्डियक सर्जरी के दौरान 15 लोगों के हार्ट टिश्यू की सैंपल्स लिए और सर्जरी से पहले व सर्जरी के बाद ब्लड के नमूने एकत्र किए, एकत्र किए गए ब्लड के सभी नमूनों व हार्ट टिश्यू में माइक्रो प्लास्टिक के अंश मिले, शोधार्थियों ने लेजर डायरेक्ट इंफ्रा रेट इमेजिंग के जरिए इन नमूनो का विश्लेषण किया, अध्ययन में 20 से 500 माइक्रोमीटर वाइड के प्लास्टिक के टुकड़े मिले। वही इन नमूने में आठ अलग-अलग किस्म के प्लास्टिक मिले ,इसमें पॉलीइथाइलीन ,टेरेप्थलेट, पॉलीविनाइल, क्लोराइड और पॉली भी शामिल है। हाल ही में ए स्टडी हाल ही में एक केमिकल सोसायटी के जर्नल में प्रकाशित हुई है, इससे पहले शोधकर्ताओं ने माइक्रोप्लास्टिक के अंश इंसान के नसों फेफड़ों ब्लड में भी मिलने का खुलासा किया है। इससे एक बात स्पष्ट है कि वातावरण में बढ़ता प्लास्टिक का अंश न केवल हमारे पर्यावरण बालिक हमारे शरीर के अंगों तक में घुल चुका है। पिछले दिनों एक शोध कर्ता ने बताया कि किस तरह माइक्रो प्लास्टिक शरीर की कोशकीय कार्य प्रणाली को प्रभावित करता है, एक बार जब प्लास्टिक के कण शरीर में प्रवेश कर जाता है तो कोशिकाओं को विकास को प्रभावित करने में सक्षम होता है साथ ही उसके आकार में भी बदलाव कर सकता है। बताया जाता है कि अब तो राशन के चावल में भी प्लास्टिक का चावल मिलाया जा रहा है। इस चावल को महिलाएं चुन-चुन कर बाहर कर रही है। क्या सभी को रोगी बनाने का राज छिपा हुआ है या भारत सरकार को बदनाम करने के लिए। बताया जाता है कि चावल पंजाब से रेल द्वारा फतुहा यार्ड में आता है तथा यहां से चावल उतार कर मोकामा जाता है तथा मोकामा से पटना, पटना से चावल में प्लास्टिक का चावल मिलाकर फतुहा आता है। इसमें कितना बड़ा राज छिपा है। इस घटना के विरुद्ध कार्रवाई करने का अधिकार है सीओ, बीडीओ, एस डी ओ, जिलाधिकारी, थाना,डी एस पी, एसपी, आई जी, डीजीपी, एवं संबंधित आईएएस आईपीएस को कार्रवाई करने का अधिकार है बावजूद किसी के कान पर जूं तक नहीं रेंग रहा है।●

आपका राशिफल

पंडित तरुण झा
ज्योतिषचार्य
(ज्योतिष, वास्तु एवं रत्न विशेषज्ञ)
ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान
प्रताप चौक, सहरसा-852201,
(बिहार)
मो० :- 9470480168

मेष राशि :- इस महीने जातक को जिनसे मिले कुछ ही समय हुआ है और साथ ही आमदनी के नए स्रोत उत्पन्न होंगे,वैवाहिक जीवन का सुख प्राप्त होगा। कार्यस्थल पर आपके वरिष्ठ आपसे प्रभावित होंगे एवं सम्मान देंगे ।

वृषभ राशि :- इस महीने जातक को किसी फेमस पर्सनालिटी से मिलने का अवसर प्राप्त होगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। भाई-बहन के बीच आपसी टकराव हो सकता है, इस महीने अविवाहित जातक के लिए शादी का प्रस्ताव आएगा!

मिथुन राशि :- यह महीना जातक को संचार माध्यम से कोई लाभदायक सूचना मिलेगी। महीना लाभदायक होने वाला है, उन्नति की तरफ बढ़ेंगे!

कर्क राशि :- यह महीना जातक का पैसों के नए स्त्रोत बनेंगे, दोस्त आपको गलत रास्ता दिखा सकते हैं, सतर्क रहें। सरकारी कामों में उन्नति मिलेगी। भविष्य के लिए धन की बचत करेंगे। संतान सुख प्राप्त होगा।

सिंह राशि :- यह महीना जातक का साज-सज्जा के समानों पर धन व्यय होगा,नौकरीपेशा जातको की उच्च पद अधिकारी के साथ वाद-विवाद हो सकता है, सतर्क रहें।

कन्या राशि :- हानी के करण डिप्रेशन महसूस कर सकते हैं। जातक इस माह कुछ नए कार्य हाथ में लेंगे, किन्तु अच्छा प्रदर्शन नही कर पाएंगे। माह के अंत में एक नया उत्साह दिखाई देगा।

तुला राशि :- इस महीने जातक नौकरीपेशा वर्ग कोई साइड व्यापार करने का प्लान बनाएंगे। किन्तु आलस्य हावी होने के कारण क्रियान्वित नहीं कर पाएंगे, लेकिन काम सुनिश्चित रूप से करेंगे!

वृश्चिक राशि :- यह महीना जातक का अटके हुए कार्यों को आसानी से खत्म कर लेंगे। नया व्यापार करने के लिए समय उत्तम रहेगा, आकस्मिक धन लाभ होने के योग बन रहे हैं।

धनु राशि :- यह महीना जातक के शुरुवात से ही व्यापार में लाभ प्राप्ति के योग बनाएंगे । जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार मे शांतिमय वातावरण रहेगा।

मकर राशि :- इस महीने जातक माह के मध्य मे अत्यधिक कार्य के कारण खुद को तनावग्रस्त महसूस कर सकते है। माह के अन्त में जातक को निकट का व्यक्ति धोखा दे सकता है! सावधान रहने की आवश्यकता है!

कुंभ राशि :- यह महीना जातक,जो सपने जातक ने देखे हैं, इस महीने पूरे हो सकते हैं। विद्यार्थियों को पढ़ाई में सफलता प्राप्त होगी। नौकरी मे उन्नति हो सकती है। नमः शिवाय अवश्य जाप करें!

मीन राशि :- यह महीना जातक का नौकरीपेशा लोगों को तरक्की मिलने की उम्मीद है,प्रॉपर्टी खरीदने के योग है,किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है,माह के शुरुआत मे ही महत्वपूर्ण कार्य कर लेंगे!

भगवान विष्णु को प्रसन्न करने वाला व्रत अनंत चतुर्दशी

ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान,सहरसा के संस्थापक एवं निर्देशक ज्योतिषाचार्य पंडित तरुण झा के अनुसार अनंत चतुर्दशी का व्रत भादो मास मे मनाया जाता है,कई जगह पर इस व्रत को अनंत चौदस के नाम से भी जाना जाता है, धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अनंत सूत्र को बांधने और व्रत रखने से व्यक्ति की कई प्रकार की बाधाओं से मुक्ति हो जाती है, यह व्रत विशेष रूप से भगवान विष्णु को प्रसन्न करने के लिए किया जाता है,इस व्रत को करने से भगवान विष्णु जी का आशीर्वाद प्राप्त होता है। अनंत चतुर्दशी का पूर्ण लाभ लेने के लिए लोग व्रत के सभी नियमों को बहुत ही ध्यान से और संयम से मानते हुए पूरा करते हैं, कहते हैं कि इस दिन व्रत रखने से घर की नकारात्मक उर्जा, सकारात्मक ऊर्जा में बदल जाती है और घर की खुशहाली का कारण बनती है।

☞ **महत्व :-** देशभर में यह पर्व बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है और हिंदू पुराणों में तो इसका काफी ज्यादा महत्व है, इसी दिन गणेश विसर्जन भी किया जाता है।,अनंत चतुर्दशी के दिन ही गणेश उत्सव का अंत होता है,इस दिन भगवान विष्णु के अनंत रूप की पूजा की जाती है।,अनंत चौदस का व्रत रखना काफी फलदाई माना जाता है,इस पर्व के अनुसार इस दिन अनंत सूत्र बांधा जाता है, यह अनंत सूत्र कपड़े सुतिया रेशम का बना हुआ होता है,विधि पूर्वक पूजा करने के बाद यह सूत्र लोग अपने बाजू पर बांध लेते हैं,महिलाएं अपने बाएं हाथ पर जब कि पुरुष अपने दाएं हाथ पर अनंत सूत्र बांधते हैं,अनंत सूत्र बांधते वक्त वह अपने परिवार की दीर्घायु और अनंत जीवन की कामना करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस सूत्र को बांधने से सभी प्रकार की समस्याएं खत्म हो जाती हैं और जीवन में खुशियों का आगमन होता है।

☞ **अनंत कथा से जुड़ी पौराणिक कथा :-** पुराणों के अनुसार यह कथा महाभारत काल से जुड़ी हुई है और यह कथा युधिष्ठिर से संबंधित है; कथा के अनुसार पांडवों के राज्य हीन होने के बाद श्री कृष्ण ने उन्हें अनंत चतुर्दशी का व्रत रखने का सुझाव दिया,इसके बाद पांडवों ने हर हाल में राज्य वापस पाने के लिए व्रत करने के लिए सोचा परंतु उनके मन में कई प्रश्न थे। जिनका उत्तर उन्होंने श्री कृष्ण से पूछा जैसे कि यह अनंत कौन है और इस का व्रत क्यों करना है। उत्तर देते हुए श्री कृष्ण ने कहा कि श्री हरि के स्वरूप को ही अनंत कहा जाता है और यदि उनका व्रत रखा जाए तो ऐसा करने से जिंदगी में आने वाले सारे संकट खत्म हो जाते हैं। इस पर्व से एक और कथा प्रचलित है,उस कथा के अनुसार सुमंत नाम का एक वशिष्ठ गोत्र ब्राह्मण इसी नगरी में रहता था, उनका विवाह महा ऋषि भृगु की पुत्री दीक्षा से हुआ,इन दोनों की संतान का नाम सुशीला था। दीक्षा की जल्दी ही मृत्यु हो गई इसलिए सुमंत ने कर्कशा नामक कन्या से विवाह कर लिया,उन्होंने अपनी पुत्री का विवाह कौंडिण्य मुनि से करवाया परंतु कर्कशा के क्रोध के चलते सुशीला एकदम साधन हीन हो गई और वह अपने पति के साथ जब एक नदी पर पहुंची तो उसने कुछ महिलाओं को व्रत करते हुए देखा। उसने भी अपनी समस्याओं के निवारण के लिए चतुर्दशी व्रत रखना शुरू किया और इस तरह व्रत रखने के बाद उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो गई। **रिपोर्ट:-निलेन्दु झा**

कानूनी सलाह

शिवानंद गिरि
(अधिवक्ता)
Ph.- 9308454485
7004408851
E-mail :-
shivanandgiri5@gmail.com

✯ क्या कोई माता-पिता अपने ही बच्चों के अपहरण का दोषी बन सकता है?

हिन्दुओं में सुस्थापित और प्रचलित रूढ़ी के अनुसार कोई विवाहिता नाबालिग लड़की जब तक बालिग नहीं हो जाती है, तब तक यदि वह धर्मज संतान है तो अपने पिता के संरक्षण में रहेगी और यदि वह अधर्मज संतान है तो अपनी माँ की संरक्षकता में रहेगी और यदि दोनो में से कोई एक बिना किसी दूसरे के सहमति के जिनके संरक्षकता में बच्चा है। उक्त बच्चा को ले जाता है तो वह माता या पिता व्यपहरण का अपराधी माना जायेगा और यदि किसी विवाहिता लड़की की आयु 15 वर्ष पूरी हो गई हो तो उसका विधिपूर्ण संरक्षक उसका पति होता है और यदि ऐसी कम उम्र की लड़की का पिता उसके पति के सहमति के बिना उसकी संरक्षकता में से ले जाता है तो, उसे भारतीय दंड संहिता की धारा 361 के अधिन व्यपहरण का अपराध किया माना जायेगा। भले ही उस पिता का आशय ऐसा करने में अपराधिक न रहा हो।

और यदि कोई स्त्री जुडिशियल सिप्रेशन के तहत अपने पति से अलग अपने बच्चे के साथ रह रही हो और ऐसी स्थिति में पिता उस बच्चे को बिना माता के सहमति के ले जाता है तो वह पिता भी अपहरण का दोषी होगा।

मुस्लिम विधि के अनुसार यदि पिता सात वर्ष से कम आयु के किसी पुत्र को अथवा कम उम्र के किसी पुत्री को यदि वह सुन्नी है अथवा सात वर्ष की कम आयु की है। यदि वह सिया है अथवा किसी अधर्मज संतान को उसकी माँ की अभिरक्षा में से ले जाता है तो उसके बारे में यह माना जा सकता है कि उसने अपने ही संतान का व्यपहरण किया है। क्योंकि माँ ही विधिपूर्ण संरक्षक मानी गई है। सुन्नी विधि के अनुसार माँ अपनी पुत्री की संरक्षिका तब तक रहती है, जब तक की वह पुत्री 15 वर्ष की आयु पूरी नहीं कर लेती है।

✯ कमलेश कुमार एवं पी.एल. खेतान एक व्यापार में पार्टनर थे और कमलेश एण्ड पी.एल. खेतान कंपनी के नाम से बिजनेश करते थें। कमलेश और पी.एल. खेतान के बीच यह तय हुआ कि वे कंपनी की कुछ संपत्ति पचास हजार रूपये में बेच दे और इसका दायित्व कमलेश कुमार को दिया गया। कमलेश कुमार उस संपत्ति को 60 हजार रूपये में बेचा और कंपनी को केवल पचास हजार रूपये ही दिया। तब पी.एल. खेतान ने कमलेश कुमार से दस हजार रूपये और कंपनी को देने को कहता है, तो क्या कमलेश कुमार उक्त दस हजार रूपया कंपनी को देने के लिए बाध्य है, जबकि जितना पैसे का करार हुआ था, उतना तो उसने कंपनी को दे दिया?

कमलेश कंपनी को दस हजार रूपये देने के लिए बाध्य है, क्योंकि भागिदारी का गठन पारस्परिक विश्वास के आधार पर होता है और भागिदार फर्म के कारोबार को अधिकत्तम संयुक्त लाभ के लिए चलाने को बाध्य है। इस संबंध में भागिदारी अधिनियम की धारा 9 में प्रावधान है कि भागिदार सर्वाधिक सामान्य लाभ के लिए फर्म के कारोबार को चलाने एक-दूसरे के प्रति विश्वास परायण और वफादार रहने तथा प्रत्येक भागिदार या उसके विधिक प्रतिनिधि को सच्चा लेखा और फर्म पर प्रभाव डालने वाली सब बातों की पूरी जानकारी देने के लिए बाध्य है। इस घटना की दृष्टि से कमलेश कुमार, पी.एल. खेतान के प्रति विश्वासी और वफादार रहने तथा फर्म के संबंध में सच्चा लेख प्रस्तुत करने को बाध्य है। कमलेश कुमार फर्म की संपत्ति पचास हजार रूपये के बदले साठ हजार रूपये में बेचा। शेष दस हजार रूपये अपने पास रख लिया। जो कि विधिपूर्ण नहीं है। इसलिए वे फर्म का दस हजार रूपया कंपनी को देने के लिए बाध्य है।

✯ श्यामा देवी के पति ने कुछ धन राशि और चेक अपने मित्र को दिए। उसका मित्र बैंक का एक कर्मचारी था। उक्त धनराशि व चेक को श्यामा देवी ने अपने खाते में जमा करवाने के लिए दिए थे, परन्तु उक्त बैंक का कर्मचारी ने उन्हें कोई उचित रसीद नहीं दिया और वह पैसा अपने लिए इस्तेमाल कर लिया तो क्या श्यामा देवी उक्त बैंक के कर्मचारी एवं बैंक के विरूद्ध मुकदमा कर सकती है?

श्यामा देवी केवल उक्त बैंक के कर्मचारी के विरूद्ध मुकदमा ला सकती है। वह बैंक के विरूद्ध मुकदमा नहीं कर सकती है, क्योंकि जब बैंक के कर्मचारी के द्वारा जब कपट किया गया था तब वह बैंक के नियोजन के अनुक्रम में कार्य नहीं कर रहा था बल्कि जमाकर्ता के मित्र के रूप में अपनी निजी क्षमता के अंतर्गत कार्य कर रहा था। इसलिए बैंक को इसके लिए उत्तरदायी नहीं बनाया जा सकता है।

✯ स्वामी नित्यानंद नामक एक पुजारी एक लड़की को भूत-प्रेत बाधा से छुड़ाने के लिए पीटता है, जिसके कारण लड़की की मृत्यु हो जाती है तो क्या उक्त ढ़ोगी बाबा के खिलाफ हत्या का मुकदमा चलेगा?

किसी धर्म के अंध-विश्वास में आकर इस तरह का कार्य सद्भाव एवं तथ्य की भूल नहीं माना जाता है, इसलिए उक्त पुजारी भारतीय दण्ड संहिता की धारा 299 के अंतर्गत अपराधिक मानव वद्ध के अपराध का दोषी होगा। वह हत्या का दोषी इसलिए नहीं माना जायेगा, क्योंकि उक्त लड़की को पीटने का उद्देश्य उसकी हत्या करना नहीं था।

✯ कौशल कुमार को सड़क पर सोने की अंगूठी मिलती है, उठाकर वह अपने पास रख लेता है, क्या उसने कोई अपराध किया है?

कौशल कुमार ने कोई अपराध नहीं किया है परन्तु यदि वह अंगूठी के मूल स्वामी के बारे में जानता और समुचित रूप से खोजबीन नहीं करता तो वह अपराधिक दुर्विनियोग का दोषी होता। परन्तु, यहां वह सड़क पर गिरा अंगूठी लेता है, जिसमें बिना किसी सुराग के अंगूठी के मूल स्वामी का पता लगाना संभव नहीं है। इसलिए कौशल कुमार ने उस अंगूठी को अपने पास रखकर कोई अपराध नहीं किया है।

BAL VIDYA NIKETAN
SENIOR SECONDARY SCHOOL
Up to 10+2
Affiliated To C.B.S.E., New Delhi
दैवम् अपि पुरूषार्थम् अपेक्षते।
Admission is going in (10+2) in all subjects.
Patel Nagar,
Raja Bazar, Jehanabad
Director
Anil Kr. Singh
9431226080
B.Ed./D.El.Ed सत्र 2023-25 में Admission के लिए सम्पर्क करें।
पटेल कॉलेज ऑफ एजुकेशन
जहानाबाद
नगीना देवी टिचर्स ट्रेनिंग कॉलेज
जहानाबाद
Mob.: 9431226080, 9334074905
OFFICE :-B.V.N. PATEL NAGAR, RAJA BAZAR, JEHANABAD

Ashirwad
आशीर्वाद
स्व-तंत्र अलौकिक चिकित्सालय
Badauan, Gaya (Bihar)
डायबिटीज, गठिया, चर्मरोग, पथरी,
एक्जिमा, गैस्ट्रिक, माइग्रेन,
बांझपन, ल्यूकोरीया, थायराइड,
मोटापा, श्वास, बवासीर, इत्यादि
जटिल रोगों का उपचार
करा कर थक चुके हैं, तो
सम्पर्क कर सकते हैं :-
Dr. Mantu Mishra
फोन नंबर :- 9939978397
समय :- सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक

GSTIN : 10KEPD0123PIZP
उत्तर भारत का COOKIE MAKER, सीवान में पहली बार
आपके लिए लेकर आया है
Cookie का बेहतर श्रृंखला
PRATIK ENTERPRISES
राजपुर (रघुनाथपुर) में अत्याधुनिक मशीनों द्वारा रस्क, बिस्कुट, बर्गर, मीठा ब्रेड, वंद, क्रीम रोल, पेटीज और बर्ड डे केक, पार्टी केक ग्राहकों के मनपसंद तैयार किया जाता है।
शुद्धता एवं स्वाद की 100% गारंटी
किसी भी अवसर पर
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें।
प्रतीक फुड कंपनी
प्रतीक इंटरप्राइजेज, प्रतीक पतंजलि
राजपुर, रघुनाथपुर, सीवान (बिहार)
-: सौजन्य से :-
ब्रजेश कुमार दुबे
Mob.-9065583882, 9801380138

moogy
FLAVOURS KA
RAINBOW
Tumli
Pulpes
Lolly Pops
Eclairs
Coffee
Double Mango
Lichi
Coconut
moogyfoods
moogyfoods
moogynamkeen.com
700 42 54 956
700 42 54 956

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
(Serving nation since 1990)

WESTOCITRON
WESTOCLAV
WESTOFERON
WESTOPLEX
QNEMIC

AOJ
AZIWEST
DAULER
MUCULENT
AOJ-D
BESTARYL-M
GAS-40
MUCULENT-D

SEVIPROT
WESTOMOL
WESTO ENZYME
ZEBRIL

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD. · Dispersing Happiness

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
Industrial area, Fatuha-803201
E-mail- westerlindrugsprivatelimited@gmail.com
Phone No.:0162-3500233/2950008